सुप्रभात
रांची, मंगलवार
16.07.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net आषाढ़, शुक्ल पक्ष, एकादशी, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 06

12 मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल में मिसेज का होगा प्रीमियर

न्यूज डायरी

मुहर्रम को लेकर झारखंड में अलर्ट

रांची। झारखंड में मुहर्रम को लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने सोमवार को सभी जिलों के एसपी और डीआईजी के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही प्रदेश में मुहर्रम को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। पर्व को लेकर प्रदेश के संवदेनशील जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती का निर्देश जारी किया गया है।

हजारीबाग से ब्राउन शुगर के साथ छह गिरफ्तार

हजारीबाग। नशे के सौदागरों के खिलाफ झारखंड पुलिस को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। हजारीबाग पुलिस ने छह करोड़ रुपये से अधिक के ब्राउन शुगर के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया है। यूपी के बाराबंकी की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं हजारीबाग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ये कामयाबी मिली है।

बस में करंट फैलने से तीन बारातियों की मौत

रांची। तमाड़ थाना क्षेत्र के चोगागुटू गांव आ रही बारातियों से भरी बस के ऊपर सवार कुछ लोग रविवार की देर रात 11 हजार वोल्ट करंट के संपर्क में आ गये। इस हादसे में एक नाबालिग समेत 3 बारातियों की मौत हो गयी। पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

भ्रूण जांच में छापा, तीन गिरफ्तार, क्लीनिक सील

कोडरमा। पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के जरिए कभी हजारीबाग के चौपारण तो कभी गिरिडीह के सरिया में भ्रूण जांच करने के एक मामले का भंडाफोड़ हुआ है। कोडरमा एसडीओ रिया सिंह की अगुवाई में टीम ने गिरिडीह जिले के सरिया में लक्ष्मी क्लीनिक सह मेडिकल सेंटर में छापेमारी की। एक डॉक्टर सहित तीन को गिरफ्तार किया है। साथ ही मशीन भी जब्त कर ली है।

वहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 67600 रु./10 ग्राम
चांदी : 95000 रु./प्रति किलो

फिर सीएम बनने के बाद पहली बार राष्ट्रपति और पीएम से मिले हेमंत सोरेन

पीएम से झारखंड के विकास में मांगा सहयोग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची, नयी दिल्ली। जेल से रिहा होने और झारखंड के फिर मुख्यमंत्री बनने के बाद हेमंत सोरेन ने सोमवार को पहली बार नयी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी से औपचारिक मुलाकात की। उनके साथ उनकी पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं। हेमंत सोरेन ने दोनों को फूलों का गुलदस्ता दिया। सीएम हेमंत सोरेन और पीएम मोदी के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं ने झारखंड की बेहतरी और विकास के लिए नीतियों और रणनीतिक कदमों पर चर्चा की। ये भी कहा जा रहा है कि सीएम हेमंत ने पीएम मोदी से राज्य के लिए सहयोग मांगा है। वहीं, इस मुलाकात पर झामुमो ने कहा कि यह शिष्टाचार मुलाकात थी। श्री सोरेन ने राष्ट्रपति भवन और पीएमओ जा कर दोनों से भेंट की। पीएमओ की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मोदी और हेमंत के बीच हुई मुलाकात की जानकारी दी गयी। बाद में हेमंत सोरेन ने भी ट्वीट कर यह जानकारी दी। हेमंत ने एक्स पर लिखा- प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात।

एक्स पर सीएम ने जानकारी साझा की

राष्ट्रपति भवन में द्रौपदी मुर्मू से हुई भेंट की सीएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर इसकी जानकारी दी है। सीएम हेमंत ने एक्स पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति आदरणीय द्रौपदी मुर्मु जी से भेंट हुई। वहीं, तस्वीर में सीएम हेमंत राष्ट्रपति को गुलदस्ता देते नजर आ रहे हैं। उनके साथ पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद हैं। झामुमो नेता ने इन मुलाकातों को शिष्टाचार भेंट बताया।

झारखंड के विकास पर चर्चा : यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब झारखंड में विकास के कई मुद्दे चर्चा में है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी से इन मुद्दों पर चर्चा की होगी और राज्य के लिए सहयोग मांगा होगा। हालांकि, मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर बात हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आयी है।

नशे के सौदागरों पर नकेल कसें, युवा हो रहे बर्बाद

हाइकोर्ट ने कहा, बिना लाइसेंस न बिके शराब, गाइडलाइन बना कर सौंपे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट नशे के कारोबार पर काफी सख्त है। दरअसल, खूंटी में अफीम के फसलों को नष्ट करने एवं झारखंड में अफीम ,चरस, गांजा आदि ड्रग्स के कारोबार में लगातार वृद्धि पर हाईकोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। इस पर सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि शराब के व्यापार में सरकार को राजस्व का लाभ तो होता है, लेकिन आबादी वाले मुहल्लों, घरों और मंदिरों के आसपास शराब बिक्री से आम लोगों को काफी परेशानी होती है। ऐसी जगह पर शराब बिक्री का लाइसेंस न दिया जाये। नशे के सौदागर युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। नशे के शिकार युवा रिनपास में भर्ती हो रहे हैं और जीवन व मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। अदालत ने सरकार से कहा, नशे के सौदागरों पर नकेल कसें। राज्य और युवाओं के हित में यह बहुत जरूरी है। कोर्ट ने कहा इन सब पर अंकुश के लिए राज्य सरकार एक गाइडलाइन तैयार करें और कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करें। महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ राज्य भर में अभियान चलाया जा रहा है। **(शेष 11 पर)**

देर रात तक खुले रहते हैं बार-रेस्टोरेंट

कोर्ट ने अपने मौखिक आदेश में कहा कि राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र, बिरसा चौक आदि क्षेत्रों में अफीम, चरस, गांजा का व्यापार फल फूल रहा है। पुलिस को सख्ती से इस पर अंकुश लगाना होगा। राज्य सरकार से कहा कि शहर में बार एवं रेस्टोरेंट देर रात खुले रहते हैं, जिससे हत्या सहित अन्य अप्रिय घटनाएं होती रहती हैं। पुलिस की रेस्टोरेंट के समीप मूकदर्शक बनकर खड़ी रहती है। ड्रग्स माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा, इनका नेटवर्क इंटर स्टेट एवं विदेश तक रहता है।

मेसी ने रचा इतिहास

नयी दिल्ली। लियोनेल मेसी फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने कोपा अमेरिका कप खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। अपने खाते में 45वीं ट्रॉफी जोड़ कर मेसी दुनिया के ऐसे पहले खिलाड़ी बन गये। मेसी ने यह उपलब्धि अर्जेंटीना के साथ हासिल की जिसने सोमवार को कोपा अमेरिका कप फाइनल में कोलंबिया को 1-0 से मात दी। अर्जेंटीना ने रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका का खिताब अपने नाम किया। लियोनेल मेसी ने 45वीं ट्रॉफी जीतकर ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी डानी आल्वेज का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। मेसी के रोसारियो के युवा लड़के से लेकर फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल फुटबॉलर बनने की यात्रा वाकई अद्भुत है।

नीट-यूजी विवाद पर 18 को सुप्रीम सुनवाई

निजी पक्षों को नोटिस, याचिकाएं स्थानांतरित करें

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की याचिकाओं पर निजी पक्षों को नोटिस जारी किये। इन याचिकाओं में एजेंसी के खिलाफ विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है ताकि मुकदमों की अधिकता से बचा जा सके। इस मामले की 18 जुलाई को फिर सुनवाई होगी। पीठ ने यह भी कहा कि याचिकाओं का नया बैच भी शीर्ष अदालत को स्थानांतरित किया जाये क्योंकि वे एक ही मुद्दे से संबंधित हैं।इससे पहले, पीठ ने 14 जून को एनटीए की इसी तरह की याचिकाओं पर पक्षकारों को नोटिस जारी किए थे। एनटीए ने प्रस्तुत किया था कि प्रश्नपत्र लीक और अन्य कदाचार के आरोपों पर राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी), 2024 को रद्द करने की मांग वाली कई याचिकाएं कई उच्च न्यायालयों में लंबित हैं। एनटीए की ओर से पेश अधिवक्ता वर्धमान कौशिक ने सोमवार को मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ से आग्रह किया कि याचिकाओं का नया बैच भी शीर्ष अदालत को स्थानांतरित किया जाये क्योंकि वे एक ही मुद्दे से संबंधित हैं।

पांच याचिकाओं पर सुनवाई

शीर्ष अदालत विभिन्न उच्च न्यायालयों से मामलों को अपने पास स्थानांतरित करने की मांग वाली पांच याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इससे पहले, पीठ ने 11 को नीट-यूजी के आयोजन में कथित कदाचार को रद्द करने, फिर से परीक्षा कराने और जांच की मांग करने वाली अन्य याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी थी।

जोर का झटका: देश में महंगाई 16 महीने के उच्चतम स्तर पर

खाद्य वस्तुओं , सब्जियों, पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ने से बढ़ी महंगाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में थोक महंगाई जून में बढ़कर 16 महीने के उच्चतम स्तर 3.36 फीसदी पर पहुंच गयी है। खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण यह वृद्धि हुई है।यह लगातार चौथा महीना है जब महंगाई में बढ़ोतरी देखी गयी। मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 2.61 फीसदी थी। जून 2023 में यह (-) 4.18 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार जून महीने में महंगाई बढ़कर 16 महीने के उच्चतम स्तर पहुंच गयी है। मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जून, 2024 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से फूड आइट्मस, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, खनिज तेलों, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण है।

जून 2024 के महीने के लिए डब्ल्यूपीआई में महीने दर महीने परिवर्तन मई 2024 की तुलना में 0.39 फीसदी रहा. आंकड़ों से पता चला कि डब्ल्यूपीआइ खाद्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की दर मई 2024 में 7.40 फीसदी से बढ़कर जून 2024 में 8.68 फीसदी हो गयी। विज्ञप्ति के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जून में 10.87 फीसदी रही, जबकि मई में यह 9.82 फीसदी थी. प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति दर मई में 7.20 फीसदी से बढ़कर 8.80 फीसदी हो गयी। ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति जून में 1.03 फीसदी रही, जबकि मई में यह 1.35 फीसदी थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जून में 1.43 फीसदी रही।

सड़क हादसे में एक पुलिस अफसर की मौत

जामताड़ा। मिहिजाम में एक पिकअप वैन और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान जनेंद्र रजक (30) के रूप में हुई। जनेंद्र रजक मिहिजाम के अमोई चौक के निकट स्पेशल ब्रांच में सब इंस्पेक्टर(एसआइ) के पद पर पदस्थापित थे। जनेंद्र रजक सोमवार को अपनी बाइक से जामताड़ा जिला मुख्यालय जा रहे थे। पिकअप वैन ने उनकी बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। उनके सर में गंभीर चोट लगी, और मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वे मूल रूप से धनबाद जिले के झरिया थाना के मानबाद मुहल्ले के रहने वाले थे। पुलिस ने पिकअप वैन व चालक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार श्री रजक की शादी मिहिजाम में ही अप्रैल में हुई थी। उनकी पत्नी छत्तीसगढ़ में जॉब करती है।

जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार के ताले खुले, रहस्यों से उठा पर्दा

रत्न भंडार में नहीं मिला कोई भी सांप और सरीसृप

- 1978 के बाद 2024 में खोले गये रत्न भंडार के ताले
- समिति के चेयरमैन ने कहा, कई अफवाहें पैली थीं

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओड़िशा के पुरी में स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद रविवार का खोला गया। रत्न भंडार को खोले जाने के साथ सांपों के खजाने की रखवाली करने वाली और डरावनी व आसामान्य आवाजों की कहानियां मिथक साबित हुईं। रत्न भंडार में कोई सांप या सरीसृप नहीं मिला। 11 सदस्यों वाली समिति की अगुवाई में तमाम बहुमूल्य आभूषणों को बाहर बॉक्सों में लाया गया। रत्न भंडार के बाहरी और अंदर के कमरों में रखी गयी जूलरी और कीमती सामानों को लकड़ी के बॉक्स में रखा गया। आने वाले दिनों में इनकी गिनती करके सूची बनायी जायेगी। रत्न भंडार से 128 किलो सोना और 221.53 किलो चांदी मिली है। इससे पहले 1978 में जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को खोला था। ओड़िशा हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश समेत 11 लोग मौजूद रहे। **(शेष 11 पर)**

अनावश्यक प्रचार और दहशत पैदा की गयी थी

आभूषणों, मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने और भंडार गृह की मरम्मत करने के लिए रत्न भंडार को खोला गया। स्नेक हेल्पलाइन के महासचिव शुभेंदु मलिक ने बताया कि रत्न भंडार खुलने के अंत तक हम अपने उपकरणों के साथ पूरी तरह तैयार थे। हालांकि हमारी सेवाओं की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि रत्न भंडार में कोई सांप नहीं मिला। ओडिशा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिश्वनाथ रथ को सरकार ने कीमती सामानों की निगरानी सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा है। रथ ने कहा कहा कि रत्न भंडार के खुलने से पहले अनावश्यक प्रचार और दहशत पैदा की गयी थी।

शादीशुदा कांस्टेबल दूसरी महिला संग अवैध संबंध नहीं रख सकता: हाईकोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक पुलिस कांस्टेबल की बर्खास्तगी के आदेश को बरकरार रखा है, जो विवाहित होने के बावजूद किसी अन्य महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। जस्टिस डॉ एसएन पाठक की अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी पुलिसकर्मी का अपनी पत्नी के अलावा किसी अन्य महिला के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में रहना अनुचित है। यह उन नियमों का उल्लंघन है, जिसके तहत याचिकाकर्ता की सेवा शर्तें नियंत्रित होती हैं।

दरसअल, झारखंड के चुरचू थाना में पदस्थापित एक कर्मी पर उसकी लीव इन पार्टनर ने अवैध शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। इसके बाद वर्ष 2018 में उस पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया था। विभागीय कार्रवाई के बाद पुलिसकर्मी की सेवा भी बर्खास्त कर दी गई। उस पुलिसकर्मी ने इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अपनी बर्खास्तगी को चुनौती देते हुए प्रार्थी के वकील ने तर्क दिया कि कांस्टेबल को केवल दूसरे विवाह के लिए बर्खास्त किया जा सकता है, लिव-इन रिलेशनशिप के लिए नहीं। झारखंड सेवा संहिता का प्रावधान केवल दूसरी शादी करने से संबंधित है। इसलिए बर्खास्तगी के आदेश को रद्द किया जाना चाहिए। वहीं, राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि कांस्टेबल ने शादीशुदा होने के बावजूद किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध रखा था, जो झारखंड सेवा संहिता और झारखंड पुलिस मैनुअल का उल्लंघन है।

राजभवन जा रहे सहायक पुलिसकर्मियों को प्रशासन ने मोरहाबादी में रोका, 13 दिन से कर रहे हैं आंदोलन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आंदोलनरत सहायक पुलिसकर्मी सोमवार को राजभवन घेराव करने जा रहे थे, जिन्हें पुलिस ने मोरहाबादी मैदान में ही रोक दिया। अपनी मांगों के समर्थन में सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान में आंदोलन कर रहे हैं। सोमवार को तय कार्यक्रम के तहत में मोरहाबादी मैदान से राजभवन घेराव के लिए निकले थे लेकिन भारी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच उन्हें मोरहाबादी मैदान में ही रोक दिया गया। सहायक पुलिस कर्मियों को जब यहां रोका गया तो विरोध में सभी सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सहायक पुलिसकर्मियों ने कई बार

बैरिकेडिंग को धकेलते हुए आगे बढ़ाने की कोशिश भी की, लेकिन वे आगे नहीं बढ़ पाये। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने सहायक पुलिस कर्मियों को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन सहायक पुलिसकर्मी राजभवन घेराव के लिए अड़े रहे।

गौरतलब हो कि सहायक पुलिस के जवानों का आंदोलन मोरहाबादी मैदान में बीते दो जुलाई से शुरू हुआ है, जो 13वें दिन भी जारी रहा। बारिश होने के बाद भी कई जिलों से आए सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान में टेंट बना कर आंदोलनरत हैं।

लंबे समय से हैं आंदोलनरत

सहायक पुलिसकर्मियों के नेता राजकुमार ने कहा कि हमलोग लंबे समय से आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार कोई पहल नहीं कर रही है। इससे पहले सहायक पुलिस कर्मियों ने आठ जुलाई को विशेष सत्र के दौरान विधानसभा के बाहर अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया था। सहायक पुलिस कर्मियों का कहना है तत्कालीन रघुवर सरकार के दौरान 2017 में राज्य के 12 नक्सल प्रभावित जिलों में विधि व्यवस्था दुरुस्त रखने में सहायता के लिए इन सहायक पुलिस की नियुक्ति हुई थी। तब उन्हें दस हजार रुपये मासिक दिया जाता था और आज भी उन्हें दस हजार रुपये ही मिलता है।

नौकरी परमानेंट करने की मांग

सहायक पुलिसकर्मियों ने बताया कि वो लोग पिछले सात वर्षों से दस हजार रुपए के मासिक मानदेय पर नौकरी कर रहे हैं। उनकी मांग है, कि उनकी सेवा को पुलिस सेवा में समायोजित किया जाए। उनका कहना है कि अनुबंध खत्म हो जाने के बाद उनके पास कुछ करने को नहीं बचेगा। पूर्व की सरकार ने आश्वासन दिया था कि तीन साल तक की ड्यूटी के बाद उन्हें परमानेंट कर दिया जाएगा लेकिन इस संबंध में सरकार ने कोई प्रक्रिया नहीं शुरू की है इसलिए उनका आंदोलन जारी है।

सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े मामले में हुई आंशिक सुनवाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में उनकी ओर से दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर सोमवार को आंशिक सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी का जवाब दाखिल नहीं किया जा सका। जवाब दाखिल करने के लिए ईडी ने कोर्ट से समय की मांग की। इस पर कोर्ट ने 20 जुलाई की अगली सुनवाई की तारीख तय की है। हेमंत सोरेन की ओर से उनके अधिवक्ता ने पांच जुलाई को उक्त मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति में छूट से संबंधित याचिका दाखिल की है। मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी है। मालूम हो कि हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने समन के आदेश का अनुपालन नहीं करने को लेकर अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराया है।

खबर एक नजर में

राजद के राष्ट्रीय महासचिव का हुआ स्वागत

रांची। रांची जिला राजद के अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव व बिहार के पूर्व मंत्री श्याम रजक का होटल बीएनआर में स्वागत किया गया। इस मौके पर श्री रजक ने रांची जिला राजद अध्यक्ष को विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को और मजबूत करने तथा बूथ लेबल पर कमेटी गठित करने का निर्देश भी दिया। वे निजी कार्य से झारखंड की राजधानी रांची के दौरे पर हैं।

अमित शाह 20 जुलाई को रांची आयेंगे

भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक जगन्नाथ मैदान, धुर्वा में आयोजित होगी

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 जुलाई को रांची आयेंगे। श्री शाह जगन्नाथ मैदान में आयोजित विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करेंगे। इस बैठक में मंडल से लेकर प्रदेश स्तर के पार्टी पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, सभी सात मोर्चो के पदाधिकारी, कार्यसमिति सहित विभाग और प्रकोष्ठ के सूचीबद्ध कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित वृहद कार्यसमिति बैठक को विधानसभा चुनाव की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मोहन भागवत का कल बिशुनपुर में कार्यक्रम

रांची। गुमला जिले के बिशुनपुर परिसर में बुधवार को विकास भारती, बिशुनपुर का 'ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्घाटन सम्मलेन के मुख्य अतिथि मोहन भागवत करेंगे। यह कार्यक्रम ग्राम स्तरीय है जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास के निमित्त चर्चा उपस्थित ग्राम प्रमुखों एवं अन्य अतिथियों के साथ मुख्य अतिथि के मागर्दर्शन में किया जायेगा। इस कार्यक्रम में लगभग 2000 ग्रामीण उपस्थित होंगे।

आज आयेंगे हिमंता विश्व सरमा

रांची। भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता विश्व सरमा 16 जुलाई को 10 बजे सेवा विमान से रांची पहुंचेंगे। इसके बाद श्री विश्व सरमा सड़क मार्ग द्वारा तोरपा और फिर खूंटी जायेंगे। श्री सरमा ममरला में तोरपा विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मान एवं विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे। अपराह्न में वे खूंटी विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री विश्व शरमा 17 जुलाई को महानगर कार्यालय में आयोजित रांची विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मान एवं विधानसभा क्षेत्र स्तरीय विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे। यह जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने दी है।

शूटर शिव कुमार उर्फ शिवेंद्र को मिली बेल

रांची। गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के कुख्यात शूटर शिव कुमार उर्फ शिवेंद्र को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। शिव कुमार के खिलाफ पलामू पांकी थाना में दर्ज जीतू कुमार की हत्या का मामला दर्ज है। इस केस में शिव कुमार की गिरफ्तारी 12 जनवरी 2023 को की गयी थी। इसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में था। ट्रायल के दौरान निचली अदालत में सशरीर उपस्थित होना होगा। अदालत ने उसे इस शर्त पर बेल दी है कि उसे ट्रायल के दौरान सभी तारीखों में निचली अदालत में सशरीर उपस्थित होना होगा।

दिनेश गोप के मामले में गवाही दर्ज

रांची। जेल में बंद पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप उर्फ अमरजीत सिंह उर्फ कुलदीप उर्फ साहेब उर्फ मारंग बुरू से जुड़े मौत का भय दिखाकर लेवी वसूलने के मामले में सोमवार को चड़ीगढ़ के सीएफएसएल विशेषज्ञ अंजू पठानिया की गवाही दर्ज की गई। एटीएस मामले के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में गवाह चड़ीगढ़ से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और गवाही दर्ज कराई। मामले में उनकी गवाही अहम है। मामले में अनुसंधान पदाधिकारी समेत अन्य की गवाही पहले ही पूरी हो चुकी है। आतंकवाद निरोधक दस्ता ने दिनेश गोप के खिलाफ मई 2023 में एफआईआर दर्ज की और अगस्त 2023 में जांच पूरी करते हुये चार्जशीट दाखिल कर दी थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में भादवि की दो धाराओं व सीएलए एक्ट के तहत आरोप तय किया गया।

एसबीएम प्रोग्राम से बाहर हुए संविदा कर्मियों ने श्रम मंत्री से लगायी गुहार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-जी) में कॉन्ट्रैक्ट पर वर्षों से काम करने वाले ब्लॉक कॉर्डिनेटर और सोशल मोबलाइजरों की सेवा 31 मार्च 2024 से समाप्त की जा चुकी है। राज्य राज्य भर में इनकी संख्या 500 से भी अधिक है। सोमवार को इन कर्मियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची में श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता से उनके आवास पर भेंट की। एसबीएम अनुबंध कर्मचारी महासंघ के महासचिव कौशर आजाद ने उन्हें बताया कि वर्षों से काम करने और अहम उपलब्धियों के बावजूद उन सबों को पिछले साल से लेकर इस साल मार्च माह की अवधि में सेवा से बाहर कर दिया गया है। एसबीएम फेज-2 और जल जीवन मिशन में जारी नयी नियुक्तियों में भी उनकी अनदेखी हो रही। ऐसी शर्त रख दी गयी हैं कि 2006-07 से एसबीएम प्रोग्राम में काम कर चुके अनुभवी कर्मियों को भी मौका नहीं बन सका है। इस पर श्रम मंत्री ने आश्वस्त करते कहा कि जिन लोगों ने सेवाएं पूर्व में दी हैं, उन्हें सेवा से बाहर ना किया जाए जाए, इसका वे प्रयास करेंगे।

ग्रामीण विकास मंत्री से मिले डीआरडीए के कर्मचारी

डीआरडीए अधिकारियों की समस्याओं का जल्द होगा निदान : इरफान अंसारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य भर के जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के पदाधिकारियों ने सोमवार को ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी से मुलाकात की और उन्हें मंत्री पद पाने की शुभकामनाएं भी दीं। डीआरडीए अधिकारियों ने अपनी समस्याओं से अवगत भी कराया। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने आप पदाधिकारियों को सड़क पर ला दिया है। डीआरडीए को बंद करने के बाद हमारी सरकार ने आपका समायोजन जिला परिषद में करने का फैसला लिया है। आप लोगों के माध्यम से यह बात अब सामने आ रही है कि इसमें कुछ त्रुटियां हैं। संकल्प जो जारी किया

गया है उसमें कुछ खामी है ऐसे में इसे जल्द ही अधिकारियों के साथ मिलकर समीक्षा की जायेगी।

डीआरडीए अधिकारियों ने कहा कि 12 माह से वेतन नहीं मिल रहा है। ऐसे में उनके पास अब तो राशन और साबुन के लिए भी पैसे नहीं हैं। पूरे मामले को ग्रामीण विकास मंत्री ने गंभीरता से सुना और जिला ग्रामीण विकास अभिकरण संघ के पदाधिकारी से कहा कि हम इस पूरे मामले की समीक्षा करेंगे और पदाधिकारियों से बात करेंगे। सीएम से भी वार्ता कर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे। संघ के अधिकारियों ने यह कहा कि उन्हें जिला परिषद की मार्गदर्शिका के अनुसार जो सुविधाएं मिलती हैं वह भी मिले, यह सरकार सुनिश्चित करे। मौके पर संघ के महासचिव मानिक चंद्र प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मामा आयें या नाना, झारखंड में जनता है गोलबंद : कांग्रेस

भाजपा पर तंज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू एवं रांची महानगर महासचिव जितेंद्र त्रिवेदी ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि भाजपा प्रदेश में अनिश्चितता फैलाने का प्रयास के तहत अपने मामा को रांची में भेजा है परंतु मामा आयें या नाना, यहां की जनता पूरे झारखंड में इंडिया के पक्ष में है तथा केंद्र सरकार अपने मंत्रियों को 100 दिन का कार्य दिया था 50 दिन बीत जाने के बाद भी विकास कार्य धारा का धारा है अब भाजपा के मंत्री हमेशा संविधान बदलने की ताक में है।

नेताओं ने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव को देखते हुए केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करेगी एवं कर रही है। अभी जो स्थिति बनी है उसमें सीबीआई ईडी जैसी संस्था भी इनको मदद कर रही है। भाजपा के मंदिर मस्जिद का खेल जनता देख चुकी है। इस बार जनादेश इंडिया के पक्ष में आने वाला है। अब जनता हिंदू-मुसलमान मुद्दे से तंग आकर महंगाई, बेरोजगारी, विकास के नाम पर भाजपा को केंद्र में बहुमत से वंचित रखा। इस प्रकार झारखंड में भी भाजपा को विधानसभा चुनाव में हर का सामना करना पड़ेगा।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बेंगलुरू में ड्राइवरलेस मेट्रो ट्रेन को दिखायी हरी झंडी

- पहले चरण में मुंबई को दी जायेगी ट्रेन की आपूर्ति
- रक्षा मंत्रालय से संबद्ध बीईएमएल ने तैयार किया है यह ट्रेन सेट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सोमवार को बीईएमएल के बेंगलुरु प्लांट में ड्राइवर रहित एमआरएस-एक मेट्रो ट्रेनसेट को हरी झंडी दिखायी। इसे बीईएमएल के रेल व्यापार प्रभाग की उपलब्धियों में एक और मील का पत्थर

है। यह ट्रेन सेट लाइन दो और लाइन सात पर परिचालन के लिये मुंबई मेट्रो रेल मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी को आपूर्ति किया जाने वाला 55वां ट्रेन सेट है। बीईएमएल ने मानक गेज मेट्रो कारों के 96 ट्रेनसेट के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परीक्षण, कमीशनिंग और प्रशिक्षण के लिए कड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के बीच ऑर्डर हासिल किया। इसका मूल्य लगभग 4319 करोड़ रुपये है। समारोह के दौरान संजय सेठ ने शहरी गतिशीलता को बढ़ाने में स्वदेशी रूप से विकसित मेट्रो रेल प्रणालियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया पहल में बीईएमएल का योगदान सराहनीय है। चालक रहित मेट्रो ट्रेन सेट उन्नत परिवहन समाधानों के निर्माण में हमारे देश की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है। बीईएमएल के सीएमडी शांतनु रॉय ने मंत्रालय के निरंतर समर्थन के लिए सराहना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बीईएमएल में हमारी टीम को देश के बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान करने पर गर्व है। सभी प्रयासों में उत्कृष्टता और नवीनता के लिए प्रतिबद्ध है। 6 कार ट्रेन सेट में है 2306 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है।

राजकीय पोलिटेकनिक, सिमडेगा
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार)
झारखंड प्रौद्योगि की विश्वविद्यालय राँची से सम्बद्ध एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त)
(खरवाटोली, सिमडेगा – 835223, झारखण्ड
ई-मेल : gpsimdega@gmail.com वेबसाइट: gpsimdega.edu.in

पत्रांक :– दिनांक :–

निविदा आमंत्रण सूचना

राजकीय पोलिटेकनिक, सिमडेगा के कार्यालय में उपयोग हेतु स्टेशनरी एवं अन्य सामानों का क्रय किया जाना है । इस संबंध में सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं ।

क्र0 सं0	विवरण	अनुमानित राशि (रूपए में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रूपए में)	शुल्क भुगतान संबंधित बैंक विवरणी
1	स्टेशनरी एवं कार्यालय उपयोग से संबंधित अन्य सामग्री की आपूर्ति	4 लाख	250.00	Principal Government Polytechnic, Simdega SBI A/C – 37789397709 IFSC Code – SBIN0001091

निविदाकर्ता आपूर्ति किए जाने वाले सामानों की सूची का BOQ इससे संबंधित शर्तों के साथ संस्थान के कार्यालय से दिनांक 15/07/2024 से 31/07/2024 तक प्राप्त की जा सकती हैं। संस्थान कार्यालय में सीलबंद निविदाएँ दिनांक 31/07/2024 के 05:00 बजे अपराह्न तक जमा ली जायेंगी । सीलबंद निविदा दिनांक 02/08/2024 को प्राचार्य कक्ष में 11:00 बजे पूर्वाह्न को खोली जायेगी । निविदा से संबंधित सूचना Website – www.gpsimdega.edu.in पर भी देखी जा सकती है ।

ह0/– प्रभारी प्राचार्य
राजकीय पोलिटेकनिक, सिमडेगा

PR.NO.329603 Higher Education,Technical Education and Skill Development Department(24-25):D

सीसीएल अधिकारियों को मानक खरीद प्रक्रियाओं की दी जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड के मार्गदर्शन और सीसीएल के सतर्कता विभाग के तत्वावधान में रजरप्पा क्षेत्र में 15 जुलाई को क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय स्तर के अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए खरीद पर कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने किया। इस कार्यशाला में 66 अधिकारियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को मानक खरीद प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

कार्यक्रम को चार सत्रों में आयोजित किया गया था। विषय विशेषज्ञ के रूप में टीसीएस-जीईएम सुबोध कांत, एमएसएमई के सुरेंद्र शर्मा, रजरप्पा क्षेत्र उप प्रबंधक (एमएम) रमन कटियार और सतर्कता विभाग के उप प्रबंधक (एमएम) अवनी नंदन थे। विशेषज्ञों ने सरलता से सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

लैंड स्कैम के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाले के मामले में जेल में बंद आरोपी कोलकाता के रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस ऑफिस के चौकीदार संजीत कुमार को जमानत देने से कोर्ट ने इनकार किया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत अर्जी अदालत ने सोमवार को खारिज कर दी है। पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने बीते तीन जुलाई को अर्जी पर सुनवाई पश्चात आदेश सुरक्षित रख लिया था। आरोपी ने जमानत की गुहार लगाते हुये 12 जून को याचिका दाखिल की थी। ईडी ने उक्त आरोप में 9 मई को गिरफ्तार किया था।

झारखंड में 20 जुलाई तक मॉनसून सक्रिय साइक्लोनिक सकुर्लेशन का दिखेगा असर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आनेवाले दिनों में राज्य में मानसून सक्रिय रहेगा। यहां बंगाल की खाड़ी में बन रहे क्लाउड सकुर्लेशन का असर राज्य में देखा जायेगा। जिससे आनेवाले 20 जुलाई तक राज्य में बारिश का असर जारी रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के पूवार्नुमान की बात करें तो 19 जुलाई तक आसमान में काले बादल छाये रहने और हल्की और सामान्य वर्षा होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में क्लाउड सकुर्लेशन में हो रहे बदलाव का ही परिणाम है कि इस बार राज्य के उत्तर पूर्वी क्षेत्र देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद और साहिबगंज में अच्छी वर्षा हुई है। अनुमान है कि आने वाले दिनों अच्छी वर्षा होगी।

बताया गया कि 17 जुलाई को निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के अलावे दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में अच्छी वर्षा होगी। अब तक हुए वर्षापात की बात करें तो पूरे राज्य में सामान्य से काफी कम वर्षा रिकार्ड की गई है। अब तक सामान्य वर्षापात 326 मिमी के मुकाबले 173.7 मिमी वर्षा ही रिकार्ड की गई है।

उद्योग विभाग
कार्यालय, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, हजारीबाग

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) के तहत् सूक्ष्म खाद्य आधारित उद्यमों की स्थापना/उद्यमों के उन्नयन के लिए एक विशेष अभियान दिनांक 10 जुलाई 2024 से दिनांक 10 अगस्त 2024 तक प्रत्येक पंचायत एवं प्रखण्डों में चलाया जा रहा है। उद्यम स्थापित करने हेतु इच्छुक युवक/युवतियों/उद्यमियों का ऑनलाईन आवेदन पंजीकृत किया जा रहा है।

➢ प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) के अन्तर्गत व्यक्तिगत (जिनकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष है), स्वंय सहायता समूह/सहकारिता समूह/किसान उत्पादक संगठन को प्रस्तावित उद्योग स्थापित करने हेतु वित्तीय अनुदान का प्रावधान निर्दिष्ट है :–

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) योजना के अन्तर्गत आवेदकों की श्रेणी	अधिकतम परियोजना लागत	आवेदक द्वारा अंशदान ऋण पर	वित्तीय अनुदान की दर (परियोजना लागत पर)
व्यक्तिगत (न्यूनतम आयु 18 वर्ष)	1.00 करोड़	न्यूनतम 10%	35% (अधिकतम अनुदान की सीमा 10.00 लाख)
स्वंय सहायता समूह/सहकारिता समूह/किसान उत्पादक संगठन	10 करोड़	न्यूनतम 10%	35% (अधिकतम अनुदान की सीमा 3.00 करोड़)

➢ जिन आवेदकों ने किसी अन्य अनुदान (Subsidy) से जुड़ी योजना का लाभ लिया है, वे प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) के लिए योग्य है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) से सम्बंधित सभी आवेदन पत्र https://pmfme.mofpi.gov.in/pmfme/#/Home-Page के द्वारा ऑनलाईन किये जाने का प्रावधान है। इस योजना के अन्तर्गत ऑनलाईन आवेदन में सहयोग करने हेतु जिला के प्रत्येक प्रखण्ड विकास कार्यालय में प्रखण्ड उद्यमी समन्वयक प्रतिनियुक्त हैं।

➢ हजारीबाग जिला में जिला उद्यमी समन्वयक श्री श्रीश पति त्रिपाठी, मोबाईल नम्बर 9065520275 प्रतिनियुक्त हैं, विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क किया जा सकता है।

आदेशानुसार
ह0/-
महाप्रबंधक,जिला उद्योग केन्द्र, हजारीबाग

PR 329690 Industries(24-25).D

मतदाता सूची के द्वितीय विशिष्ट संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा, सीइओ बोले-

शहरी घरों में शत प्रतिशत सुपर चेकिंग हो

18 से 20 वर्ष के शहरी युवाओं के मतदाता निबंधन की दिशा में दें विशेष ध्यान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सोमवार को राज्य के सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों, ईआरओ व एईआरओ के साथ राज्य में चल रहे द्वितीय विशिष्ट संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम संबंधी कार्यों की वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि द्वितीय मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम सीमित समय में कराए जा रहे हैं। इस अवधि में लक्ष्य आधारित होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ मतदाता सूची का निर्माण करना प्राथमिकता है। स्वच्छ मतदाता सूची के निर्माण से ही मतदान प्रतिशत में आशानुरूप वृद्धि होगी। कार्य में पिछड़ रहे बीएलओ/बीएलओ सुपरवाइजर की हैंड होल्डलिंग तो करें ही परिस्थितियों अनुरूप उन पर त्वरित कार्रवाई भी करें।

धनबाद की निबंधन की स्थिति असंतोषजनक : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि धनबाद एवं रांची जिले में 18 से 20 वर्ष के मतदाताओं के मतदाता सूची में निबंधन की स्थित असंतोषजनक है। इनके निबंधन के लिए जागरूकता कैंप लगाकर कार्य करें। शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर शत प्रतिशत सुपर चेकिंग करना सुनिश्चित करें। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में पंजीकृत होने से वंचित न रहे। विगत लोकसभा निर्वाचन में जिन जिलों में निर्वाचन कार्य में किसी भी रूप में छोटी समस्या उत्पन्न हुई थी, उनकी जिलावार समीक्षा की गई। सीईओ ने कहा कि पदाधिकारी ऐसे मामलों को आगामी चुनाव में केस स्टडी के रूप में लेते हुए इनका प्रशिक्षण के दौरान इस्तेमाल करें। मौके पर मुख्यालय से संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ओएसडी गीता चौबे सहित सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ-एईआरओ थे।

फुटपाथ दुकानदारों एवं सब्जी विक्रेताओं को जगह दें, लाठी चलाने से लाभ नहीं : हाइकोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने मौखिक कहा कि सिर्फ सब्जी विक्रेता एवं फुटपाथ दुकानदारों को हटाने से काम नहीं चलेगा, उनके लिए रांची नगर निगम रांची शहर में जगह चिन्हित करे। सोमवार को हाई कोर्ट में झारखंड में फुटपाथ दुकानदारों को हटाने के पूर्व उनका पुनर्वास करने को लेकर नेशनल हॉकर फेड्रेशन की जनहित याचिका की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में जिन-जिन जगहों पर सब्जी विक्रेता बैठते हैं और फुटपाथ दुकानदार अपनी दुकान लगाते हैं, उसे ध्यान में रखते हुए इनके लिए जगह चिन्हित किया जाए।

कोर्ट ने मौखिक कहा कि सिर्फ फुटपाथ और सब्जी विक्रेताओं पर डंडा चलाने से नहीं होगा उन्हें सब्जी बाजार एवं दुकान लगाने के लिए जगह दी जाए। यह उनकी आजीविका का साधन है। सब्जी विक्रेता ग्रामीण इलाकों से आते हैं और अपने उत्पाद को बेचकर चले जाते हैं। ऐसे में उनके उत्पाद के बदले उन्हें समुचित मूल्य मिले इसके लिए नगर निगम को एक जगह निर्धारित करना होगा।

कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर रांची नगर निगम इस दिशा में प्रयास नहीं करेगा तो कोर्ट अपने स्तर पर इसका समाधान निकालेगी। कोर्ट ने रांची नगर निगम के द्वारा फुटपाथ दुकानदारों एवं सब्जी विक्रेताओं को हटाए जाने के दावे को खारिज करते हुए कहा कि बिरसा चौक, हीनू, लालपुर आदि क्षेत्र में सब्जी विक्रेताओं एवं फुटपाथ दुकानदारों को हटाए जाने के बाद भी शाम होते ही फिर से उसी जगह पर वे बाजार लगा देते हैं। हटिया स्टेशन रोड के निकट एवं सिंहमोड़ के आसपास सब्जी विक्रेता सड़क पर बैठते हैं।

कोर्ट ने मौखिक कहा कि अटल मार्केट बनने के बाद भी मेन रोड में फुटपाथ दुकानदार अपने दुकान लगा देते हैं, वे अटल मार्केट स्थित अपने दुकान को या तो भाड़े पर लगा देते हैं या उसे खाली रखते हैं और मेन रोड में सड़कों का अतिक्रमण कर वहां बैठ जाते हैं। कोर्ट ने रांची नगर निगम से पूछा कि अटल मार्केट की बजाय में मेन रोड में बैठने वाले कितने दुकानदारों का अटल मार्केट का दुकान का आवंटन रद्द किया गया? कोर्ट ने कहा कि यह जनहित याचिका 10 साल से लंबित है, इतने वर्षों में रांची शहर के सब्जी विक्रेताओं और फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित नहीं किया जा सका।

रांची में जिला प्रशासन मुस्तैद

मुहर्रम को लेकर रांची जिला प्रशासन सतर्क, सोशल मीडिया पर होगी पैनी नजर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को मुहर्रम पर्व को लेकर केन्द्रीय शांति समिति की बैठक हुई। इस दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से अपने सुझाव दिये। अखाड़ा प्रतिनिधियों ने जुलूस के रुट में गड्ढों की भराई, लाइट की व्यवस्था, पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति, साफ-सफाई शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था किये जाने की बात कही। डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने सुझावों पर अमल करने के लिए पदाधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सारी तैयारियां नियत समय पर पूरी कर ली जायेंगी। डीसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी अनुशासन, भाईचारा एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाएंगे।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : रांची एसएसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि मुहर्रम को लेकर जिला में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। 200 से ज्यादा स्थानों पर पुलिस बल की स्टैटिक प्रतिनियुक्ति है। गश्ती के साथ क्यूआरटी भी है, जिसमें सीनियर पुलिस ऑफिसर रहेंगे। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि शांति पूर्वक मुहर्रम मनायें और मनाने में सहयोग करें। असामाजिक तत्वों के खिलाफ एसएसपपी ने कड़ी कार्रवाई की बात कही। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि कभी भी कोई आपतिजनक, भड़काऊ पोस्ट, फोटो या वीडियो मिलता है तो कंट्रोल रुम को भेजें ताकि उस पर कार्रवाई की जा सके। बैठक में शमशेर आलम ने कहा कि हम कई वर्षों से मुहर्रम का पर्व मनाते आ रहे हैं और इसमें सभी धर्मों व वर्गों का सहयोग होता है। इस बार भी हम भाईचारा के साथ पर्व मनाते हुए मिसाल कायम करेंगे।

मुहर्रम को लेकर डीजीपी ने की बैठक, राजधानी में फ्लैग मार्च

सोशल मीडिया पर पैनी नजर, अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मुहर्रम को लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने सोमवार को सभी जिलों के एसएसपी, एसपी, रेंज के डीआइजी और जोनल आइजी के साथ समीक्षा बैठक की। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखें और अफवाह फैलाने वाले पर कार्रवाई करें। इसके अलावा राज्य के सभी संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती पर चर्चा की गयी। इधर, मुहर्रम के मददेनजर रांची पुलिस ने जवानों के साथ फ्लैग मार्च किया।

पुलिस कर्मियों को बॉडी प्रोट्रेक्टर, दंगा नियंत्रण उपकरण लेकर चलने का निर्देश : वैसे जिलों में जहां पूर्व में सांप्रदायिक घटनाएं घटित हुई हैं, उन जिलों में

विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। डीजीपी ने कहा कि मुहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य के अलग-अलग जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती की जा रही है। जुलूस के दौरान सभी पुलिस कर्मियों को बॉडी प्रोट्रेक्टर समेत अन्य दंगा नियंत्रण उपकरण साथ में लेकर चलने के निर्देश दिये गये हैं।

सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश : डीजीपी ने सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी का निर्देश दिया है, ताकि आसामाजिक तत्व अफवाह ना फैला सकें। अगर अफवाह फैले तो तत्काल उसका सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई करें। सभी थानों में स्थानीय शांति समिति की बैठकें आयोजित कर कोई भी फर्जी या भ्रामक खबर की सूचना मिलने पर उसकी तत्काल सूचना जिला प्रशासन या अपने नजदीकी पुलिस थाना में दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

संवेदनशील इलाकों में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और ड्रोन से होगी निगरानी : थानों में होने वाली शांति समिति की बैठकों में पिछले वर्षों के वैसे चिन्हित स्थानों जहां साम्प्रदायिक घटना घटित हुई हो, वहां अतिरिक्त सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया। संवेदनशील इलाकों में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी और ड्रोन से निगरानी रखने पर जोर दिया। मुहर्रम जुलूस पूर्व से तय रूट पर ही निकालने का दिशा-निर्देश एवं रूट में पड़ने वाले धार्मिक स्थल, चौक-चौराहा पर निगरानी रखने का दिशा-निर्देश और जुलूस रूट का आपसी समन्वयव से भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया।

खबर एक नजर में

मुहर्रम को लेकर यातायात रूट में बदलाव

रांची। रांची शहर के लगभग सभी रोड पर अधिक भीड़ होने के कारण मुहर्रम पर्व के दौरान शहर में जाम न लगे इसको लेकर पुलिस अधिक्षक यातायात ने रुट प्लान जारी किया है। निजी एवं यात्री वाहनों का परिचालन विभिन्न मार्गों में सुबह 10 बजे से जुलुस खत्म होने तक रहेगा। किशोरी यादव चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर चौक, शहीद चौक से अपर बाजार, महावीर मंदिर, कचहरी चौक से शहीद चौक, अल्बर्ट एक्का चौक, चडरी तालाब से अल्बर्ट एक्का चौक, प्लाजा चौक से अल्बर्ट एक्का चौक, पुरुलिया रोड से सर्जना चौक, एसएन गांगुली रोड, विष्णु गली, बुधिया गली, राधेश्याम गली, से मेन रोड, सुजाता चौक से मेन रोड, ऊल हाउस से मेन रोड, कर्बला चौक से रतन पीपी, कडरू से रेडिशन बल्यू होटल, कमांडेंट आवास मोड़ से राजेंद्र चौक, मेकॉन चौक से राजेंद्र चौक और तुलसी चौक से लेकर अंबेदकर चौक का यातायात का परिचालन वर्जित रहेगा।

निगम ने चलाया अतिक्रमण मुक्त अभियान

रांची। रांची नगर निगम की इनक्रोचमेंट टीम ने सेवा सदन के सामने तथा बड़ा तालाब के आस-पास अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया। इस दौरान निगम ने अस्थायी और अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया। नालियों के ऊपर वेंडर्स के द्वारा अतिक्रमण किए जाने पर उन्हें हटाया। अतिक्रमणकारियों के सामान भी जब्त किए गए, जिसमे एक काउंटर तथा बांस-बल्ली शामिल है। अतिक्रमण मुक्त अभियान के उपरांत निगम की टीम द्वारा वेंडर्स को भविष्य में उक्त स्थल पर फिर से अतिक्रमण ना करने को लेकर निर्देशित किया।

ई-कोर्ट सर्विस दुरूस्त हुई

रांची। सिविल कोर्ट का ई-कोर्ट सर्विस पांचवें दिन देर शाम को बहाल हुआ। सोमवार को भी ई-कोर्ट सर्विस शाम 7 बजे तक प्रभावित रहा। इसके बाद दुरुस्त किया जा सका। 11 जुलाई से इसकी सेवा प्रभावित थी। इसके कारण वकील एवं मुवक्किल के साथ अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। केस इनफार्मेशन सिस्टम के माध्यम से वकील एवं मुवक्किल के साथ कोई भी कहीं से अपने केस की अपडेट जानकारी प्राप्त करते हैं। जिला बार एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार विद्रोही ने सिविल कोर्ट रजिस्ट्रार से सीआईएस व्यवस्था को बहाल करने का अनुरोध किया था।

सुधा अरमान चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया पौधरोपण

रांची। सुधा अरमान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं झारखंड सहायक पुलिस ने सोमवार को मोराबादी स्थित बापू वाटिका में पौधारोपण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मृत्युंजय सिंह महादेव फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कल्पतरू वृक्ष लगाकर यह संदेश दिया कि यह दुर्लभ वृक्ष को बचाना हम सबों का काम है एवं पर्यावरण की देखरेख करना भी हम सब लोग की जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि एक पौधा 10 पुत्र के समान है। इस मौके पर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी मनोज श्रीवास्तव ने दी।

गुरु नानक सेवक जत्था ने रेनकोट वितरण किया

रांची। गुरु नानक सेवक जत्था ने अपने सेवा कार्यक्रम के तहत सोमवार को चिरौंदी बस्ती में जरूरतमंद बच्चों के बीच रेनकोट का वितरण किया गया। श्रेया राय के सहयोग से बच्चों की लिस्ट तैयार की और उनको रेनकोट उपलब्ध कराया। संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि जत्था कई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, हरविंदर सिंह मिढ़ा, करण अरोड़ा, आयुष पपनेजा, रुद्र गिरधर, हर्ष सरदाना, इनीश काठपाल एवं वंश डावरा शामिल थे।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा का कार्यक्रम

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रांची समर्पण शाखा द्वारा 9 पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों के सम्मान में 9 दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत सोमवार को हुई। जन सेवा कार्यक्रम शाखा के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद जी मेवाड़ के सम्मान में रिक्शा चालको को बरसाती एवं फल का वितरण किया गया। मौके पर कविता सोमानी, विनीता सिंघानिया, कविता सोमानी, दीपिका मोतिका, चंद्रकला, रितु पोद्दार, कविता जालान, पायल जैन उपस्थित थी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो का टीआरएल में स्वागत

रांची। झारखंड साहित्य अकादमी संघर्ष समिति के तत्वावधान में पद्मश्री डॉ गिरिधारी राम गौंझू स्मृति सम्मान 2024 से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय के सहायक प्राध्यापक सह इंकलाबी नौजवान लेखक संघ के संस्थापक सचिव, गोतिया पत्रिका के संपादक डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो नागपुरी भाषा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किये जाने की खुशी में नागपुरी विभाग के छात्र छात्राओं ने टीआरएल संकाय में डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो को पौधा और गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

रस्म-ए-पगड़ी सह सम्मान समारोह आयोजित

रांची। मुहर्रम के उपलक्ष्य में रांची के विभिन्न क्षेत्रों में रस्म-ए-पगड़ी सह-सम्मान समारोह सोमवार को किया गया। जिसमें अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम के साथ साथ इमामबख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो. महजूद, सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो. इसलाम, उपाध्यक्ष आफताब आलम, सरपरस्त मो. तौहीद, हाजी करीमुल्लाह, टीपू, सरफराज, नौशाद आलम, साहेब अली, हुसैन, खालिद उमर, परवेज आलम, सलमान, कलाम, मेराज, सोनू, मो.अफरोज, नदीम एकबाल, बारीक, टेनी भाई सहित अनेक गणमान्य खलीफा एवं पदाधिकारीगण सम्मानित किए गए। अमन यूथ वेलफेयर सोसाइटी में मो. अफरोज को सर्वसम्मति से अमन यूथ वेलफेयर सोसाइटी अखाड़ा का खलीफा बनाया गया।

प्रतिभा सम्मान समारोह 15 सितंबर को

रांची। सोमवार को सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राम्हण महासभा के राज्यस्तरीय पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक कडरू में सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता महासभा के वरिष्ठ संरक्षक पंडित रामशंकर मिश्र देवज्ञ ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 15 सितम्बर को श्री दिगम्बर जैन भवन, हरमू रोड में किया जायेगा। इसमें विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल एवं चयनित अभ्यर्थियों सम्मानित किया जायेगा।

मुहर्रम के नाम पर चंदा वसूली, नहीं देने पर दुकानदार से मारपीट,बाबूलाल ने कार्रवाई की मांग की, दो गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लोअर थाना क्षेत्र के मेन रोड इलाके में एक दुकान पर चार युवक मुहर्रम के नाम पर चंदा की मांग करने और नहीं देने से दुकानदार के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद रांची पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबरन चंदा से संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर मामला उठाया तो पुलिस एक्टिव हुई और चार में दो आरोपी को धर दबोचा। इसी दौरान चंदा मांगने आए शख्स ने दुकानदार को फोन किया और धमकी देने लगा। जब दुकानदार ने तमीज से बात करने को कहा तो चंदा मांगने आए एक युवक ने रॉड चलाना शुरू कर दिया। इस दौरान आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर मामले को सुलझाया. फिलहाल, इस गुंडागर्दी से जुड़ा वीडियो तेजी से वायरल हो गया।

इस वीडियो को प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने एक्स हैंडल पर जारी करते हुए रांची पुलिस से दुकानदारों को सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि मुहर्रम की चंदा वसूली के नाम पर गुंडों द्वारा दुकानदारों के साथ मारपीट और बदसकूली की जा रही है। ऐसी घटनाओं से पूरे शहर का शांति-सौहार्द बिगड़ सकता है। रांची का मान रोड अति संवेदनशील क्षेत्र है। पूर्व में भी ऐसे असामाजिक तत्वों द्वारा शहर को दंगों की आग में झोंकने का प्रयास किया जा चुका है।

पहाड़ी बाबा की अलग-अलग तरीकों से होगी संध्या महाआरती

रांची। रांची पहाड़ी बाबा की सावन के हर सोमवारी को अलग-अलग तरीकों से भव्य संध्या महाआरती पहाड़ी बाबा के मुख्य द्वार पर की जायेगी। इसको लेकर सोमवार को बैठक पहाड़ी मंदिर के प्रांगण में की गई। आयोजक नंद किशोर सिंह चंदेल ने कहा कि पहाड़ी बाबा की संध्या महाआरती पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार से भव्य तरीकों से होगी। पहली सोमवारी 22 जुलाई को नवदुर्गा के स्वरूप में भव्य संध्या महाआरती, दूसरी सोमवारी 29 जुलाई को भगवान भोले शंकर के स्वरूप में भव्य भस्म संध्या महाआरती और,तीसरी सोमवारी 5 अगस्त को भगवान श्रीराम के स्वरूप में, चौथी सोमवारी 12 अगस्त को फूलों से भव्य संध्या महाआरती और पांचवी सोमवारी 19 अगस्त को 501 महिलाओं के द्वारा भव्य संध्या महाआरती की जायेगी और उसके बाद महाप्रसाद वितरित किया जायेगा।

घुरती रथयात्रा कल, नौ दिनी मेले का होगा समापन

रांची। मौसीबाड़ी में नौ दिनों तक आतिथ्य स्वीकार करने के बाद भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा जगन्नाथ धाम लौटेंगे। नियमित पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद बुधवार को शाम चार बजे जगन्नाथपुर में भगवान जगन्नाथ की घुरती रथयात्रा निकलेगी। भगवान को विदा करने करने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। मौसीबाड़ी से जगन्नाथ मंदिर के बीच रास्तेभर भगवान की आरती उतारी जाएगी। पुष्प की बारिश कर श्रद्धालु सर्व मंगल की कामना करेंगे। शाम छह बजे के आसपास भगवान का रथ मंदिर पहुंचेगा। बारी-बारी से रथारूढ़ तीनों विग्रहों को रथ से उतार कर मंदिर में विराजमान कराया जाएगा। जयकारे के बीच भगवान की 108 की मंगलआरती उतारी जाएगी। रात आठ बजे तक दर्शन पूजन चलेगा।

भाजपा बूथ समितियों की बैठक में लोगों को जोड़ने का फैसला

रांची। भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में सोमवार को कार्यकर्ता सम्मान विजय संकल्प सभा को सफल बनाने के लिए रांची विधानसभा क्षेत्र के बूथ प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में मिश्रा ने बताया कि आगामी 17 को भाजपा रांची महानगर कार्यालय रातू रोड में कार्यकर्ता सम्मान विजय संकल्प सभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में रांची विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथ के प्रतिनिधियों को अपने-अपने बूथ से 10 लोगो को जोड़ने को कहा गया। उन्होंने बताया कि भाजपा रांची विधानसभा चुनाव 2024 में भारी मतों से विजयी होगी एवं झारखंड में पार्टी की सरकार बनेगी।

व्यापम घोटाले के सरपरस्त अब झारखंड में आकर ईमानदारी का रच रहे ढोंग : कांग्रेस

शिवराज सिंह चौहान के बयान पर पलटवार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। शिवराज सिंह चौहान पर तंज करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि व्यापम घोटाले के सरपरस्त अब झारखंड में ईमानदारी का ढोंग रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि दस साल केन्द्र में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार रही। रोज नये नये वादे देश के प्रधानमंत्री ने किया। शिवराज सिंह चौहान उन वादों की भी बात करें। देश के कृषि मंत्री हैं, वो बतायें किसानों की एमएसपी की गारंटी की क्या है? श्री सिन्हा ने कहा कि कोरी बयानबाजी न करें बल्कि हकीकत जानें कि महागठबंधन की सरकार इस राज्य में 2 लाख रुपए किसानों की ऋण माफ किया है। 200 यूनिट बिजली मुफ्त, विधवा पेंशन की उम्र सीमा हटायी गई, प्रधानमंत्री आवास योजना की पैसा केन्द्र सरकार द्वारा रोक दी गई तब हमने अबुआ आवास योजना के तहत राज्य के गरीब परिवारों को आवास मुहैया कराना शुरू किया। निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत युवाओं को आरक्षण, पुरानी पेंशन योजना, मनरेगा मजदूरों का मानदेय बढ़ोतरी, आगंनबाड़ी सेविका, सहायिका की मानदेय बढ़ोतरी ऐसे कई जनहित की योजनाए चालू है।

चीनी-नमक का ससमय उठाव एवं वितरण नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जिला आपूर्ति पदाधिकारी-सह-जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम के प्रदीप भगत ने सोमवार को झारखण्ड राज्य खाद्य निगम गोदाम, काँके एवं प्रखंड के विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में गोदाम में भंडार पंजी एवं आगत पंजी दिनांक 12.07.2024 तक संधारित पाया गया। पंजी के अनुसार कुल 1898 बैग चावल एवं 1778 बैग गेंहू उपलब्ध होना चाहिए था। गोदाम में रखे खाद्यान्न का मिलान करने पर भंडारित खाद्यान्न की मात्रा संतोषजनक पाई गई।

निरीक्षण के दौरान गोदाम में चीनी एवं नमक भंडारित पाया गया। सहायक गोदाम प्रबंधक को युद्ध स्तर से नमक का डोर स्टेप डिलीवरी कराने को कहा। साथ ही जिन डीलरों द्वारा चीनी मद में राज्य खाद्य निगम के बैंक खाते में राशि जमा कर दिया गया उन डीलरों का भंडार निर्गमादेश कार्यालय द्वारा निर्गत किया जा चुका है, उन डीलरों का चीनी युद्ध स्तर से डीएसडी कराने को कहा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत ने चीनी एवं नमक ससमय उठाव एवं वितरण नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की बात कही।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा कांके के जन वितरण प्रणाली दुकानदार शैलेश कुमार के दुकान का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में निगम गोदाम से डीएसडी कराये गये खाद्यान्न की जाँच की गई। जाँच के क्रम में भंडारित खाद्यान्न की मात्रा संतोषजनक पाई गई। दुकानदार को सभी कार्डधारियों को खाद्यान्न वितरण करते समय ही नमक भी वितरण करने एवं सभी अंत्योदय परिवारों के बीच चीनी वितरण करना सुनिश्चित करने को कहा।

डीलर शादाब अली के दुकान के औचक निरीक्षण के दौरान गोदाम से डीएसडी कराये गये खाद्यान्न की जाँच की गई। जाँच के क्रम में भण्डारित खाद्यान्न की मात्रा संतोषजनक पाई गई।

बीआईटी के स्थापना दिवस : आरएंडडी भवन में लगायी गयी शोध प्रदर्शनी

पूर्व शिक्षक और विद्यार्थी सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा में सोमवार को संस्थान का 70वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कैट हॉल में किया गया था। मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन थे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा थे। राज्यपाल ने संस्थान को 70वें वर्ष में प्रवेश करने पर बधाई दी। उन्होंने संस्थान की तकनीकी शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के बारे में बात की, जो अपने कई शिविरों

के माध्यम से समाज में योगदान दे रहा है। डॉ श्रद्धा शिवानी ने कहा कि प्रत्येक स्थापना दिवस शिक्षा की सीमाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा के रूप में कार्य करता है।

समारोह की शुरूआत प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों का विवरण दिया। सीके बिरला ने छात्रों को पूर्व छात्रों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। आईटी सेल के प्रभारी डॉ अभिजीत मुस्तफी ने आधुनिकता और आंतरिक विकास पर प्रकाश डालते हुए नई संस्थान वेबसाइट के बारे में बात की। संस्थान की नई वेबसाइट का उद्घाटन सीके बिरला ने किया।

प्रो सुकुमार मिश्रा ने इंजीनियरिंग शिक्षा के महत्व पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंजीनियरिंग छात्रों द्वारा अपने पाठ्यक्रम के दौरान विकसित की जाने वाली आलोचनात्मक सोच के बारे में बात की। प्रो पीके सिन्हा, प्रोफेसर जेके प्रसाद और प्रोफेसर केवी कृष्णमूर्ति को विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार डॉ आशीष वासवानी और तनुजा प्रसाद को इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता में योगदान श्रेणी के अंतर्गत डॉ देवेन शर्मा और जया सिंह पांडा को कॉर्पोरेट जगत, उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों में नेतृत्व श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किए गए।

प्रो केपीजे रेड्डी को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया। आदित्य रंजन, सुशांत गौरव और डॉ आत्मेश श्रीवास्तव को भारत और विदेश में समाज की सेवा, जिसमें बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान को सहायता शामिल है श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया। स्वर्गीय माधवन के नायर को मरणोपरांत प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

झारखंड छात्र मोर्चा ने डीएसपीएमयू से सदस्यता अभियान किया शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड छात्र मोर्चा (जेसीएम) ने छात्र सदस्यता अभियान की शुरूआत सोमवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से की। पहले दिन जेसीएम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष मनीष राणा एवं सचिव अल्ताफ राजा के द्वारा कई छात्रों को सदस्यता दिलाया गया एवं विद्यार्थियों ने पार्टी के साथ जुड़कर काम करने का संकल्प लिया। मौके पर झारखंड छात्र मोर्चा के रांची विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अमन तिवारी ने कहा कि सदस्यता अभियान पूरा जुलाई एवं अगस्त महीना चलाया जाएगा। इसकी शुरूआत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से की गई है। उन्होंने कहा कि छात्रों के समस्याओं को नॉट आउट कर क्रमबद्ध तरीके से उनका निराकरण किया जाएगा। अमन तिवारी ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालय में छात्र सदस्यता अभियान चलाकर सभी कॉलेजों में महाविद्यालय कमेटी बनाई जाएगी एवं योग्य लोगों को दायित्व भी सौंपी जाएगी, ताकि छात्रों का समस्याओं का निराकरण हो जाए। मौके पर रांची विश्वविद्यालय के सचिव असद फेराज टिंकू ने छात्रों से आह्वान किया कि जितना ज्यादा हो, छात्रों को स्टूडेंट पॉलिटिक्स से जुड़ना चाहिए, ताकि कल के लिए बहुत कुछ सीखने को यहां से मिल सके। मौके पर मोहम्मद इरफान, भास्कर महतो, अतिकुर रहमान, कासिफ रजा, गुलअफसा शामी मौजूद थे। साथ ही सदस्यता लेने वालों में अमन राज, विजय दुबे, मोईन, संदीप मुंडा, विजय कुमार, सलखान कुजूर, विनीता कुमार, शनि साहू, मयंक ठाकुर, वीरू सिंह आदि उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

मांडर : करंट लगने से महिला की मौत

मांडर। थाना क्षेत्र के चटवल मोड़ के निकट सोमवार दोपहर एक महिला की करेंट लगने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार चटवल मोड़ निवासी सोमनाथ साहू की बेयालिस वर्षीय पत्नी निशा देवी घर से बाहर कही गई हुई थी। वापस लौटने के बाद जैसे ही दरवाजे का ताला खोलना चाही उसी समय दरवाजा में आई बिजली के करेंट के चपेट में आ गई। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। लोगो ने बताया कुछ दिन पहले ही सोमनाथ साहू ने चटवल मोड़ में नया घर बनवाया है। जिसमे दरवाजा लोहे का है। घर के वायरिंग में कही फॉल्ट होने की वजह करेंट दरवाजे में आ गया। जिससे यह बड़ा हादसा हुआ। मांडर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। निशा घर में अकेली रहती थी उसका पति कोलकाता में नौकरी करता है।

फरार अभियुक्त को खलारी पुलिस ने पकड़ा, भेजा जेल

खलारी। खलारी पुलिस ने दो फरार चल रहे अभियुक्त को पकड़कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार खलारी थाना के नामजद फरार अभियुक्त अरुण कुमार सिंह उर्फ स्पोर्ट (उम्र लगभग 39) पिता- कमला सिंह जीएम ऑफिस के सामने डकरा, अथवा दूसरा विकास गंझू उर्फ ढिबु (वर्ष 24) भीआईपी गेस्ट हॉउस डकरा के बगल से गिरफ्तार किया गया। इस छापामारी अभियान में पुअनि रवि कुमार सोनी,पुअनि कपिल देव यादव,पुअनि मुकेश कुमार,पुअनि देव कुमार दास सहित सशत्र बल व जिला के जवान शामिल थे।

फरार आरोपी के घर में पुलिस ने चिपकाया इस्तिहार

राहे। कोर्ट के निर्देश के आलोक में राहे थाना प्रभारी फैज रब्बानी के नेतृत्व में एएसआई राज कपूर और पुलिस बल ने पॉस्को एक्ट के नाम दर्ज आरोपी अंकित कुमार पातर के घर सोनाहातू थाना के बीरगामडीह गांव जाकर घर के दीवाल में इस्तिहार चिपकाया। थाना प्रभारी फैज रब्बानी ने बताया कि कांड संख्या 3/23 के आरोपी अंकित कुमार पातर जो फरार हुआ है उसके घर जाकर इस्तिहार चिपकाया गया। बाद में कुर्की भी किया जाएगा।

ठाकुरगांव थाना में शांति समिति की बैठक

ठाकुरगांव। मौहर्रम त्योहार को लेकर ठाकुरगांव थाना में सोमवार को थाना प्रभारी विनीत कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिप सदस्य मनोज वाजपेयी ने प्रशासन से पर्व के दौरान अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाते हुए गश्ती बढ़ाने की मांग किया। वहीं थाना प्रभारी विनीत कुमार ने त्योहार के समय सोशल मीडिया के उपयोग पर सावधानी बरतने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासन सख्ती से निपटेगा। मौके पर प्रधान किस्कू,कमल मोदी, मुखिया कुशेन्द्र पाहन,दशरथ उरांव, पंसस गौरव कुमार,कयूम अंसारी, खलील अंसारी समेत मौजूद थे।

मुआवजा के लिए अनगड़ा-हुंडरू फॉल सड़क तीन घंटे जाम

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के अनगड़ा हुन्डरू फौल मार्ग पर रविवार को सड़क हादसे में सुरेश मुन्डा की हुई मौत को लेकर मुआवजे की मांग को लेकर मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को महेशपूर देशवईल टोली के पास अनगड़ा हुन्डरू फौल सड़क को तीन घंटा जाम रखा-जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गईं बाद में थानेदार चमरा मिंज के समझाने तथा पारिवारिक लाभ योजना के तहत प्रभावित परिवार को दस हजार रूपए भूगतान किया गया तब शाम पांच बजे जाम हटा लिया गया । जाम के कारण राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा ।

शिक्षित समाज निर्माण के लिए समन्वय स्थापित करें शिक्षक

प्रखंड स्तरीय रू-आर बैक टू-स्कूल कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड संसाधन केंद्र ओरमांझी द्वारा सोमवार को एसएस$2 हाई स्कूल में रू-आर (बैक-टू-स्कूल) पर एक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रमुख अनुपमा देवी, जिप सदस्य सरिता देवी, बीइइओ सीमा कुमारी व अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रमुख ने कहा बच्चें स्कूल क्यों नही जाते, उसके घर से समस्या है या स्कूल में जबतक बच्चों की मानसिक स्थिति को नहीं समझते तबतक रू-आर कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल नही हो सकता है। उन्होने कहा नये उम्र के कई बच्चों में नषापान व भटकाव की स्थिति देख जा रही है। ऐसे में षिक्षक, जनप्रतिनिधि व समाजसेवी सभी को अपनी कर्तव्य प्राणयता के प्रति अपनी दायित्व का निर्वाहन करना होगा। कहा जिस प्रकार षिक्षक ग्रामीण या अभिभवकों से सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। वे भी षिक्षकों से अपेक्षा करते हैं। समाज को बेहतर दिषा देने व षिक्षित समाज निर्माण के लिए सभी को समन्यव स्थापित कर आगे बढ़ना होगा। वहीं जिप सदस्य सरिता देवी ने कहा प्रबंध समिति की बैठक में मुखिया उपस्थित नही रहते। कुछ पंचायत प्रतिनिध सिर्फ सरकारी योजना काा लाभ उठाने के लिए चुनाव जीतकर आते हैं। जिन षिक्षकों को स्कूल के नजदीक घर होता है वे अपने दायित्व का निर्वाह नही व्यक्तिगत कार्य में लगे रहते हैं। यही कारण है कि आज माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी स्कूल भेजना नहीं चाहते। कहा पैरेंट मीटिंग में अभिभावकों की उपस्थिति सुनिष्चित करें, प्रयास करें की बच्चों की शुरूआती शिक्षा सरकारी स्कूल में हो, इससे बेहतर उम्मीद जगेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अनुपमा देवी, बीइइओ व अतिथि गण।

शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच संबंध का हो रहा ह्रास

राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि मानकी राजेंद्र शाही कहा शिक्षक व छात्रों के बीच संबंध का ह्रास हो रहा है। पहले अभिभावक षिक्षकों को सहयोग करते थें। अब दोनो में दूरिया आ गई है। जनप्रतिनिधि सहयोग के लिए तैयार है। सहयोग लेने के लिए षिक्षकों को संवाद करना होगा। इसके अलावे बीइइओ सीमा कुमारी, विधायक प्रतिनिधि प्रेमनाथ मुंडा, तौहिद आलम, मुखिया अनिता लिंडा ने भी संबोधित किया और सभी को अपने कर्तव्य का निर्वाहन करने की अपील किया। मंच संचालन मो. उमर व सतीष बड़ाइक ने किया। कार्यक्रम पदाधिकरी रीना याादव, लेखापाल ज्योति कुमारी, नीतु कुमारी, रोहित कुमार, षिला कुमारी, राजेष दास, उमेष रवि, अब्दुल रहमान, 125 विद्यालय के षिक्षक, सभी सीआरपी आदि उपस्थित थें।

विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाएं

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकरी सीमा कुमारी ने पांच से 18 वर्ष के सभी बच्चों स्कूल में नामांकण व ठहराव को लेकर चलाए जा रहे समग्र षिक्षा अभियान के तहत रू-आर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। 13 जुलाई तक चलने वाले कार्यक्रमों की जानाकरी देते हुए उन्होने विद्यालय परिसर व आसपास स्वच्छ रखने। बच्चों को जल प्रदुषन व जल संरक्षण की जानाकरी देने के साथ छठी से बारहवीं तक की छात्राओं को महावारी स्वच्छता की जानकारी व बच्चों को सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर बच्चों की उपस्थित बढाने को कहा है।

जमीन देने के नाम पर 1.3 करोड़ की ठगी, जाली दस्तावेज से बेची जमीन, तीन गए जेल

पुलिस के गिरफ्त में तीनों आरोपित।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। जाली दस्तावेज बनाकर जमीन बिक्री करने व धोखझाड़ी कर 1.30 करोड़ की ठगी करने वाले थाना क्षेत्र के इरबा निवासी समसुल अंसारी, अहमद अली व तस्लीम अंसारी को ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि इन लोगों ने चकला मौजा में स्थित 55 डी आदिवासी खतियान की जमीन को जाली दस्तावेज बनवाकर अरगोड़ा रांची निवासी डा. प्रसेंन रंजन से बिक्री कर दिया। जब उक्त जमीन पर निर्माण कार्य करने गए तो इसका पदार्फास कि उक्त जमीन पहले ही किसी और से बिक्री की जा चूकी है। उसने पैसे मांग तो इन लोगों द्वारा टाल मटोल करते जा रहे थें। जिसके बाद पीड़ित द्वारा ओरमांझी थाना में तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा धारा 406, 420, 267, 248, 471 व 34 के तहत मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विद्यालय में फंदे पर लटका शव बरामद

अपनी कक्षा में शव देख बच्चे डरकर भागे

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय टुंडाहुली से पुलिस द्वारा एक 21 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। उसकी पहचान चापाबार निवासी सुकरा मंडा का बेटा अनुराग मुंडा के रूप में हुआ है। रविवार छुट्टी के बाद सोमवार को जब विद्यालय खुला और स्कूली बच्चे विद्यालय भवन के अंदर जैसे ही बच्चे गए। अपने कक्षा में युवक का फांसी में लटका शव देखकर डर गए और भागे-भागे षिक्षक व ग्रामीणों की इसकी जानकारी दी। वहीं सूचना मिलते ही पहुंची ओरमांझी थाना पुलिस ने शिक्षक व ग्रामीणों से घटना व युवक के संबंध में पूछताछ किया। वहीं फांसी में लटका शव को उतरवाया और पंचनामा किया। युवक का शव गमच्छा से फांसी में लटका था। शरीर में किसी प्रकार की चोट का निशान नहीं थे। मृतक के पिता ने बताया वह ट्रेक्टर चलाता था। रविवार की सुबह वह ट्रेक्टर लेकर निकला और दोपहर में घर लौटा था। एक बजे के करीब भोजन कर घर से निकला और रात में घर नही लौटा। उसे काफी खोजबीन की गई। उसका मोबाइल में रिंग बज रहा था, लेकिन रिसिव नही हो रहा था। स्वजनों को लगा वह बगल गांव में वैवाहिक कार्यक्रम में गया होगा। बाद मुखिया रमेश बेदिया, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार, विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो, जगमोहन मुंडा, रविंद्र करमाली सहित काफी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए थे। वहीं स्वजनों द्वारा शव का पोस्टर्माटम करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस द्वारा स्वजनों का शव सौंप दिया गया। मृतक के तीन छोटी बहन है। मां अरूणा देवी व पिता मुजदूरी करते हैं। शव जैसे ही घर पहुंचा। बहन व मांग दहाड़े मार रोने लगे।

मृतक के घर के पास उपस्थित ग्रामीण और इनसेट में फाइल फोटो।

बारातियों से भरी बस में करंट से तीन की मौत, पांच घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। थाना क्षेत्र के चोगागुटू गांव आ रही बारातियों से भरी बस 11 हजार करेंट के चपेट में आ गयी। इसमें एक नाबालिग समेत 3 बारातियों की मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सरायकेला जिले के कुचाई थाना क्षेत्र के बारूहातु गांव से बाराती बस तमाड़ थाना क्षेत्र के चोगागुटू आ रही थी। गांव में प्रवेश करने से पहले ही बस बिजली के तार के संपर्क में आ गई। बस की छत पर बैठे तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। मृतकों की पहचान दिनेश सिंह मुंडा (36), मुंडा मुंडा (25) और जितेन सिंह मुंडा (12) के रूप में हुई है. घायलों के नाम लंबार मुंडा, शंकर मुंडा, सुभाष मुंडा, उपेन मुंडा और चरण मुंडा हैं। घायलों को आनन-फानन में तमाड़ सीएचसी लें जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज के लिये रिम्स रेफर किया गया. घटना रविवार देर रात की है। करंट लगने के बाद बस पर सवार लोगों में चीख-पुकार मच गयी। तत्काल बस को रोककर उस पर सवार लोगों को सुरक्षित उतारा गया। घायल हुए 5 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए सभी को रिम्स रेफर कर दिया गया।

एक नजर में

बूटी में सीवरेज ड्रेनेज का गड्ढा बना जानलेवा

रांची। वार्ड नंबर 5 अंतर्गत वैक्सपोल रोड, बूटी में सीवरेज ड्रेनेज के नाम पर 15 दिन पहले बीच रोड में जूडको कंपनी द्वारा गड्ढा खोदा गया है और बिना गड्ढा को भरकर ठेकेदार कहीं भाग गया है। जिससे आए दिन राहगीर, साइकिल वाले, मोटरसाइकिल वाले गिरते रहते हैं और यदि इस गड्ढे को अविलम्ब भरा नहीं जाता है तो कोई भी बड़ा हादसा से इनकार नहीं किया जा सकता है। थोड़ा सा बारिश होने से यह गड्ढा तालाब का रूप ले लेता है, जिससे साइकिल वाले, मोटरसाइकिल वाले के साथ कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। संबंधित अधिकारी से आग्रह है कि इस और ध्यान देने कि कृपा करें ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके अन्यथा किसी तरह का हादसा होता है तो जिसका सारा जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं प्रशासन की होगी।

रातू : मौसीबाड़ी में नकद समेत जेवरात की चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के एसबीएल स्थित मौसीबाड़ी के समीप रहने वाले अखिलेश कुमार मिश्र के बंद घर का दरवाजा तोड़कर शनिवार की रात अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया और गोदरेज में रखे 1.48 लाख नकद और जेवरात लेकर फरार हो गये। मामले को लेकर भुक्तभोगी की ओर से रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। जानकारी के मुताबिक, श्री मिश्र सुखदेवनगर के हैं। फिलहाल जमीन खरीद कर यहां नया मकान बनाये हैं। सोमवार को परिवार के साथ रांची से शाम 5 बजे घर लौटा, तो देखा कि दरवाजे में लगे ताले टूटे और कमरे में सामान बिखरे पड़े हैं। अलमीरा टूटा हुआ था। उसमें रखे करीब डेढ़ लाख नकद तथा सोने का चेन, कान की बाली, नाक की नथिया व कीमती सामान को गायब पाकर उनके होश उड़ गये। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

■ अज्ञात के खिलाफ केस
■ पुलिस कर रही है जांच

मुहर्रम को लेकर खलारी थाना में शांति समिति की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। मुहर्रम त्यौहार के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने खलारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता खलारी थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह ने किया। शांति समिति के बैठक में मुख्य रूप से खलारी अंचलाधिकारी प्रणव अम्बश्ट एवं खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी उपस्थित थे। बैठक में मुहर्रम त्योहार को आपसी भाईचारगी और सौहार्दपूर्ण के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही मुहर्रम सेन्ट्रल कमिटी के सदस्यों के द्वारा खलारी बैंक चौक पर लगने वाले मुहर्रम मेला को लेकर जानकारी लिया अथवा राज्य सरकार के गाइडलाइंस के हिसाब से दी गई। वही खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी ने बैठक में कहा कि मुहर्रम समितियों के लिए जुलूस निकालने के लिए लाइसेंस अति आवश्यक है। वहीं जुलूस के दौरान लाउडस्पीकर का साउंड सीमित रखने, अफवाह पर ध्यान नहीं देने अथवा मुहर्रम त्योहार में तरह की विवादास्पद बात अथवा नारा नही लगाना है। अगर इस तरह के गतिविधि करते हुए पाए गए तो पुलिस अपना कार्य करेगी। वहीं गंभीर विषयों पर तत्काल खलारी थाना प्रभारी को सुचित करे।

ओरमांझी में भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने का निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। मुहर्रम पर्व को लेकर सोमवार को ओरमांझी थाना परिसर में थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चैधरी ने कहा ओरमांझी प्रखंड में सभी समुदायी आपसी भाईचारगी से पर्व त्योहार मनाते आ रहे हैं। इस बार भी सभी समुदाय मिल जूल कर सौहार्दपूर्ण महर्रम मनाएंगें। वहीं थाना प्रभारी ने मुहर्रम मेला आयोजन व जुलूस निकालने वाले रूट की जानाकरी ली और सोषल मीडिया के फेक मैसेज से सावधान रहने की अपील किया। अफवाह फैलाने वालों से सावधान रहे। किसी भी घटना की जानकारी व पुष्टि के लिए सिधे थाना में संपर्क करें। कहा मुहर्रम जुलूस बताए रूट से ही ले जाए। मुहर्रम के दौरान सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रषासन मुस्तैद रहेगी। प्रमुख अनुमा देवी, जिप सदस्य सरिता देवी, पूर्व उपप्रमुख मुनतजीर अहमद रजा सहित कई लोगों ने संबोधित किया। संचालन पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू ने किया। मौके पर खालिक खान, सलीम अंसारी, कुदुष अंसारी, अमित राज, सतार अंसारी, सत्यनारायण तिवारी, रामबृक्ष महतो, दुगार्षंकर साहू, अरविंद सिंह, बहुर पाहन, मुमताज अंसारी, क्युमुद्दीन अंसारी, रामनंदन महतो, अन्य शांति समिति के सदस्य व पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

नगड़ी में प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक

पिस्कानगड़ी। नगड़ी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सहाबीर लोहरा के अध्यक्षता में सपारोम पंचायत भवन में बैठक हुई। बैठक में रांची लोकसभा चुनाव की समीक्षा हुई। नगड़ी प्रखंड कांग्रेस कमिटी ने नगड़ी प्रखंड कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और सभी कांग्रेस जनों और नगड़ी प्रखंड के आम जनों का भरपूर सहयोग रहा और नगड़ी प्रखंड से जीत दर्ज कराया है।

एसएसबी ने सुअरमारा गांव में किया पौधरोपण

राहे। एसएसबी 26वीं बटालियन के कमांडेंट एसडी शेरखाने के निदेर्शानुसार नशा मुक्ति ,जल शक्ति अभियान तथा पौधारोपण कार्यक्रम क्षेत्र में चलाए जा रहे हैं। इसी कार्यक्रम के तहत एसएसबी 26 वीं बटालियन ए कंपनी सताकी कैंप के जवानों ने अंबाझारिया पंचायत के सुअरमारा गांव में एक पौधा अपने मां के नाम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम किया । इस दौरान गांव में कंपनी कमांडर शशि कुमार ने लोगो को बताया कि जल को कैसे बचाना चाहिए तथा नशा मुक्ति और वृक्षा रोपण करने से क्या फायदे है और भविष्य में क्या लाभ मिलेगा इस अभियान में कंपनी कमांडर अलावे सहायक उपनिरीक्षक के . बिमल सिंघा, ग्रामीण और जवान मौजूद थे।

कॉलेज ने किया कृतिमान स्थापित : एनके गुप्ता

समर्पणदीप बीएड कॉलेज ने मनाया 12वां स्थापना दिवस

■ गीत-संगीत का चला दौर
■ खूब थिरके छात्र-छात्राएं

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। समर्पणदीप बीएड कॉलेज ने 12 साल का सफर तय कर लिया है। इस बीच कई उतार-चढ़ाव आये। लेकिन, प्रबंधन इससे विचलित न होकर विद्यार्थियों को बेहत्तर आयाम देने में कृतिमान स्थापित किया है। इससे इसकी साख दूसरे संस्थानों की अपेक्षा मजबूत हुयी है। उक्त बातें सचिव एनके गुप्ता ने कही। इससे पूर्व चेयरमैन अभिषेक सिंह, सचिव एनके गुप्ता, कोषाध्यक्ष विकास पोद्दार, प्रबंध समिति के सदस्य जितेंद्र प्रसाद, विशाल सिंह, शैलेंद्र सिंह व प्रभारी प्राचार्य दशरथ महतो ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान गीत-नृत्य का दौर चला। शिक्षाप्रद नुक्कड़ का मंचन किया गया। रीमिक्स और नागपुरी धुन पर छात्र-छात्राएं खूब थिरके। जमकर हंसी-ठिठौली हुयी। लोगों ने लजीज व्यंजन का भी स्वाद चखा। संचालन आलिया, पल्लवी व शिवानी ने किया। जबकि, धन्यवाद ज्ञापन डॉ आनंद ने दिया।

प्रबंधन से सम्मान पाते शिक्षक।

इन्होंने निभायी भूमिका

अभिषेक सिंह, नवल किशोर गुप्ता, विकास पोद्दार, जितेंद्र प्रसाद, विशाल सिंह, शैलेन्द्र सिंह, दशरथ महतो, डॉ आनंद, डॉ शशि तिर्की, लीना कुमारी, वासिफ शाह, कन्हैया लाल केशरी, अच्युतानंद मिश्र, सजीत महतो, ऋतु जया करकेट्टा, शालिनी सिन्हा, कन्हाई महतो, अनिल साहु, दिनेश महतो, शिवराज भगत, लक्ष्मी, अभिलाषा, सीमा, लीना, अनिसा, हेमा, सुनीता, अजित, कार्तिक, कुंदन, अतुल व कृष्णा आदि।

इन्हें दिया गया सम्मान

बेस्ट टीचर अवार्ड प्रभारी प्राचार्य दशरथ महतो व प्राध्यापक वाशिफ शाह को मिला। 2021 बैच के छात्र पंकज मुंडा, सेरोफिना एक्का व निमिशा का चयन पीजीटी टीचर के तौर पर किया गया। 2023 के टॉपर अनुराधा, नीरज, प्रशांत व आशा को सम्मानित किया गया। दशरथ, सरिता, नूरूल्लाह और रोहित बेस्ट एलुमनी ऑफ द ईयर रहे। स्मृति, आकृति, पल्लवी, तारकेश्वर व उज्जवल समेत चालू सत्र के कई प्रशिक्षु भी सम्मान के हकदार बने।

चोरेया गांव में दो घरों का ताला तोड़ नगद और जेवरात की चोरी

चान्हो। चोरेया में दो बंद घर में ताला तोड़ नगद व पांच लाख के सोने चांदी के जेवरात की चोरी का मामला प्रकाश में आया है। घटना रविवार देर रात की है। बताया जाता है, चोरेया गांव निवासी आशुतोष मिश्रा व प्रमोद मिश्रा के बंद घर से रात को चोरो ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। परिजनों के अनुसार दरवाजे का ताला तोड़ अंदर घुसे चोरों ने दोनों घर से करीब पंद्रह हजार नगद व पांच लाख के सोने चांदी के जेवर की चोरी की है। आशुतोष मिश्रा रविवार को सपरिवार रांची गये थे जबकि प्रमोद मिश्रा अपने पुत्री के एडमिशन के सिलसिले में हैदराबाद गये हैं। घर में किसी आदमी को ना देख चोरों ने दोनों घर दरवाजे में लगे ताला के अलावा घर के अंदर के अलमारी व कबर्ड में लगे ताले को भी तोड़ दिया है और आराम से उसकी तलाशी लेकर आशुतोष मिश्रा के घर से कुछ करीब डेढ़ लाख के जेवरात एवं प्रमोद मिश्रा के घर से 15 हजार नगद व करीब साढ़े तीन लाख के जेवर की चोरी कर ली है। दोनो पीड़ित आपस में चचेरे भाई हैं तथा दोनों के घर अगल बगल है दोनों के घरों में चोरी की सूचना चान्हो पुलिस को दे दी गयी। पुलिस मामले की तफसीस कर रही है।

स्पीड न्यूज

बैटरी में विस्फोट होने से स्कूटी शोरूम में लगी भीषण आग

बोकारो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर चार स्थित व्यावसायिक केंद्र सिटी सेंटर में बैटरी चालित दोपहिया स्कूटी के शोरूम में भीषण आग लग गयी। बताया जाता है कि बैटरी में विस्फोट होने के कारण आग लगी है। आग ने भीषण रूप ले लिया है। घटनास्थल पर अफरा तफरी का माहौल व्याप्त है। अग्निशामक दल (दमकल) आग बुझाने के प्रयास में लगा हुआ है। समाचार लिखे जाने तक आग लगने के आधिकारिक कारण एवं आर्थिक नुकसान के राशि व जानमाल के क्षति की पुष्टि नहीं हो सकी है परन्तु लाखों के नुकसान की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है।

पीएम के कार्यो पर लिखी गई पुस्तक भाजपा नेताओं के बीच वितरित

बेरमो। भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह ने फुसरो नगर परिषद स्थित करगली महिला मंडप में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित अभिनंदन सह सम्मान समारोह में बेरमो विधानसभा क्षेत्र के सभी भाजपा प्रखंड अध्यक्षों एवं बोकारो ज़िला भाजपा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों को लेकर लिखी अपनी पुस्तक आयुष्मान भव: भेंट की।

हॉस्टल की हुई साफ सफाई

साहिबगंज। सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान का शुभारंभ साहिबगंज कॉलेज के बॉयज हॉस्टल परिसर व पोखरिया स्तिथ गर्ल्स हॉस्टल और +2 सीएम एक्सीलेंस स्कूल परिसर में साफ सफाई करके किया गया। नगर परिषद प्रशासक सोमा खंडाईय के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम ने इस अभियान के तहत साफ सफाई अभियान चलाकर पूरे हॉस्टल परिसर को साफ सुथरा किया और ब्लीचिंग का छिड़काव किया। वही प्रशासक ने बताया कि ये अभियान 31 अगस्त तक शहर भर में चलेगा। अभियान चलाकर शहर को स्वच्छ सुंदर रखा जा रहा है। स्वच्छ शहर स्वास्थ्य शहरवासी रहे। मौके पर सीटी मैनेजर, शिव हरी, आयुष कुमार, छात्र नायक, सफाई कर्मी उपस्थित थे।

नाबालिग लडकी का बाल विवाह होने से रुकवाया

उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंथन संस्था के सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता शबनम प्रवीण के द्वारा सोमबार को एक नाबालिक लड़की का बाल विवाह होने से रुकवाया गया।उधवा प्रखंड अंतर्गत बाघपिंजरा,मोहनपुर में एक नाबालिक लड़की का बाल विवाह होने से रुकवाया गया। इससे पूर्व इसकी सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल पांडे को दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी के निदेर्शानुसार टीम गठित कर मंथन संस्था के कार्यकर्ता द्वारा राधानगर पुलिस की सहयोग से उक्त नाबालिक के घर पहुंच कर कागजात की जांच पड़ताल किए गए, जिसमें लड़की नाबालिक पाई गई। इसके बाद नाबालिग को उसके परिवार वालों के साथ साहिबगंज लाया गया और बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया।

विस्थापितों के वाजिब मांगों को पूरा करायेंगे : ढुल्लू महतो

बोकारो के 13 विस्थापित संगठनों ने किया सांसद ढुल्लू महतो का अभिनंदन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापितों के हक के लिए संघर्ष करने वाले 13 संगठनों द्वारा स्थानीय अग्रसेन भवन में धनबाद के नवनिर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो के लिए आयोजित अभिनंदन समारोह में सांसद ने कहा कि बोकारो के मतदाताओं ने हमें एक लाख 67 हजार मत देकर ऋणी बना दिया है। इसका एहसान उतारने के लिए कोई भी त्याग के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने विस्थापितों को विश्वास दिलाया कि उनकी हरेक वाजिब मांगों को हासिल करने के लिए कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। जो भी लिखित या मौखिक समझौते हुए हैं उन्हें हासिल किया जाएगा। अभिनंदन समारोह को विस्थापितों ने एक सम्मेलन की तरह संचालन करते हुए कई प्रस्ताव पास किए जिसमें चतुर्थ श्रेणी के पद के आरक्षण को कानूनी दर्जा देने 19 गांवों को पंचायत में शामिल किये जाने परती जमीन की वापसी विस्थापित आयोग का गठन अप्रेंटिस कराकर नियोजन का नियम बनाने तथा विस्थापितों के लिए एक संगठन बनाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मजदूर विस्थापित नेता साधु शरण गोप ने कहा कि जैसे एससी एसटी कर्मचारियों को उत्पीड़न से बचाने के लिए उनके फेडरेशन को सेल ने मान्यता दे रखी है वैसे ही विस्थापितों का एक संगठन बनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन हसनुल अंसारी और रघुनाथ महतो ने किया। कार्यक्रम को सहदेव साव बैजनाथ बेसरा हक बाबू अंसारी इरफान अंसारी फूलचंद महतो राजकुमार मोदक शंकर लाल गोप चंद्रकांत महतो सरोज महतो भगवान साव मुनेश्वर महतो टीडी मंडल मो शाहिद कमलेश ठाकुर संतोष कर्मकार सुरेंद्र महतो मनोहर गोप अयूब अंसारी अयाज आदि ने संबोधित किया।

कर्मियों की आमसभा में विभिन्न नीतियों में बदलाव की मांग

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की सेक्टर 2 स्थित कला केन्द्र में संपन्न आमसभा में विभिन्न मांगों को लेकर मंथन किया गया। कर्मचारियों ने यूनियन पदाधिकारियों को अपनी मांगों से अवगत कराया तो यूनियन पदाधिकारियों ने इस दिशा में रोडमैप प्रस्तुत किया। बैठक में यूनियन द्वारा 10 प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें मुख्य रूप से प्रोन्नति नीति और यूनियन चुनाव की पद्धति में बदलाव की मांग उठी। एनजेसीएस में केवल निर्वाचित यूनियन नेताओ को ही सदस्य बनवाने तथा एनजेसीएस मे सुधार के लिए कोर्ट केस लड़ने बोकारो इस्पात संयंत्र मे रिकॉगनाइज्ड यूनियन का चुनाव करवाकर कमेटी काउंसिल के गठन 15 प्रतिशत एमजीबी तथा 35 प्रतिशत पर्क्स के साथ वेज रिवीजन 39 माह के फिटमेंट एरियर 58 माह के पर्क्स एरियर का भुगतान नन स्टैचुअरी बेनिफिट को लागू करवाने अन्य महारत्न कंपनियों की तर्ज पर नई सुविधाओं को शुरू कराने ग्रेडवाइज तथा क्लस्टरवाइज पदनाम शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान लागू करने सुरक्षा को सुदृढ़ करने आदि संबंधी प्रस्ताव बैठक में पारित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष हरिओम कुमार ने की तथा मंच संचालन महासचिव दिलीप कुमार ने किया।

झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता के लिए बोकारो की टीम का गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला तैराकी संघ की ओर से डीपीएस बोकारो के स्विमिंग पूल एरिया में आयोजित सेलेक्शन ट्रायल में विभिन्न विद्यालयों से लगभग 80 प्रतिभागियों ने 26-28 जुलाई को होटवार रांची में आयोजित 14वीं सब जूनियर एवं जूनियर झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता 2024 हेतु हिस्सा लिया। तैराकी की विभिन्न स्पधाओं में प्रदर्शन के आधार पर कुल 22 नवोदित तैराक टीम में बालक वर्ग में अरण्या रोहन वरुणादित्य रॉय अंकित बासु अर्नव शरण एमएस शंकर प्रज्ञान कुमार अतुल्य हर्षित मोदी आरव कुमार अक्षत वर्मा हर्षिल अधिराज पूनान सम्यक एवं आनंद देवनाथ तथा बालिका वर्ग में गुरलीन सुप्रिया सिंह फैजा फारूकी अदित्री चौहान अरुणिमा अंशिका आद्या प्रिशा और अंकिता राज को टीम में शामिल किया गया है। जानकारी देते हुए बोकारो जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने बताया कि झारखंड तैराकी संघ के तहत रांची जिला तैराकी संघ की ओर से होटवार स्थित वीर बुधु भगत एक्वेटिक स्टेडियम मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित तैराकी प्रतियोगिता के कैटेगरी 1 में 15-17 वर्ष कैटेगरी 2 में 12-14 कैटेगरी 3 में 10-11 और कैटेगरी 4 में 8-9 वर्ष आयु वर्ग के बालक व बालिका खिलाड़ी चुने गए हैं।

मासिक समीक्षा बैठक में एसपी ने अफसरों को दिया दिशा निर्देश

आपराधिक मामलों का करें त्वरित निष्पादन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में एसपी पूज्य प्रकाश ने जिले के सभी एसडीपीओ डीएसपी पुलिस निरीक्षकों तथा सभी थाना प्रभारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक कर मुहर्रम पर्व और सावन को देखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने जिले में लंबित सभी आपराधिक मामलों यथा हत्या लूट रंगदारी चोरी महिला अपराध आदि की समीक्षा की एवं त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। बैठक के दौरान पोस्को संबंधित कांडों को दो माह के अंतर्गत निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। एसपी ने मुहर्रम त्योहार को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संवेदनशील जगहों पर सूचना संग्रहित करते हुए विशेष नजर रखने की हिदायत दी। इस क्रम में एसपी ने नए कानून आने के बाद दर्ज किए गए मामले और डिजिटल साक्ष्यों को लेकर थाना प्रभारियों से सवाल जवाब भी किए। व्यवसायियों के लिए इन दिनों आतंक का पर्याय मेजर के संबंध में पूछे जाने पर एसपी ने कहा कि प्रिंस खान के मेजर के द्वारा बेरमो में घटना को अंजाम दिलवाया गया था जिसका उद्भेदन हो चुका है। चास एवं अन्य एक व्यवसायी को धमकी मेजर के द्वारा दी गई है। इस बाबत साक्ष्य का संकलन किया जा रहा है। जल्द ही इसमें शामिल सभी लोगों को पुलिस गिरफ्तार करेगी।

अनुसूचित जनजाति आयोग ने की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

साहिबगंज। डॉ आशा लकड़ा, माननीया सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की अध्यक्षता में आज अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों व अन्य विभागों के प्रगति से संबंधित बैठक समाहरणालय सभागार में की गई। बैठक में सर्वप्रथम शिक्षा विभाग की समीक्षा में अनुसूचित जनजाति के आवासीय विद्यालयों के स्थिति की समीक्षा की गई। विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्होंने प्रतियोगिताएं आयोजित किये जाने का निदेश दिया गया। सभी विद्यालयों के बच्चों के लिए संकुल स्तर और जिला स्तर पर क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित ,खेल कार्यक्रम किये जाने का निदेश दिया गया। जिला में कार्यरत सहायक आचार्यों के लिए एक ओरिएंटेशन आयोजित किये जाने का निदेश दिया गया। अबुआ आवास योजना की समीक्षा में लाभुकों के आवास के साथ एक शौचालय की योजना भी जोड़े जाने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ऐसे लाभुकों को शौचालय की सुविधा दी जाएगी और लाभुकों को आच्छादित कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा की गई और योजना में किसी भी प्रकार शिकायत के लिए जांच किये जाने का निदेश दिया गया। सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत गांव-गांव में पेंशन के नये लाभुकों को जोड़े जाने हेतु विशेष अभियान चलाकर घर-घर सर्वे किये जाने का निदेश दिया गया। आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई एवं बताया गया कि जिले में कुछ ऐसे गांव है जहां नेटवर्क की स्थिति अच्छी नहीं होती वहां ऑनलाइन के माध्यम से वितरण किया जाता है जिसे काफी परेशानियों का सामना किया जा रहा है निर्देशित करते हुए कहा कि ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन की भी सुविधा प्रदान करेंगे एवं कई गांव में बीपीएल कार्ड निर्गत नहीं किया गया है ससमय बीपीएल कार्ड निर्गत किया जाए।

बैठक में ये लोग थे मौजूद

बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए मंजू रानी स्वांसी, मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार,अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल कपिल कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी जयवर्धन कुमार,सिविल सर्जन डा० अरविंद कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, झुन्नू कुमार मिश्रा , जिला सहकारिता पदाधिकारी राम कुमार प्रसाद , जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद इक्का, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद , जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू , जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अनिल कुमार, प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

एक नजर में

बोकारो में 199.5 लीटर विदेशी शराब जब्त

बोकारो। डीसी विजया जाधव के निर्देश एवं सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने जरीडीह थाना अंतर्गत टांड बालीडीह ग्राम में छापेमारी की। इस दौरान तलाशी के क्रम में जीवन लाइन होटल द्वारा उपयोग में लाए जा रहे गोदाम से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुआ। इस मामले में घटनास्थल पर मौजूद भोला साव को उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। छापामारी अभियान में विदेशी शराब 199 .5 लीटर जब्त की गई। छापेमारी टीम में निरीक्षक उत्पाद संजीत देव अवर निरीक्षक सदर कृष्णा प्रजापति अवर निरीक्षक उत्पाद तेनुघाट सुश्री दीपिका कुमारी सहित गृहरक्षक बल शामिल थे।

बेरमो थाना के समीप चला वाहन जांच अभियान

बेरमो। बेरमो थाना के फुसरो जैनामोड़ मुख्य मार्ग मे बेरमो थाना के समीप बोकारो ट्रेफिक डीएसपी के निदेर्शानुसार एंटी क्राइम टीम बेरमो के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बाइक के हेलमेट के अलावा कागजात, ड्राइवरी लाइसेंस सहित अन्य कागजातों की जांच की गई। इसमें चालको के द्वारा कागजात, हेलमेट सहित अन्य कागजात नहीं होने पर शक्त हिदायत देते हुए छोड़ दिया गया। बाइक चालकों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में बाइक के सारे दस्तावेजों को साथ रखें और हेलमेट पहनकर ही बाइक चलाएं। एसआइ ननका उरांव ने कहा कि अपराध नियंत्रण की दिशा में वाहन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग अपने वाहनों के कागजातों को दुरूस्त कर लें और अपने जीवन की सुरक्षा के लिए बाइक चालक हेलमेट जरूर पहनें। वहीं बिना कागजात वाले वाहन चालको में चेकिंग अभियान से अफरा-तफरी मचा रहा। मौके पर एसआइ ननका उरांव, दिनेश बाउरी, बरूण पंडित सहित बेरमो थाना के जवान शामिल थे।

विजय संकल्प सभा में पूर्व विधायक ताला मरांडी ने कार्यकर्ताओं को दिए कई टिप्स

रानेश्वर। रानेश्वर बाजार स्थित आमोलिका राईस मिल में भाजपा ने अभिनन्दन सह विजय संकल्प सभा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बोरियो के पूर्व विधायक ताला मरांडीए जिला अध्यक्ष गौरव कांतए पूर्व जिला अध्यक्ष परितोष सोरेनए जिला महामंत्री विवेक रायए जिप सदस्य बिमान सिंहए अभिनाश सोरेनए प्रखंड महामंत्री कार्तिक घोषए प्रखंड अध्यक्ष रघुनाथ दत्ताए वरीय कार्यकर्ता श्याम रायए अजय सिंह आदि मौजूद थे। बैठक में बीते दिनों हुए लोकसभा चुनाव को लेकर समीक्षा किया गया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बूथ के कार्यकर्तों को सम्मानित किया गया। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर विशेष रूप से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओ का उत्साह बढ़ाया गया और वर्तमान हेमंत सरकार को हरा कर भाजपा पार्टी का सरकार बनाने का बात कहते हुए बेहतर प्रदर्शन करने का कार्यकर्ताओं को कई टिप्स दिया गया।

40 हजार के अवैध लॉटरी टिकट के साथ चार गिरफ्तार, भेजे गये जेल

दुमका। अवैध रूप से लाटरी टिकट बेचने वालों के खिलाफ नगर थाना पुलिस बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 40 हजार के टिकटए 13 हजार रुपया और चार मोबाइल को जब्त कर चार कारोबारी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दी है। गिरफ्तार आरोपियों में थाना क्षेत्र के टीन बाजारए तेलीपाड़ा निवासी सूरज मंडलए मनीष मंडलए उमेश केसरी एवं कुम्हारपाड़ाए शिवसुंदरी रोड़ निवासी मो शमीम अंसारी है। जानकारी के अनुसार पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि टीन बाजार में कुछ लोग अवैध रूप से लॉटरी टिकट की बिक्री कर रहे हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस ने देर शाम को बाजार में दबिश दी। पुलिस ने चारों युवकों को लॉटरी के टिकट के साथ धर दबोचा। पुलिस ने टिकट की खरीद करने वाले दो युवकों को हिरासत में लियाए लेकिन बिक्री में उनका हाथ नहीं होने के कारण दोनों को देर शाम को छोड़ दिया। मामले में थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने बताया कि दुमका में लाटरी प्रतिबंधित है। इसके बाद भी कुछ लोग अवैध रूप से इसकी बिक्री कर रहे थे।

नाबालिग को भगाने वाला युवक गिरफ्तार, जेल

दुमका। नाबालिग को शादी के नियत से भगा ले जाने वाला युवक को नगर थाना पुलिस सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दी। गिरफ्तार आरोपी युवक भीम केवट जिले के काठीकुंड थाना क्षेत्र के मधुबन गांव निवासी है। जानकारी के अनुसार युवक नगर थाना क्षेत्र में मामा के घर रह पढ़ाई करने वाली नाबालिग को शादी के नियत से बहला .फुसला कर फरार हो गया। मामले में नाबालिग के मां के लिखित शिकायत पर पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन में जुट गई थी। पुलिस ने दबिश डाल नाबालिग को बरामद करते हुए आरोपी युवक को धर दबोचने में सफल रही। पुलिस आरोपी युवक का न्यायालय में बयान दर्ज करा न्यायिक हिरासत में जेल भेज दी है।

पूर्व विधायक ने आजसू से दिया इस्तीफा

पाकुड़। पाकुड़ के पूर्व विधायक अकील अख्तर ने आजसू का दामन छोड़ दिया है। झामुमो के टिकट से 2009 में चुनाव जीत कर विधायक बनने वाले अकील अख्तर ने बाद में आजसू की सदस्यता ले ली, लेकिन अब इस पार्टी से भी उनकी दिल भर गया है। खबर है, अकील अख्तर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। वर्तमान में अकील अख्तर आजसू के केंद्रीय सचिव के पद पर थे। अब जबकि झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां चल रही हैं, ऐसे में अकील अख्तर का आजसू छोड़ना पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है। अकील अख्तर ने अपने इस्तीफे की पुष्टि कर दी है।

बागवानी योजना का लाभ लेकर किसान हो रहे खुशहाल

खबर मन्त्र संवाददाता

उधवा। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी योजना ,जिससे आज पूरे राज्य में किसान वर्ग और लाभुक लाभान्वित हुए है। इसी क्रम में प्रखंड उधवा के तहत भी पिछले कई वर्ष से कई लाभुक इस योजना का लाभ प्राप्त कर अपनी आजीविका में वृद्धि कर रहे है,जिसके फलस्वरूप उनके जीवन में खुशहाली आई है। प्रखंड उधवा के पंचायत मसना में लाभुक सरजीत क्रिसजन ने बताया की वित्तीय वर्ष 2020 21 में अपनी जमीन 1 एकड़ पर मनरेगा के तहत बागवानी योजना लिया था, आम के पेड़ के साथ साथ कटहल , नींबू का भी पेड़ लगाया। आज पिछले 2 वर्ष से आम और अन्य फल की बिक्री से आमदनी में वृद्धि हुई है। इस योजना से लाभ प्राप्त कर मेरे आजीविका में मदद मिली । उन्होंने ये भी बताया कि बागवानी योजना के साथ साथ अन्तरखेती में गाजर, खीरा, टमाटर, मूली, साग,सब्जी भी लगाया था जिसे वो अपने घर पर प्रयोग किया। वही दूसरी ओर पंचायत सूतियारपरा में अंबर कुमार सिंहा ने भी आम बागवानी योजना का लाभ लिया जिससे उन्होंने आम के साथ साथ इमारती पौधा भी लगाया, योजना के लाभ पा कर उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है,इस बार आम की बिक्री से आमदनी हुई जिससे आने वाले मौसम में अपनी बागवानी में अन्तरखेती करेंगे। वही बीपीओ गगन बापू ने बताया कि गत वर्ष के बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी योजना का लाभ पा कर सभी बहुत खुश है,उनके आर्थिक स्थिति में सुधार हुई है।

पंचायत सचिव को आवेदन देकर ले सकते हैं योजना का लाभ

उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी वैसे लाभुक जिन्हें बागवानी योजना का लाभ लेना चाहते है वो अपने पंचायत के पंचायत सचिव , ग्राम रोजगार सेवक ओर से मिलकर पंचायत भवन में आवेदन दे सकते है। इस योजना के माध्यम से कृषक वर्ग को बागवानी योजना का लाभ दिया जाएगा जिसमें उन्हें मनरेगा मजदूरी के साथ साथ घेरा बंदी की राशि, खाद, पौधा भी उपलब्ध करवाया जाएगा।

दवा बगैर गंभीर बीमारियों में कारगर है एक्युप्रेशर

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। फुसरो नप अंतर्गत करगली बाजार स्थित नेताजी सुभाष सेवा संघ के प्रधान कार्यालय में एक्यूप्रेशर एक्यूपंचर की नवीनतम तकनीक पर आधारित स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के तहत एडवांस सुजोक एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन 35 असाध्य एवं जटिल रोगों का इलाज स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के तहत पटना से आए सुजोक थैरोपिस्ट काउंसलर शैलेंद्र कुमार मिश्रा तथा सहयोगी राजू सिंह, धर्मेंद्र कुमार तथा सुमित प्रसाद के द्वारा एक्यूप्रेशर से इलाज किया गया। कहा कि अभी तक 10 हजार शिविर मे 50 हजार लोगो का इलाज किया गया। खचीर्ले चिकित्सा के बजाय ना के बराबर पैसे देकर परामर्श निशुल्क सेवा के साथ कई रोगो का इलाज बैनर चिर फाड़कर सुजोक एक्यूप्रेशर चिकित्सा के माध्यम से किया जा रहा है। कहा कि शरीर मे जितने भी बीमारी आती है वह सारी बीमारी खून से संबंधित और इस चिकित्सका के माध्यम से हाथ और पैर के कुछ प्वाइंट को चिह्नित कर इलाज किया जा रहा है। बताया कि यहां लकवा, गठिया, गैस, कब्ज, दमा, मधुमेय, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, पाचनतंत्र में रोग, सायटिका, दर्द, मोटापा, साइनस, डिप्रेशन, अनिंद्रा, कान गला को रोग, आंखो का रोग इत्यादि काफी तरफ के रोग का अभिलांभ उपचार किया जाता है। आंखों में लगे चश्मे उतारने का भी इलाज होता है। इस रूप मे समझा जा सकता है कि फुसरो के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर उषा सिंह को इस थैरेपी से इलाज करने की जरूरत पड़ी। उन्होंने इलाज कराया और लाभ मिला। कहा कि लोगो को एक्यूप्रेशर चिकित्सा लाभ लेना चाहिए।

बेरमो में लगाया गया एक्यूप्रेशर कैंप

संघ के संस्थापक आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में जो भी आमजन है वो स्वस्थ रहे इसको देखते हुए ये पांच दिवसीय एक्यूप्रेशर कैंप लगाया गया है। कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है कि हमारा समाज स्वस्थ हो। इसको देखते हुए संस्था के द्वारा परस्पर रक्तदान शिविर, नेत्र जांच शिविर आदि कई तरह का कैंप हमलेगों द्वारा लगाया जाता है। कहा कि स्वस्थ समाज होगा तभी विकसित देश की रचना होगी। यह शिविर 18 जुलाई तक चलेगी।

खबर मन्त्र

रांची. मंगलवार. 16 जुलाई 2024

बढ़ती भूख

कुपोषण और भुखमरी पर वैश्विक रिपोर्टें चौंकाने वाली ही होती हैं। तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले बढ़ा हुआ ही निकलता है। ऐसी रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां पहुंचे। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनमें कामयाबी कितनी मिली। कुपोषण, गरीबी और भुखमरी में सीधा रिश्ता है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं। हाल में एक अध्ययन में यह पता चला है कि दुनिया के तीन अरब लोग पौष्टिक भोजन से वंचित हैं। वास्तविक आंकड़ा इससे भी बड़ा हो तो हैरानी की बात नहइनमें ज्यादातर लोग गरीब और विकासशील देशों के ही हैं। गरीब मुल्कों में भी अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी और एशियाई क्षेत्र के देश ज्यादा हैं। गरीबी की मार से लोग अपने खानपान की बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पाते। अगर शहरों में ही देख लें तो गरीब आबादी के लिए रोजाना दूध और आटा खरीदना भी भारी पड़ता है। बिहार, यूपी, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िसा सहित देश के शहर और ग्रामीण इलाके में भूखमरी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 16 करोड़ परिवार भारत में तो अफ्रीका में राजनीतिक संघर्षों और गृहयुद्ध जैसे संकटों से जूझ रहे अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें तो और डरावनी हैं। हमें वैश्विक स्तर पर इससे लड़ने का मुहिम चलाना चाहिए जबकि हम आज भी संपन्न देश आर्थिक और सामरिक साम्राज्यवाद को बढ़ाने में लगे हैं। धन की इस असमानता का इतना विद्रूप चेहरा अब और क्रूरतम आकार ले रहा है।

अब बाढ़ की त्रासदी

भारत ही नहीं, पड़ोसी देश नेपाल में भूस्खलन के बाद दो बसें उफनती नदी में गिर गई, जिससे साठ लोगों के लापता होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को आठ सौ गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए, जिसमें करीब चालीस लाख लोगों पर इसका असर पड़ा है। कई गांवों में घर से काम पर निकलने के लिये लोगों ने नावों का इस्तेमाल किया। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर तीन फीट से अधिक पानी खड़ा था। जिसके कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पीलीभीत के एक डैम का पानी छोड़े जाने से दर्जनों गांव जलमग्न हो गए। गांवों में चार से पांच फीट तक पानी भर जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी बाढ़ डेढ़ दशक बाद देखी गई है। कई स्थानों पर राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर बह रही है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। लाखों हेक्टेयर में खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। कई जगह कटाव के कारण जल भराव देखा गया है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव में लगी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण से बाढ़ का जायजा लिया है। देश की वाणिज्य राजधानी मुंबई में भी मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन बुरी तरह बाधित रहा। जहां एक ओर सड़कें जलमग्न रही, रेल की पटरियों में पानी भर गया तो हवाई यात्रा भी बाधित हुई। वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में बारिश और भूस्खलन से करीब दो सौ से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सबसे चिंताजनक हालात चारधाम मार्ग पर हैं।

युद्ध की धमकी और तैयारी भी एक चाल है

चीन ने लद्दाख में भारी साजो-सामान के साथ अपनी सेना का जमावड़ा करके युद्ध जैसे हालात क्यों बनाए हैं? वह भारत से क्या चाहता है? भारत इस पर क्या प्रतिक्रिया देगा यह इस बात पर निर्भर है कि वह इन हालात को कैसे समझता है?

आश्चर्य नहीं कि इस घटनाक्रम के बाद चीन विशेषज्ञों, भू-सामरिक विशेषज्ञों और सैन्य विशेषज्ञों को काम मिल गया है। इसके अलावा हम रणनीतिक समझ के लिए सुन जू अथवा कौटिल्य की विरासत की शरण लेते ही रहते हैं। इतना ही नहीं हिंदी फिल्मों में आइटम नंबर की तरह यदाकदा क्लॉजविट्ज और मैकियावेली भी चर्चा में आते रहते हैं। कन्फ्यूशियस और बुद्ध की तरह आप इन दोनों के हवाले से कुछ भी कह दीजिए कोई उसकी जांच नहीं करने वाला। दिक्कत यह है कि भारत में लोग अभी भी शतरंज के खेल की मानसिकता में हैं जबकि चीन 'गो' नामक खेल खेलता है। शतरंज में आप विरोधी के राजा को निशाना बनाते हैं जबकि 'गो' गेम में आप दुश्मन को कई तरह से घेर लेते हैं और आखिरकार वह घुटने टेकने पर मजबूर हो जाता है। एक बार फिर यह दिलचस्प सोच है, खासकर ऐसे समय में जबकि व्हाट्सऐप ही तमाम तरह का ज्ञान फैला रहा है और जो लोग आज महामारी विशेषज्ञ और वायरसों के जानकार हैं वे टिड्डियों के हमले से रातोरात कीट विशेषज्ञ, सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद मनोचिकित्सक बन जाते हैं वे आज रणनीतिकार बने हुए हैं। यदि सांस्कृतिक रूप से प्रचलित धारणाओं को अपने दिलोदिमाग पर जगह बनाने देते हैं तो इसमें दो समस्याएं हैं। चीन और भारत आज ऐसी नई जटिलताओं वाली व्यवस्था हैं जिन्हें ऐसे सामान्यीकरण से नहीं समझा जा सकता। वह हमारे मस्तिष्क की सोच को सीमित कर देता है। जब तक हम सांस्कृतिक और जातीय जालों में उलझे रहेंगे हमारे दिमाग पर पड़ी धुंध गहरी होती जाएगी (क्लॉजविट्ज के प्रशंसकों से क्षमा)। परंतु अगर हम मौजूदा हकीकतों के बारे में सोचें तो शायद कुछ जवाब मिल जाएं। चीन लद्दाख में क्या करना चाहता है? करीब 20 वर्ष पीछे जाकर देखिए कि भारत पाकिस्तान से कैसे निपट रहा था। याद कीजिए भारत द्वारा खोजी गई कूटनीतिक अवधारणा को जिसे 'बल प्रयोग की कूटनीति' कहा गया था। मुझे नहीं पता इस

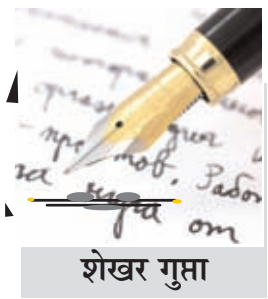

शेखर गुप्ता

सवाल यह है कि 14,000 फुट की ऊंचाई पर ऐसा करके चीन आखिर क्या हासिल करना चाहता है? मान लेते हैं कि चीन बल प्रयोग की कूटनीति का इस्तेमाल कर रहा है और कह रहा है कि अगर आप चाहते हैं कि हम वापस लौटें तो हमारी बात मानिए। सवाल यह है कि भारत के लिए इन हालात में सर्वश्रेष्ठ प्रतिक्रिया भला क्या होगी?

शानदार अवधारणा का अविष्कार किसने किया था, जसवंत सिंह ने या स्वर्गीय ब्रजेश मिश्रा ने। इनमें से एक ने भारतीय संसद पर आतंकी हमले के बाद दिसंबर 2001 में ऑपरेशन पराक्रम की शुरूआत करते हुए ऐसा किया था। इसके तहत भारत ने सीमा पर सेनाओं की तैनाती बढ़ाई, भारी साजो-सामान वहां पहुंचाए और ऐसा माहौल बनाया मानो जंग की तैयारी हो। इन दिनों वास्तविक नियंत्रण रेखा के आरपार ऐसा ही माहौल बना हुआ है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि चीन हम पर हमारा ही दांव आजमा रहा है? सेना और साजो-सामान का जमावड़ा कहीं उसकी ओर से हमारे खिलाफ बल प्रयोग की कूटनीति का उदाहरण तो नहीं है? यदि ऐसा है तो वह बदले में क्या चाहता है? वह लद्दाख में जमीन के कुछ टुकड़ों के लिए तो ऐसा जोखिमभरा कदम नहीं उठा रहा होगा। न ही वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की मान्यता के लिए या फिर अक्साई चीन को औपचारिक रूप से उसे सौंपने या पूर्व में तवांग के आकार की भूमि उसे देने के लिए ऐसा कर रहा होगा। यह कुछ ज्यादा बड़ी महत्त्वाकांक्षा होगी और ऐसा नहीं कभी नहीं होगा। सवाल यह है कि 14,000 फुट की ऊंचाई पर ऐसा करके चीन आखिर क्या हासिल करना चाहता है? मान लेते हैं कि चीन बल प्रयोग की कूटनीति का इस्तेमाल कर रहा है और कह रहा है कि अगर आप चाहते हैं कि हम वापस लौटें तो हमारी बात मानिए। सवाल यह है कि भारत के लिए इन हालात में सर्वश्रेष्ठ प्रतिक्रिया भला क्या होगी?

हालिया दर्ज संदर्भ तथा ऐसी अन्य घटनाएं किसी भी पुराने ज्ञान या मंत्र से अधिक उचित होती हैं। भारत ने अपनी बल प्रयोग की कूटनीति से क्या हासिल किया? उसके लक्ष्य क्या थे? पाकिस्तान ने इस पर किस तरह की प्रतिक्रिया दी? हालांकि मैं यह मानता हूं कि ऐसी तुलना के अपने जोखिम हैं। भारत, पाकिस्तान नहीं है। कभी नहीं हो सकता। हम केवल युद्ध का खेल खेल रहे हैं। भारत पाकिस्तान से केवल यह चाहता था कि वह आतंकवाद का इस्तेमाल बतौर सरकारी नीति करना बंद करे।

वह लक्ष्य संसद पर हमले के एक महीने के भीतर हासिल हो गया जब परवेज मुशर्रफ ने दुनिया भर को संबोधित करते हुए इस विषय में प्रतिबद्धता जताई। बल्कि उन्होंने ऐसे 24 आतंकवादियों की सूची भी स्वीकार की जो पाकिस्तान में थे और भारत में वांछित थे। इनमें दाऊद इब्राहिम का नाम शामिल था। उन्होंने वादा किया कि उन्हें तलाश कर भारत को सौंपा जाएगा क्योंकि पाकिस्तान ने उन्हें शरण नहीं दी है।

भारत कुछ और ठोस चाहता था इसलिए युद्ध जैसा जमावड़ा बना रहा। कई बार चीजें हाथ से निकलती नजर आईं। खासतौर पर तब जबकि आतंकवादियों ने कालूचक कैंट में भारतीय जवानों के परिवारों पर हमला किया। परंतु संयम बरकरार रहा क्योंकि एक तो पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव था, वहीं भारत भी जंग नहीं चाहता था। उस वक्त मैंने इस प्रक्रिया में शामिल सभी प्रमुख लोगों, जसवंत सिंह, ब्रजेश मिश्रा और अटल बिहारी वाजपेयी से पूछा था कि क्या तनाव के नियंत्रण से बाहर हो जाने का जोखिम नहीं था। मिश्रा ने एनडीटीवी के कार्यक्रम वॉक द टॉक में इसका उत्तर देते हुए कहा था कि बलप्रयोग की कूटनीति के कारगर होने के लिए खतरा इतना वास्तविक होना चाहिए कि सभी इस पर यकीन करें। क्या इस बार एलएसी पर भी ऐसा ही नहीं लग रहा? भारत को उस नीति से काफी कुछ हासिल हुआ। उसके बाद कई वर्षों तक शांति कायम रही। यह उसी दिन किया जा सकता था जिस दिन मुशर्रफ ने भाषण दिया। पाकिस्तान ने जल्दी हार स्वीकार करके गलती की थी। अगर भारत ने उसी समय जीत की घोषणा कर दी होती और जमावड़ा हटा लिया होता तो भी उतना ही लाभ होता जो हमें हुआ लेकिन इसकी कीमत बहुत अधिक चुकानी पड़ी। बाद में उपजी अनिश्चितता से भी बचा जा सकता था।

खास बात

असुरक्षित स्त्रियां के सवाल

निधि सिंह

हमारे परिवेश में स्त्री सम्मान को लेकर सब कुछ सहो, कुछ ना कहो की दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियां बन गई हैं। देश में कुत्सित प्रवृत्ति के लोगों के विरुद्ध आवाज उठाना, खुद को बचाने के लिए हिम्मत दिखाना, दुर्व्यवहार का विरोध करना बेटियों और उनके अपनों के लिए अपराध बन गया है। कैसी विडंबना और विरोधाभास है कि कोई बेटी और उसके अपने किसी ज्यादती का विरोध भी ना करें ? अब वे अपनी सुरक्षा को लेकर मुखर भी ना हों? हाल ही में उत्तर प्रदेश के हाथरस में बेटी से छेड़खानी का विरोध करने पर पिता गोली मारकर की हत्या कर दी गई। गौरतलब है कि लड़की के पिता ने आरोपितों के खिलाफ पुलिस में छेड़छाड़ की शिकायत की थी। उन्हें चाकू मार दिया गया। लंबी फेहरिस्त है ऐसी घटनाओं की। साथ ही ऐसे वाकये भी कम नहीं जिनमें सार्वजनिक स्थल पर किसी अनजान व्यक्ति के लिए भी छेड़खानी का विरोध करना भारी पड़ा।

आपराधिक तत्वों को लेकर अगर किसी जागरूक परिवार द्वारा समय पर शिकायत दर्ज करवा दी जाए तो भी असुरक्षा और ऐसे जानलेवा हमले ही परिवारजनों के हिस्से आते हैं। लचर व्यवस्था मनचलों की हिम्मत बढ़ाती है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहती है। इसी वजह से ऐसी घटनायें न केवल कानून व्यवस्था की चिंतनीय स्थितियां सामने रखती हैं, बल्कि छेड़छाड़ के दुर्व्यवहार को छोटी और सहज बात समझे जाने की सोच का भी आइना हैं। तकलीफदेह है कि हमारे यहां ऐसी अधिकतर शिकायतों की अनदेखी ही की जाती है।

शिकायत के बावजूद छेड़खानी की घटनाओं में समय पर कार्रवाई नहीं की जाती। ऐसी लचरता का परिणाम जानलेवा घटना के रूप में सामने आता है, जबकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी महिलाओं से छेड़छाड़ को एक बड़ा अपराध बताते हुए सरकार से इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़ा कानून बनाने की बात कही जा चुकी है।ताकि सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा तय हो ।

कर्म की महानता

धर्म-प्रवाह

जग्गी बासुदेव

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछा, कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे।

किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

प्रकृति से जुड़ने की सीख प्रत्येक चेहरे पर मुस्कुरा उठी है। बुजुर्ग राह दिखा रहे हैं और नन्हें हाथ इस जिम्मेदारी को संभाल रहे हैं।पीढियों के सामंजस्य, सभी के सहयोग और नागरिकों के समर्पण के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है।

-शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री

रोचक ट्वीट

श्री राज राजेश्वरी मां विंध्यवासिनी धाम में आदि महाशक्ति मां भगवती विंध्यवासिनी के दर्शन कर राज्यवासियों के स्वस्थ और सुखमय जीवन की कामना की।

जय मां विंध्यवासिनी!

- हेमंत सोरेन, सीएम

मुझे खुशी है कि स्वनिधि योजना मुंबई और महाराष्ट्र के रेहड़ी-पटरी वाले मेरे भाई-बहनों के जीवन को भी आसान बनाने में बहुत काम आ रही है।

- नरेन्द्र मोदी

ग्राम पंचायतों की ताकत से ही देश मजबूत होगा

भरत कुमार महतो

राजीव गांधी ने सबसे पहले ग्राम पंचायतों की अवधारणा को जमीन पर उतारने का प्रयास किया था। स्वाभाविक रूप से औद्योगिक क्षेत्रों, नजदीकी बाजारों और मंडियों में बंदी हटने से गांवों में भीतरी और बाहरी लोगों का आवागमन बढ़ना था। इसलिए गांवों में कोरोना संबंधी दिशा-निदेशों के पालन की आवश्यकता थी। पर इनका अनुपालन ग्राम पंचायतों के नेतृत्व में ही होना वांछित है। आखिरकार ग्राम पंचायतें ग्राम सरकार हैं। पर ऐसे में जब ग्राम पंचायतों और उनके पदाधिकारियों को कोरोना योद्धा का सम्मान दिया जाना था, गांव पंचायतों में पर्याप्त धन, कार्याधिकार और कर्मचारियों को आपात स्थिति प्रबंधन के लिए तुरंत पहुंचाया जाना था, उसके बजाय लगभग सभी राज्य सरकारों को संक्रमण संबंधी निगरानी के लिए ग्राम पंचायतों पर हावी होकर काम करवाना आसान लगा। जबकि यह तिहत्तरवें संविधान संशोधन और विभागीय विषयों और कामकाजों में पंचायतों को संवैधानिक मान्यता दिए जाने के बाद नैतिक नहीं है।पंचायती राज संस्थाओं की अवहेलना पहले भी होती रही है। जिला योजनाएं, जिन्हें नीचे से आए सुझावों के बाद प्रस्तावित और पारित किया जाना होता है उन पर और तत्संबंधी बजट पर प्रभारी मंत्री और जिलाधिकारी कलम चलाते रहे हैं। राज्य सरकारें समय पर पंचायती राज चुनावों को टालती रही हैं। उसी मनोवृत्ति से आज भी जब पंचायतों के पास पंद्रह दिनों तक प्रवासियों को खिलाने, रखने

सामयिक

के लिए बजट नहीं है और न पंचायतों के पास इतना धन है कि पहले वे खर्चा करें, बाद में वापसी भुगतान के लिए बिल पेश करें, राज्य सरकारें बिना अग्रिम धन दिए उनसे प्रवासियों के एकांतवास, संपर्क सूत्र तलाश, निगरानी और रिपोर्टिंग जैसे काम कराना चाहती हैं। बात सिर्फ धनाभाव की नहीं है। सरकारी कर्मचारी, जिनमें शिक्षक और अन्य पेशेवर भी हैं, पंचायतों के अधीन काम नहीं करना चाहते। वे पंचायतों को हीन भाव से देखते हैं। मुख्य सचिव, सचिव या जिलाधिकारी पंचायत कर्मियों को कोरोना संक्रमण से जुड़े मामलों में काम करने के आदेश दे रहे हैं। वे उनसे एक पुलिसिया खबरी के तौर पर भी काम लेना चाहते हैं, जो लुक-छिप कर आने वालों, अपने संपर्कों और यात्रा के विवरण न देने वालों, एकांतवास से भागने वालों की खबर प्रशासन को देते रहें। हिमाचल के मुख्य मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पंचायत प्रधानों को कहा कि वे गांवों में बाहर से आने वालों की सूचना दें तथा जिन घरों में लोगों को एकांतवास में रखा गया है उन घरों में निशान लगाएं और निगरानी करें, ताकि वे एकांतवास का उल्लंघन न करें। बिहार सरकार का भी आदेश है कि राज्यों और जिलों की सीमाओं को पार कर जो लोग लुक-छिप कर गांवों में पहुंच रहें हैं उनकी सूचना ग्राम पंचायतें उन्हे दें और फिर उन्हें एकांतवास में रखा जाए।

छत्तीसगढ़, झारखंड, ओड़ीशा सब लगभग ऐसा ही निर्देश अपनी पंचायतों को दे रहे हैं। जहां तक संस्थागत या घर में एकांतवास में लौटते प्रवासियों को रखने का सवाल है, सालों से बंद, टूट-फूट या अन्य कारणों से जो घर रहने लायक नहीं हैं या जहां पर्याप्त जगह नहीं है, वहां पंचायतें कैसे एकांतवास नियमों का अनुपालन करवा पाएंगी। कई भ्रांतियों के चलते आम जन अपने नजदीक किसी को घर में एकांतवास में भी रखने का विरोध करते हैं। अब तो घरों में एकांतवास में रहते लोगों का विरोध करने के मामले इसलिए भी बढ़ सकते हैं, क्योंकि नए सरकारी दिशा-निदेशों के अनुसार जिन रोगियों में संक्रमण के लक्षण कम हैं, उन्हें अस्पतालों में भर्ती करने की जरूरत नहीं है।

(सिविल कोर्ट के अधिवक्ता हैं।)

कार्टून वर्ल्ड

लोकतंत्र की ....

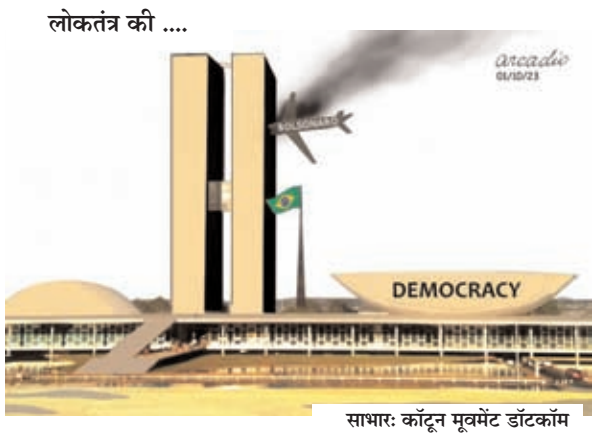

साभार: कॉटून मूवमेंट डॉटकॉम

विकेंद्रित सत्ता

विकेंद्रित रणनीति के जरिए ही कोरोना को हराया जा सकता है। इसके लिए ग्राम पंचायतों में रणनीति बनाने की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। खुद पंचायतों को भी ऐसे नवाचार और पहल करनी चाहिए, जिससे वे राज्य सरकारों की खबरी बने रहने के बजाय अपने से ग्राम सभाओं में नियोजन और कार्यान्वन के लिए इस दीर्घावधि दिख रहे कोरोना काल के लिए अपेक्षित धन, सहूलियतें और कर्मचारियों को जुटा सकें। - सुनील, रांची

भोजन की बर्बादी

पश्चिम एशिया से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया यह नया डिजाइन, खाने की बर्बादी 30 प्रतिशत तक कम करता है। साथ ही उन्होंने बताया कि सऊदी अरब के कई रेस्तराओं द्वारा इस थाली को प्रयोग में लाने के बाद से 3,000 टन चावल की बचत हुई है। भारत सहित सभी एशिआई देशों में इस प्रकार के अनाज की बर्बादी से तीस प्रतिशत भूखों का पेट भर सकता है। इस मुददें पर गंभीर बहस की आवश्यकता है। - रविकांत, खूंटी

1962 की याद और वर्तमान सीमा विवाद

मनोज शर्मा

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनाव को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर हैं। चीन को लेकर लगातार दिए जा रहे राहुल के बयानों पर शरद पवार ने कहा, 'हम नहीं भूल सकते कि 1962 में क्या हुआ था। चीन ने हमारी 45 हजार स्क्वेयर किमी जमीन पर कब्जा कर लिया था। राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर राजनीति नहीं करनी चाहिए।'पवार बोले, 1962 में चीन ने 45 हजार वर्ग किमी जमीन पर कब्जा किया था

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनाव को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। लद्दाख में चीनी सैनिकों की घुसपैठ को लेकर राहुल ने शुक्रवार को भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बारे में सच बोलें और अपनी जमीन वापस लेने के लिए कार्रवाई करें तो पूरा देश उनके साथ खड़ा होगा। हालांकि अब इस पर उन्हीं के सहयोगी दल एनसीपी के प्रमुख शरद पवार ने उनको आईना दिखाया है।

पीवी नरसिम्हा राव सरकार के दौरान रक्षा मंत्री रहे शरद पवार ने कहा, 'मुझे अभी युद्ध की कोई आशंका नहीं दिखती है। हालांकि चीन ने जाहिर तौर पर हिमाकत तो की है। गलवान में भारतीय सेना ने जो भी निर्माण कार्य किया है वह अपनी सीमा में किया है।'

15 जून को गलवान घाटी में हुए खूनी संघर्ष के बाद भारत लद्दाख में अपनी सैन्य ताकत लगातार बढ़ा रहा है। गुरुवार को भी लद्दाख के आसमान में भारतीय वायु सेना के फाइटर जेट उड़ान भरते दिखे। लेह स्थित मिलिट्री बेस से बीते तीन दिनों में कई भारतीय जेट ने उड़ान भरी और 240 किलोमीटर दूर स्थित सीमा रेखा तक

इतिहास

दौरा किया है। एलएसी के विवादित इलाकों में हड्डियां गलाने वाली ठंड है। ऐसे में वहां चीनी सेना को जवाब देने के लिए ऐसी टीमों की तैनाती की गई है जिन्हें उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में लड़ने की ट्रेनिंग मिली हुई है। सेना और आईटीबीपी की इन घातक टीमों को फॉरवर्ड लोकेशंस पर भेजा जा चुका है। लेह में रहने वाले भारतीय सेना के रिटायर्ड कैप्टन ताशी छेपाल ने कहा कि मैंने अपने जीवनकाल में लेह में ऐसी सैन्य मौजूदगी पहले कभी नहीं देखी है। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एएफपी से बताया कि इलाके में अब हमारी सैन्य मौजूदगी पर्याप्त मात्रा में है।

हाल ही में वायुसेना में शामिल हुए अत्याधुनिक चिनूक और अपाचे हेलिकॉप्टर भी लद्दाख के आसमान में दिखाई दिए। बुधवार को लद्दाख एयरबेस से चिनूक हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी थी।

बर्फीले रेगिस्तान कहे जाने वाले लद्दाख में कदमताल करते सेना के जवान। चीन से तनाव के बीच लेह जाने वाले कई रास्तों पर मिलिट्री चेकपोस्ट बनाए गए हैं। शहर में आर्मी की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं। लेह के निवासियों ने शहर की सड़कों पर भारी मात्रा में आर्मी के ट्रकों और आर्टिलरी की मौजूदगी की पुष्टि की है।

1999 में जब भारत का ध्यान करगिल में पाकिस्तान की घुसपैठ पर था, तब चीन ने अपने बेस से लेकर फिंगर 4 तक एक कच्ची सड़क बना ली थी। बाद में इसे पक्का कर दिया गया।

एक मिलिट्री ऑफिसर के अनुसार, चीन के सैनिक अक्सर फिंगर 8 और सिरजप की पोस्ट से अपनी पोस्ट से गाड़ियों में बैठकर इस इलाके में पैट्रोल करते थे। लेकिन फिंगर 2 तक दावा करने के बाजवूद उन्होंने इसपर कभी कब्जा नहीं किया था लेकिन अब उन्होंने फिंगर 4-8 के बीच डिफेंस स्ट्रक्चर तैयार कर लिए हैं।

ऊंचाइयों पर मौजूद हैं।'

गलवान में हिंसक झड़प और 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद आर्मी चीफ जनरल नरवणे पहली बार लद्दाख पहुंचे। पिछले हफ्ते ही वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने भी लद्दाख और श्रीनगर वायु सैनिक अड्डों का दौरा किया था और क्षेत्र में किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना की तैयारियों का जायजा लिया था।

इससे पहले मोदी सरकार पर हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ह्यएक जरूरी सवाल उठता है। कुछ दिन पहले हमारे प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान की एक इंच जमीन किसी ने नहीं ली, कोई हिंदुस्तान के भीतर नहीं आया। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चल रहा है, लद्दाख के लोग कह रहे हैं।

भाजपा की अभिनंदन सह संकल्प सभा संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। पटेल चौक कांकेबार स्थित पटेल छात्रावास के सभागार में सोमवार को भाजपा की विधानसभा स्तरीय अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा आयोजित हुई। जिसकी शुरूआत सभी मंचस्थ अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीरों पर माल्यार्पण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई।

सभा के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह उच्च सदन के सचेतक दीपक प्रकाश एवं विशिष्ट अतिथि हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने विषय प्रवेश करवाते हुए कहा की गत लोकसभा चुनाव में सभी बूथ कमीटियों ने बढ़ चढ़कर अपना कार्य किया। उन्ही में से अपना उत्तम प्रदर्शन करने वाले बूथ अध्यक्षों को सम्मानित किया जाना एक अच्छा कदम है ।इससे अन्य बूथों के कार्यकताओं का हौसला बढ़ेगा और आने वाले विधानसभा में उनका प्रदर्शन अच्छा रहेगा । जिसकी बदौलत वर्तमान राज्य सरकार को उखाड़ फेंकेने में मदद मिलेगा। उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों का जिक्र करते हुए कहा की जब राज्य का मुखिया हीं इनको यहां अपने वोटर के रूप में बसा रहा है तो घुसपैठ बढ़ना लाजमी है। उन्होंने कहा की हेमंत सरकार ने प्रति वर्ष पांच लाख नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देने का झांसा दिया और सत्ता में आते हीं बाहरी भीतरी और मूलवासी में उलझाकर सभी को ठगने का काम किया। उन्होंने धोती, लूंगी, साड़ी घोटाले का जिक्र करते हुए कहा की उन्होंने आदिवासियों के नाम पर जारी योजनाओं में घुसपैठियों के बीच लूंगी बांट कर बाकी के गरीब माता बहनों के हक खाकर एक और घोटाला को अंजाम दिया।

सांसद मनीष जयसवाल ने पूरे विधानसभा में भाजपा के पक्ष में सबसे ज्यादा मतदान करने वाले कैंट मंडल सहित अन्य मंडल के मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा की गत लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ लोगों ने पार्टी छोड़ कर विपक्ष की भूमिका निभाई थी । लेकिन उन्हें उनके हीं बूथ पर हराकर हमारे बूथ अध्यक्षों ने ये साबित कर दिया की संगठन में हीं शक्ति है और ऐसा आप जैसे समर्पित कार्यकताओं की बदौलत संभव हो पाया। उन्होंने लोकसभा चुनाव में 99 पर आकर अटके कांग्रेसी युवराज पर कटाक्ष करते हुए उनको ये बोध करवाया की आपको 543 सीटों के बेंच मार्क में मात्र 99 सीट प्राप्त हुए और इसको सफलता नहीं बल्कि असफलता कहेंगे। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के क्रम में जिला प्रभारी शशिभूषण भगत,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह रामगढ़ विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, डॉ.संजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी आदि वरिष्ठ मंचस्थ नेताओं ने संबोधित किया। मंचस्थ सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

चरही में पीडब्ल्यूडी की भूमि पर अवैध कब्जा

खबर मन्त्र संवाददाता

चरही। चरही से घाटो की ओर जाने वाली चरही के बहेरा पुल के समीप पीडब्ल्यूडी की सड़क किनारे अवस्थित भूमि को कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर मकान बना लिए हैं। और कई मकान के निर्माण कार्य चल रहे हैं। इसके पूर्व भूमि पर चारकोल और मिट्टी गिराकर समतलीकरण किया गया। उसके बाद जमीन पर मकान और चाहरदीवारी के निर्माण कार्य किये जा रहें हैं। इस संबंध में चुरचू के अंचलाधिकारी राजमोहन तुरी से पूछे जाने पर उन्होंने ने बताया कि स्थल पर जाकर जांच-पड़ताल किया जाएगा। और जांच के क्रम में मामले को सही पाया गया तो सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

शपथ पत्र

नोटरी पब्लिक लोहरदगा के शपथ पत्र संख्या 23289 दिनांक 07 मई 2024 के तहत कहना है कि मैं मुनी देवी पति स्व गंदुर उराँव, ग्राम अरू पो अरु थाना सेन्हा जिला लोहरदगा, झारखण्ड का मूल निवासी हुं। कहना है कि उपर लिखा गया नाम वो पता मेरा है जो सही है। मेरा आधार कार्ड संख्या 3399 9819 3235 में मेरा नाम MANI ORAON दर्ज है जो गलत है। मेरे पति स्व० गंदूर उराँव हिण्डालको कम्पनी के सेरेंगदाग माइंस में पोकलेन ऑपरेटर का काम करते थे जिनका सर्विस बुक में मेरा नाम MUNI DEVI दर्ज है जो सही है। मेरा उपरोक्त आधार कार्ड में सुधार करते हुए मेरा नाम MANI ORAON के स्थान पर MUNI DEVI दर्ज कराने हेतु यह शपथ पत्र सम्पादित कर रही हैं। कहना हैं कि उपरोक्त बातें सत्य एवं सही है।

झारखण्ड राज्य सहकारी मत्स्य संघ लि0
(झास्कोफिश), डोरण्डा, राँची-834002
(कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार का उपक्रम)

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं0–JHASCOFISH/RANCHI/01/2024-25 दिनांक–

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता — प्रबंध निदेशक का कार्यालय झास्कोफिश, डोरण्डा, राँची
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय — दिनांक–23.07.2024 (पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक)
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय — 27.07.2024 को अपराह्न 3:00 बजे
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय — 27.07.2024 को अपराह्न 3:30 बजे
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान — प्रबंध निदेशक का कार्यालय झास्कोफिश, डोरण्डा, राँची
6. निविदा प्राप्ति का स्थान — प्रबंध निदेशक का कार्यालय झास्कोफिश, डोरण्डा, राँची
7. कार्यों की विवरणी :–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र की राशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	जिला–हजारीबाग, प्र0–बरही,ग्रा0+पो0–गौरियाकरमा में अस्थायी कार्यालय शेड–सह–मछली बिक्री केन्द्र का अधिष्ठापन कार्य (गौरियाकरमा मत्स्यजीवी सहयोग समिति लि0, बरही)	450000.00	9000.00	750.00	45 दिन
2	जिला–लातेहार, प्र0–चन्दवा, ग्रा0–चन्दवा पूर्वी जगराहा डैम, पो0–चन्दवा में अस्थायी कार्यालय शेड–सह–मछली बिक्री केन्द्र का अधिष्ठापन कार्य (तिलैयाटांड जगराहा डैम मत्स्यजीवी सहयोग समिति लि0, चन्दवा)	450000.00	9000.00	750.00	45 दिन
3	जिला–हजारीबाग, प्र0–बरही, ग्रा0–बरही मल्लाह टोली, पो0–बरही में अस्थायी कार्यालय शेड–सह–मछली बिक्री केन्द्र का अधिष्ठापन कार्य (गंगा जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति लि0, बरही)	450000.00	9000.00	750.00	45 दिन
4	जिला– हजारीबाग, प्र0–बरही, ग्रा0–माधोपुर, पो0–बरही में अस्थायी कार्यालय शेड–सह–मछली बिक्री केन्द्र का अधिष्ठापन कार्य (कृष्णा मत्स्यजीवी सहयोग समिति लि0, बरही)	450000.00	9000.00	750.00	45 दिन
5	जिला– रामगढ़, प्र0–गोला, ग्रा0 –रूण्डई सोटर्ड, पो0–बरियातू में अस्थायी कार्यालय शेड–सह–मछली बिक्री केन्द्र का अधिष्ठापन कार्य (भैरवा जलाशय विस्थापित मत्स्यजीवी सहयोग समिति लि0, रूण्डई सोटर्ड)	450000.00	9000.00	750.00	45 दिन

विस्तृत जानकारी/निविदा शर्तो के लिए झास्कोफिश कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR 329680 Jharkhand State Co-Operative Fisheries Federation Ltd(24-25)#D

प्रबंध निदेशक
झास्कोफिश, राँची

कार्यालय : जिला शिक्षा अधीक्षक, रामगढ़
"बी" ब्लॉक द्वितीय तल, छतरमाण्डू, रामगढ़–829122
E-Mail ID – dseramgarh.mdm@gmail.com

आवश्यक–सूचना (संशोधित)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड, रांची द्वारा एल.पी.ए. संख्या 203/2022 एवं अन्य संबद्ध तथा सदृश वादों में पारित न्यायादेश के अनुपालन के क्रम में विभागीय संकल्प संख्या 283 दिनांक 28.02.2024 के द्वारा काउंसिलिंग हेतु सिद्धान्तों का निरूपण एवं कंडिका–13 में शर्तो का निर्धारण किया गया है, तथा संकल्प की कंडिका–14 के आलोक में निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 771 दिनांक 13.06.2024 एवं 786 दिनांक 19.06.2024 के निदेशानुसार, काउंसिलिंग हेतु दावा आवेदन जमा करने की तिथि, स्क्रूटनी की तिथि एवं काउंसिलिंग की तिथि निम्नवत् रूप से निर्धारित की जाती है :–

इण्टर स्तरीय कोटिवार (पारा एवं गैर पारा) तथा स्नातक स्तरीय कोटिवार एवं विशयवार (पारा एवं गैर पारा) पदों पर नियुक्ति हेतु जिले द्वारा पूर्व में प्रकाशित विज्ञापन संख्या क्रमशः–04/2015 एवं 03/2015 (जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यालय, रामगढ़) के क्रम में पूर्व की अन्तिम काउंसिलिंग के पश्चात अवशेश रिक्त पदों पर नियुक्ति निमित्त अन्तिम **काउंसिलिंग हेतु आवश्यक सूचना के प्रकाशन की तिथि– 20.06.2024**

आवेदक द्वारा उपर्युक्त विज्ञापन के आलोक में पूर्व में समर्पित आवेदन के क्रम में (पारा/गैर पारा) कोटि जिसके लिए भी उनके द्वारा आवेदन किया गया हो, यदि दोनों कोटि में अलग–अलग आवेदन किया गया हो, तो अलग–अलग साक्ष्य स्पीड पोस्ट/निबंधित डाक की छायाप्रति सहित) **दावा आवेदन करने की तिथि–22.06.2024 से दिनांक 22.07.2024 तक।** दिनांक 22.07.2024 के पश्चात् दावा आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। **PR 327024 (District) 2024-25 (D) Dated-22.06.2024** को निम्न रूप में संशोधित किया जाता है।

निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 363/विधि. दिनांक 11.07.2024 में निदेशालीय पत्रांक 786 दिनांक 19.06.2024 की कण्डिका 02 में अंकित शर्तो को संशोधित करते हुए आवेदक द्वारा दावा आवेदन समर्पित करने के क्रम में साक्ष्य के रूप में स्पीड पोस्ट/निबंधित डाक की छायाप्रति अनुपलब्धता की स्थिति में आवेदक अपने दावा आवेदन के साथ पूर्व में आवेदन किये जाने संबंधी आशय का शपथ–पत्र संलग्न करेंगे। शपथ–पत्र में आवेदक अपना नाम, पिता का नाम, स्थायी पता एवं कोटि आदि का उल्लेख करेंगे। पत्रांक 760 दिनांक 19.06.2024 द्वारा प्रकाशित आवश्यक सूचना को इस हद तक संशोधित किया जाता है। शेष सभी शर्ते यथावत् रहेंगी।

ह०/–
जिला शिक्षा अधीक्षक, रामगढ़

PR 329629 District(24-25)#D

एक नजर में

मुहर्रम को लेकर बरकाकाना ओपी में शांति समिति की बैठक

रामगढ़। आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर सोमवार को बरकाकाना ओपी में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता ओपी प्रभारी अख्तर अली ने की। मौके पर उन्होंने शांति समिति की बैठक में शामिल सदस्यों से कहा की आगामी मुहर्रम पर्व को ओपी क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करवाने में मदद करें। कहा कि पर्व के दौरान यदि किसी के द्वारा सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जाएगा तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा चुनाव की तैयारियो का लिया जाएगा जायजा : मनोज यादव

बरही। आरएनवाईएम कॉलेज बरही में भाजपा द्वारा आयोजित विजय संकल्प रैली सह अभिनदंन समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई है। सभा को सफल बनाने के लिए बरही, चौपारण, चंदवारा व पदमा मंडल अध्यक्ष कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे है। सोमवार की शाम तैयारियो का जायजा लेने कार्यक्रम स्थल बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव पहुंचे। श्री यादव ने कहा कि नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल का अभिनदंन के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने बताया कि प्रत्येक बुथ से पांच कार्यकताओं को सभा मे लाना है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। मौके पर मंडल अध्यक्ष अमित साहू, भाजपा नेता परमेश्वर यादव, अशोक यादव, युगल यादव, बालेश्वर यादव, नागेश्वर यादव, सचिन यादव, ब्रहमदेव यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

माता दुर्गा के आशीर्वाद से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं : मनोज महतो

कुजू। बीआरएल डेम कॉलोनी में चल रहे पांच दिवसीय श्री श्री शतचंडी महायज्ञ के चौथे दिन सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता दुर्गा की प्रतिमा का विधिवत रूप से प्राण प्रतिष्ठा किया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सह रामगढ नगर परिषद के निवर्तमान उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो शामिल हुए। आचार्य बालमुकूद पांडेय, पिंटू पांडेय द्वारा विधिवत रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता दुर्गा की प्रतिमा की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं के उदघोष से मंदिर परिसर गुंजायमान होता रहा। वहीं माता की प्रतिमा की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर के माता वैष्णो देवी मंदिर से ज्योत लाया गया। जिसके उपरांत माता की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न हुआ। मौके पर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो ने कहा कि माता दुर्गा की महिमा ऐसी है की जिस व्यक्ति को उनका आशीर्वाद मिल जाता है उसके जीवन के सभी संकट दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए मैं आयोजन समिति को धन्यवाद देता हूं। साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों में भी अपना सहयोग करने का भरोसा दिलाया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि के आगमन पर उत्साह के साथ उनका स्वागत किया गया। मौके पर संध्या शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

एजेकेएसएस ने की भुरकुंडा अस्पताल में प्रभारी व सह प्रभारी की नियुक्ति

भुरकुंडा (रामगढ़)। अखिल झारखण्ड कोयला श्रमिक संघ के क्षेत्रिय सचिव संजय मिश्रा ने सोमवार को आर्दश क्षेत्रिय अस्पताल युनिट के लिए युनियन के रामश्रृष्ठ (मैकनिकल फीटर) को प्रभारी एवं रेखा कुमारी (नर्स) को सह प्रभारी मनोनित किया है। इस बावत यूनियन के उपाध्यक्ष मुन्ना श्रीवास्तव, क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा व एरिया सेफ्टी बोर्ड सदस्य अजीत सिन्हा ने संयुक्त रूप से रामश्रृष्ठ व रेखा कुमारी को मनोनित पत्र सौंपते हुए बधाई दी। साथ ही मनोनयन की जानकारी पत्र के माध्यम से भुरकुण्डा पीओ मनोज कुमार पाठक को दिया गया।

कीचड़ से सने रास्ते पर चलना हुआ मुश्किल

ग्रामीणों ने कहा सड़क नहीं तो वोट नहीं

खबर मन्त्र संवाददाता

टाटीझरिया। बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के दारू और टाटीझरिया प्रखंड सीमावर्ती झरपो जरगा का मुख्य सड़क है। जहां की स्थिति बहुत ही खराब है जरगा के बिनोद राणा निर्मल यादव मुकेश यादव रंजित प्रसाद संतोष प्रसाद हनीफ मियां और झरपो महुआ धाम टोला से सीताराम प्रसाद अशोक महतो मुकेश कुमार उर्फ सर, मुकेश प्रसाद सुनील कुमार ने बताया कि अब तक बरकट्ठा विधानसभा में कई विधायक प्रत्यासी और कोडरमा लोक सभा क्षेत्र में कई सांसद प्रत्यासी चुनाव के समय सड़क बिजली शिक्षा रोजगार समाज क्षेत्र हित बड़े बड़े भाषण बाजी कर सिर्फ आश्वासन देते हैं। लेकिन वही विडंबना है की जब वे क्षेत्र से चुनाव जीत जाते हैं तो क्षेत्र की समस्याओं से रूबरु होकर भी अनजान हो जाते है और पुनः क्षेत्र में झांकने तक नही आते हैं। इस बार मौजूद ग्रामीणों ने कहा की विधानसभा चुनाव को बहिष्कार करेंगे रोड़ नही तो भोट नही की बाते कहते हुए उन्होंने यह भी कहा की जर्जर सड़क की दूरी मात्र 800 मीटर ही है मरम्मती कार्य के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति किया जाता है। वही इसी रास्ते से हमलोग रामनवमी का झांकी, बाजार, स्कूल, कॉलेज, ट्यूशन आवागमन के लिए सैकड़ों ग्रामीणों राहगीरों को पैदल साइकिल, दो पहिया, चार पहिया वाहनों से गुजरते है। वर्षा के दिनों में जो रास्ते में बनी छोटी सी पुलिया है वह भी क्षतिग्रस्त है उससे लगभग दो से तीन फिट की दूरी तक पानी ऊपर आ जाता है। सड़क के बीचो बीच और दोनो छोर में भी लगभग 4 फिट की गढ्ढा हो गया जिसके कारण कई मोटर साइकिल सवार भी उसी गढ्ढे में गिर चुके है। जिससे काफी मुश्किलों का सामना क्षेत्रवासियो को करना पड़ रहा है। अब तक कई लोगो का जानलेवा दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। मौके पर ग्रामीणों में मुकेश यादव, रवि राणा, मिथुन यादव, जितेंद्र प्रजापति, अरुण कुमार, राजा पासवान, विशाल यादव, राजकुमार प्रसाद, अनिल राणा, सूरज कुमार, सनोज यादव, रकीम अंसारी, छात्राओ में मनीषा कुमारी, सुजाता कुमारी, काजल कुमारी समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

झुमरा बाजार में गंदगी का अंबार, स्वास्थ्य खतरे का संकेत

दारू। झुमरा बाजार में व्यापक गंदगी और कचरे की समस्या से एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न होने की संभावना बन गई है। हालात इतनी खराब हो चुकी हैं कि बाजार आयोजक पर भी सवाल उठ रहे हैं। बाजार में जमा हुआ कूड़ा–कचरा न केवल मच्छरों के आवास का स्थान बन चुका है, बल्कि नए नए बैक्टीरिया उत्पन्न होने की संभावना भी बनी हुई है। स्थानीय लोगों की सेहत खतरे में है, स्थानीय प्रशासन को तत्काल कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। गंदगी से भरे बाजार में स्वच्छता अभियान को शुरू करने और स्थानीय लोगों को जागरूक करने की भी जरूरत है। प्रत्येक सप्ताह गुरुवार के दिन झुमरा में बाजार लगता है जिसमें भारी संख्या में स्थानीय एवं कई जिलों के किसान क्रेता, विक्रेता खरीद बिक्री करते हैं इसे लेकर बाजार प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए लोगों ने कहा की बाजार में एक शौचालय है जो वर्षों से बंद पड़ा है। हमलोगों को शौचालय के लिए दूर जाना पड़ता है वहीं बाजार में काफी भीड़ होने के कारण महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस संदर्भ में रामदेव खरिका पंचायत के मुखिया पुत्र प्रभात सिंह ने कहा कि कई बार मैने अपने निजी खर्चे से बंद पड़े शौचालय को चालु कराया और बाजार में फैले कचरे को भी साफ कराया परंतु फिर से वही स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

पुलिस टीम ने तीन अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। 14 जुलाई को पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को गुप्त सूचना मिली कि रामगढ़ बस स्टैण्ड के आस-पास दो संदिग्ध युवक मोटर साईकिल पर किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की नियत से घूम रहे है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रामगढ़ बस स्टैंड के पास छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी अभियान के दौरान रामगढ़ बस स्टैण्ड के पास से दो संदिग्ध शमशेर आलम एवं नौशाद अंसारी को पकड़ा गया। पकड़ गए अभियुक्तों के पास से बरामद मोटर साईकिल के संबंध में पुछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि मोटर साईकिल यामहा एफजेडएस न. जेएच 24 एस-3158 बोकारो जिला से चोरी की गयी है । जिसपर लगा नम्बर प्लेट फर्जी है एवं अभियुक्तों के पास से नगद 19780 रुपया, दो मोबाईल फोन, 04 सीम, मास्क, मुंह इकने वाला काला कपड़ा आदि यरामद हुआ। चोरी के मोटर साईकिल के संबंध में आगे पुछताछ करने पर गिरोह के अन्य सदस्य अब्दुल रहमान के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देने की बात बतायी गयी। पकड़ाये दोनो अभियुक्तों के बताये अनुसार अब्दुल रहमान को ललपनिया थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में रामगढ़ थाना कांड सं० 198/2024 दिनांक 14.07.2024 धारा-317(5)/318(4) बीएनएस दर्ज किया गया है। उक्त तीनो अपराधकर्मियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त तीनो अपराधकर्मी गिद्दी थाना (हजारीबाग) क्षेत्र से बंधन बैंक के कर्मी से कारीब एक लाख रूपया लूट की घटना में भी शामिल थे, तथा पूर्व में दर्जनों अपराधिक मामलों में संलिप्त रहे है और जेल भी जा चुके है।

संयुक्त श्रमिक संगठन का धरना-प्रदर्शन 30 को

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। विभिन्न मांगों को ले संयुक्त श्रमिक संगठन द्वारा आगामी 30 जुलाई को बरका-सयाल महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसको ले संयुक्त श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों ने सोमवार को बरका-सयाल प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है। इससे पूर्व जीएम कार्यालय के समक्ष संयुक्त श्रमिक संगठन के लोगों ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी भी की। संयुक्त श्रम संगठन की मांगों में बरका-सयाल क्षेत्र में मजदूरों को दिये गये एरियर में हुए त्रुटियों की जांच कर अविलंब भुगतान करने, बरका-सयाल क्षेत्र में महाप्रबंधक कार्यालय एवं परियोजना कार्यालय में सभी समितियों की नियमित रूप से बैठक करने ताकि मजदूरों का काम सुचारू रूप से हो सके, ठेका मजदूरों को बायोमेट्रिक से हाजिरी बनाने एवं सभी तरह का सामाजिक सुरक्षा देने, अभिलंब परिचय पत्र निर्गत करने, मजदूरों को बरका-सयाल कार्यालय में ही हेल्थ स्मार्ट कार्ड बनाने तथा सीसीएल गांधीनगर हॉस्पिटल का भविष्य सुधारने, बरका-सयाल क्षेत्र में सिविल वर्क एवं डे टुडे काम की जांच करने एवं सिविल विभाग को दुरुस्त करने, सेवानिवृत कर्मचारियों का सेवानिवृत्ति के एक महीने के अंदर सभी तरह का भुगतान करने, मजदूरों का स्पेशल इंक्रीमेंट समय पर देने, मजदूरों की सेवा पुस्तिका एवं फॉर्म पीएस 3-4 का सुधार करने, बरका-सयाल क्षेत्र के उरीमारी बिरसा प्रोजेक्ट के विस्थापितों को नौकरी एवं मुआवजा देने, गैरमजरूआ जमीन को चिन्हित कर अविलंब रैयतो को नौकरी मुआवजा तथा पहचान पत्र देने तथा प्रबंधन के द्वारा पोटंगा पारगढ़ा आरआर साइड में विस्थापितों को शुद्ध पेयजल, बिजली, रोड एवं सभी तरह की सुविधा उपलब्ध कराने, बरका-सयाल अंतर्गत सभी आउटसोर्सिंग कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानियो को नौकरी देने, बरका-सयाल क्षेत्र में सीएसआर स्कीम के तहत गांव में विकास का काम करने आदि शामिल है। मांग-पत्र सौंपने वालों में विंध्याचल बेदिया, वासुदेव साव, विनोद कुमार, अशोक गुप्ता, रमाकांत दुबे, संजय मिश्रा, संजय कुमार शर्मा, संजय कुमार वर्मा, संजय यादव, इंद्रदेव राम, देवेंद्र सिंह, मोती सिंह, गुरजीत सिंह, आजाद भुंइया, जगन्नाथ पासवान, डॉक्टर जीआर भगत, सोनाराम मांझी, बृजनंदन पासवान, मुन्ना श्रीवास्तव, उदय मालाकार, विनोद मिश्रा, संतोष ठाकुर, शंकर सिंह, शहनवाज हुसैन, राजेश सिंह, जग्गू घांसी आदि शामिल थें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं०-02, गढ़वा

13 वें वित्त आयोग योजना मद

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–RDD/SD/GARHWA/02/2024-25_RE(2nd Call)

1. विज्ञापनदाता का नाम: कार्यपालक अभियंता,ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं0–02, गढ़वा।
2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –19.07.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक–19.07.2024 से दिनांक–25.07.2024 को 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सं0–02,गढ़वा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय–27.07.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं0–02,गढ़वा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० –8002373581 (संबधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

क्र0	अंचल का नाम	परियोजना का नाम	आँगनबाड़ी केन्द्र का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र राशि	अग्रधन की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	समूह संख्या
01	मेराल	मेराल	पेशका फूलभुइया टोला, बोकया,चेचरिया, औरईया उ0, छपरवार कला, तरके कुल 06 ई0	66,49,200.00	10000.00	1,33,000.00	06 माह	Group-01
02	मझिआंव	मझिआंव	बकोईया, अखौरतहले,टडहे,	66,49,200.00	10000.00	1,33,000.00	06 माह	Group-02
	बरडीहा	मझिआंव	टडहे अम्बेडकर टोला, करमडीह, करमडीह ठाकुर टोला कुल 06 ई0					
03	गढ़वा	गढ़वा	नावाडीह ह0टोला, नावाडीह पिछड़ी टोला,	66,49,200.00	10000.00	1,33,000.00	06 माह	Group-03
	रंका	रंका	सोनपुरवा, भौरी,पण्डरा पानी , तमगे कला कुल 06 ई0					
04	केतार	भवनाथपुर	चंदनी, अरंगी, कुल 02 ई0	2216400.00	5000.00	44,500.00	03 माह	Group-04
05	भण्डरिया	भण्डरिया	बधवार, लेवकी, कुल 02 ई0	2216400.00	5000.00	44,500.00	03 माह	Group-05
06	सगमा	धुरकी	कटहर कला, पुतुर, कुल 02 ई0	2216400.00	5000.00	44,500.00	03 माह	Group-06

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02,गढ़वा

PR 329647 Rural Development(24-25).D

प्रकाशन से अब तक युवाओं के हित और सबके अधिकार को लेकर सचेत करता खबर मन्त्र

आइबीपीएस (बैंकिंग एक्जाम) में प्रतिभागियों को स्नातक में न्यूनतम 60 प्रतिशत के खबर की चर्चा

एनके मुरलीधर

खबर मन्त्र के प्रकाशन का पहला दिन और वॉर रुम में अफरा तफरी का माहौल। पहला दिन वैसे भी चुनौतीपूर्ण होता है। दिन के लगभग ढाई बजे बेड़ों के युवा राधव महतो का जो ऑनलाइन काउंसलिंग में भाग लेता था उसका फोन आता है। मुरली सर नागेन्द्र जी आपने आइबीपीएस का नया नियम जाना। मैंने कहा नहीं। सर अनर्थ हो जाएगा। अब झारखंड के लड़कों का बैंक में नौकरी न के बराबर लगेगा। इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन माने आइबीपीएस ने बैंकिंग जॉब के लिये स्नातक स्तर पर प्रथम श्रेणी अनिवार्य कर दिया है। सर हम सब प्रेस मीडिया को फोन कर रहें हैं लेकिन कोई समझ नहीं रहा है। झारखंड में जैक बोर्ड में वैसे भी लड़का लोगोंको कम नबंर आता है। यूनिवर्सिटी का हालत आप जानते ही है।

मुझे लगा कि यह विशेषकर झारखंड सहित हिंदी पट्टी के युवाओं के साथ अन्याय है और क्यों ने इस खबर को प्रमुखता से लिखा जाए। सबसे पहले मैंने आइबीपीएस के बेवसाइट को चेक किया। पाया कि ऐसी एक सूचना उसने प्रकाशित किया है कि छात्रों की संख्या को नियंत्रित करने के उदेश्य से मेरिट को आगे लाने के उदेश्य से बैंकिंग की परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक सहित उतीर्ण करना आवश्यक कर दिया गया है। तुरंत मैंने इस खबर की पुष्टि के लिए श्री सक्सेस मंत्रा के संस्थान के निदेशक प्रमोद कुमार जी से संपर्क किया। मैंने उन्हें बताया कि आपके संस्थान के बच्चों को तैयारी के क्रम में यह बात सुनिश्चित कर लें कि जिन युवाओं को 60 प्रतिशत अंक हो वही बैंकिग की तैयारी करें शेष बैंक में जाने की कल्पना न करें। क्योंकि इस प्रकार कर नियम लागू कर दिया गया है। इसके बाद मैंने राजधानी रांची के करतार कोचिंग सेंटर के तत्कालिन सेंटर हेड नागेन्द्र सिंह जो वर्तमान में महेन्द्रा के हजारीबाग सेंटर के सेंटर हेड हैं उनसे भी यह जानकारी शेयर की तब उन्होंने कहा कि यह निर्णय छात्रों के प्रतिभा के साथ खिलवाड़ है। विशेषकर झारखंड बिहार सहित उत्तर भारत में स्नातक कक्षाओं में प्रथम श्रेणी लाना आसान नहीं होता है। यह बड़ी गंभीर और निंदनीय निर्णय है इसका जमकर विरोध होगा।

इसके बाद मैंने झारखंड के युवाओं की समस्या उनके आक्रोश और केन्द्र सरकार के इस निर्णय से युवाओं को होने वाले नुकसान को चिन्हित करते हुए एक समाचारतैयार कर दिया। मैंने उस खबर में यह साफ कर दिया कि केन्द्र सरकार का यह आत्मघाती कदम है। यह खबर मुझें मेरे आनलाइन काउंसलिंग से जुड़ें छात्र के माध्यम से मिली थी। उसके बाद मैं दूसरे खबर में लग गया जो एनआइओएस से जुड़ी थी।

खबर मन्त्र
फोन-इन करियर काउंसिलिंग
सफलता के लिए निगेटिव अंक के प्रावधान को गंभीरता से लें

काम समाप्त करने के बाद फिरायालाल चौक जाकर हॉकरों को अखबार पहुंचाने का कार्यक्रम था उसमें शामिल हुआ और सुबह चार बजे घरलौटा। लगभग नौ बजे मेरे फोन पर कॉल आना आंरभ हो गया। सर आइबीपीएस के इस निर्णय के खिलाफ हम घरना देंगे, कोई कहता जुलूस निकालेंगे तो कोई आइबीपीएस के पुतला दहन काकार्यक्रम की सूचना देने लगा। चूंकि अखबार के प्रकाशन के आंरभ में दो बजे कार्यालय जानाथा लेकिन 12 बजे द मेंटर के निदेशक आलोक कुमार ने फोन कर कहा कि सर पूरे सरकुलर रोड में छात्रों ने आइबीपीस का पुतला जलाने का कार्यक्रम आंरभ कर दिया है और खबर मन्त्र पूरे जोर-शोरसे लहराया जा रहा है। कृप्या फोटो ग्राफर भेज दिजीए।

मैं भी सरकुलर रोड स्थित हरिओम टॉवर पहुंचा। जहां हजारों छात्र तख्तिया लिये आइबीपीएस के खिलाफ नारे लगा रहे थे। छात्रों के हाथ में खबर मन्त्र की प्रतियां भी थी।

रोजगार से जुड़ी इस खबर का इतनाव्यापक असरहोगा इसकी कल्पना मैंने नहीं की थी। शाम को मुझे इस समाचार के लिये एमडी सर ने बधाई दी।

खबर मन्त्र जिस समाजिक सरोकार से पहले दिन से जुड़ा वह आज भी कायम है। पत्रकारिता लोकतंत्र ही नहीं दुनियाके बदलाव का एक बड़ा माध्यम है। प्रिंट मीडिया का महत्व दिनोदिन बढ़ता जा रहा है। बदलाव उसके प्रकाशन को मोड को लेकर हुआ है। अब कागज पर छपे पन्नों के साथ खबर मन्त्र का ई पेपर,फेस बुक, खबर मन्त्र डॉट कॉम झारखंड के सीमा से आगे राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर पत्रकारिता के मूल्यों का संबर्द्धन कर रहा है।

खबर मन्त्र की टीम स्कूल, कॉलेज शिक्षण संस्थाओं प्रशिक्षण संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों, धार्मिक कार्यक्रमों, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के साथ राज्य की राजनीति और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और बढ़ाने का काम करते हैं। आज के चुनौतीपूर्ण समय में भी हम टू इन्फार्म, टू एडुकेट और टू इंटरनेट की अपनी प्रतिबद्धता से अलग नहीं होते हैं।एक संपूर्ण अखबार के दस साल पूरे होने पर हम आनंदित है और आने वाले चुनौतियों से लड़ने को तैयार भी। हम समय के अनुसार बदल रहें हैं। हमने ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रमों के आधार से एक लाख से अधिक युवाओं का मार्गदर्शन किया। हम समाज के उनसभी कार्यक्रमों में जो हमें सकरात्मक उर्जा से भर देते हैं उनमें शामिल हुआ। रोटरी क्लब रांची ने हमें बेहतर समाजिक कार्यक्रमों के लिये सम्मानित भी किया और उसे अपने बुलेटिन में प्रकाशित भी किया।

पर्यावरण के अनुकूल बदलाव की राह में जटिलताएं और झारखंड

झारखंड कोयला जैसे जीवश्म उर्जा का केन्द्र है। यहां सबसे धिक प्रदूषण होता है जिससे पर्यावरण संबंधित जटिलता अब सामने आने लगी है। बहरहाल चुनौती यह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को भारी सब्सिडी की जरूरत होती है जबकि जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाले वाहन सरकारों को राजस्व दिलाते हैं।

जीवाश्म ईंधन पर कर में कमी आने के बीच नया राजस्व उत्पन्न करने के क्षेत्र में नाकामी भारत की आर्थिक संभावनाओं के लिए

अब जबकि जलवायु परिवर्तन की जटिलताएं सामने आने लगी हैं और भारत कम कार्बन उत्सर्जन तथा अपेक्षाकृत हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में बदलाव की तैयारी कर रहा है तो उसे कई चुनौतियों को हल करना होगा। ऐसा ही एक क्षेत्र है सरकारी राजस्व पर पड़ने वाला असर।

राज्य और केंद्र सरकारों के राजस्व का बहुत बड़ा हिस्सा जो एक अनुमान के मुताबिक देश के सकल घरेलू उत्पाद का करीब तीन फीसदी है, जीवाश्म ईंधन से हासिल होता है। जीवाश्म ईंधन से हासिल होने वाला कर और गैर कर राजस्व देश के समस्त रक्षा बजट से अधिक है और वह केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य पर किए जाने वाले व्यय से भी अधिक है। परंतु हमारे सामने केवल यही नहीं बल्कि बदलाव की जटिलता की भी चुनौती होगी। जब हम कम जीवाश्म ईंधन की खपत करेंगे तो फंड के कई स्त्रोत सूख जाएंगे। जीवाश्म ईंधन के कारोबार में शामिल सरकारी कंपनियों के राजस्व में भी कमी आएगी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सब्सिडी चाहने वाले माध्यमों को और अधिक मदद की आवश्यकता होगी। अलग-अलग राज्यों की राजस्व पर निर्भरता भी अलग-अलग है।

कोयला खनन के कारण कुछ राज्य मसलन ओडिशा आदि का रॉयल्टी राजस्व अधिक है जबकि अन्य राज्य मसलन महाराष्ट्र आदि कर राजस्व पर निर्भर हैं।

ऐसे में समस्या केवल यह नहीं है कि गैर जीवाश्म ईंधन से अतिरिक्त राजस्व कैसे जुटाया जाएगा बल्कि इन राजस्व को सभी अंशधारकों की संतुष्टि के हिसाब से साझा करना भी एक जटिल काम है।

उदाहरण के लिए कर तैयार करने में राज्य की स्वायत्तता के मुद्दे को लेते हैं। पेट्रोलियम उत्पादों को वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के दायरे में नहीं लाने की एक वजह यह भी थी कि मौजूदा मूल्यवर्धित कर यानी वैट की व्यवस्था राज्य सरकारों को स्वतंत्रतापूर्वक कर निर्धारण की सुविधा देती है।

जीएसटी के तमाम लाभों के बावजूद वह राज्यों की स्वायत्तता के स्तर पर उपयुक्त नहीं। वैट से परे कोई भी कदम उन राज्यों को चिंतित कर सकता है जो राजस्व के मामले में स्वायत्तता बनाए रखना चाहते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों को भारी भरकम सब्सिडी देने से जुड़ी एक चुनौती भी सामने है। यह सही है कि नीतियां पेट्रोलियम ईंधन से चलने वाले वाहनों को कम करने और बिजली से चलने वाले वाहनों को बढ़ाने की समर्थक हैं।

बहरहाल चुनौती यह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को भारी सब्सिडी की जरूरत होती है जबकि जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाले वाहन सरकारों को राजस्व दिलाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की सब्सिडी में कमी से यह बदलाव धीमा हो जाएगा लेकिन उच्च सब्सिडी सरकार के राजस्व पर बोझ बनती है। दिक्कत यह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और जीवाश्म ईंधन वाले वाहनों में कमी दोनों के सरकार में अलग-अलग हिमायती हैं।

इस बदलाव से होने वाली हानि को कम करने से जुड़े मुद्दों का एक और वर्ग है। उदाहरण के लिए कोयला खनन से जुड़े रोजगार अगले कुछ दशकों में समाप्त हो जाएंगे क्योंकि कोयले पर निर्भरता कम हो रही है। इस दौरान दो तरह के रोजगार खत्म होंगे। पहली श्रेणी वह है जो सीधे कोयला खनन में लगी है और दूसरी वह जो आने वाले सालों में खनन में तकनीकी नवाचार बढ़ने से प्रभावित होंगे।

परंतु वास्तविक चुनौती उन लोगों के लिए है जो कोयला खनन के कारण अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पाते हैं। इनमें वे सेवा प्रदाता शामिल हैं जो खानों और खनन करने वालों को सेवाएं देते हैं। इनकी तादाद अधिक है और कोयला खनन क्षेत्र में अधिक विकल्प नहीं हैं। एक अन्य उदाहरण ताप बिजली के क्षेत्र में फंसी संपत्तियों से जुड़ा है या फिर ऐसी पूंजी से जो भारत के ताप बिजली से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने पर बेकार हो जाएगी।

दूसरे शब्दों में, हम व्यापक तौर पर इस बदलाव के लिए राजस्व की आवश्यकताओं को व्यापक रूप से कुछ श्रेणियों में बांट सकते हैं: (अ) गिरते राजस्व की भरपाई करना (ब) बदलाव की प्रक्रिया को तेज करना (स) बदलाव के साथ होने वाले आर्थिक नुकसान को दुरुस्त करना और (द) उचित आवंटन सिद्धांतों की पहचान करना जो राज्यों को कमजोर न करें। अलग-अलग देखा जाए तो इनमें से प्रत्येक एक कड़ी चुनौती है लेकिन एक साथ रखने पर यह असंभव नजर आता है।

ऐसे हालात में तार्किक तरीका यही नजर आता है कि सही उपाय हासिल होने तक मामले को टाला जाए। सन 2070 तक का नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य अभी कुछ दशक दूर है। नई तकनीकों का तेजी से उभरना जारी है और भारत की अर्थव्यवस्था गहन ढांचागत बदलाव से गुजर रही है। ऐसे में इंतजार करना ही सही कदम होगा। लेकिन भारत ऐसा नहीं कर सकता। बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जिसे रोका नहीं जा सकता। नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता और उत्पादन तेजी से बढ़ रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहन भी।

इस बीच आगे चलकर बदलाव की लागत भी तेजी से बढ़ेगी, इसका बड़ा बोझ सरकार को उठाना होगा। ऐसे में राजस्व के मोर्चे पर कुछ नहीं करने से ऐसे हालात बन जाएंगे जहां सरकारी राजस्व की वृद्धि में अहम कमी आएगी। इसका असर आने वाले एक-दो दशकों में राजकोषीय स्थिति पर अहम प्रभाव पड़ेगा। यह बात वृद्धि को प्रभावित करेगी।

इस समस्या के कुछ हल हैं लेकिन प्रत्येक के अपने अलग गुण हैं और भारत को यह चिह्नित करना होगा कि उसके लिए क्या बेहतर है। उदाहरण के लिए प्रत्यक्ष कर दरों को बढ़ाने से काम नहीं बनने वाला क्योंकि उसके क्रियान्वयन में दिक्कत आती रही है। कार्बन कर से बदलाव में तेजी आएगी और शायद राजस्व की तात्कालिक चुनौती में कमी आएगी लेकिन इससे दीर्घकालिक राजकोषीय दिक्कतों में कमी नहीं आएगी।

जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना कारगर हो सकता है लेकिन इसके लिए केंद्र और राज्यों के बीच अहम बातचीत की जरूरत होगी। नए तरह के कर मसलन दूरी या सड़क के इस्तेमाल पर लगने वाला कर आदि का क्रियान्वयन आसान हो सकता है लेकिन शायद इससे राज्य की स्वायत्तता का लक्ष्य पूरा न हो।

ऐसे समय में अनुत्पादक व्यय अथवा कल्याण पर होने वाला खर्च कम करना मुश्किल हो सकता है जबकि ट्रिकल डाउन प्रभाव धीरे-धीरे काम कर रहा है। कुछ उपाय मसलन कार्बन कर आदि के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता हो सकती है। ऐसा करना संभव है लेकिन इसमें समय लगेगा और बहुत अधिक समन्वय की जरूरत होगी।

इस समस्या की एक अहम विशेषता यह है कि अधिकांश अंशधारक सरकार का हिस्सा हैं। खासतौर पर केंद्र और राज्य सरकारों तथा सरकारी उपक्रमों के। यहां सरकार के भीतर उठाए गए कदम पहले ही रास्ता दिखा चुके हैं। जीवाश्म ईंधन वाली सरकारी कंपनियों को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने की इजाजत देकर सरकार ने कुछ हद तक उन कंपनियों के हितों को बदलाव के साथ सुसंगत बना दिया है।

बदलाव तथा राजस्व उत्पादन से जुड़े कदमों को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तालमेल अधिक कठिन कवायद हो सकता है लेकिन यह अहम है। कई तरह की लागत चाहे व्यय प्रोफाइल बनाना हो, फंसी हुई संपत्तियां हों या रोजगार प्रभाव, इन सबका वहन राज्य राज्यों को करना होगा। वे इसके लिए तैयार नहीं हैं।

भारत को ऐसी औपचारिक व्यवस्था बनानी होगी जहां राज्य स्तरीय बदलाव आवश्यकताओं को राजस्व के बरअक्स आंका जा सके। इसके अलावा उसे उभरते अंतराल को चिह्नित करते हुए विभिन्न विकल्पों को तलाशना होगा। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि उन संभावित राजस्व स्त्रोतों की पहचान की आवश्यकता होगी जहां राज्य सरकारों को कुछ स्वायत्तता हासिल हो।

प्राचार्य के विचार

शैक्षणिक खबरों को अखबार ने प्राथमिकता से छापा : डॉ मेरी ग्रेस

उसुर्लाइन कॉन्वेंट इंटरमीडिएट कॉलेज रांची में स्थित एक प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान है। यह विश्वव्यापी उसुर्लाइन सिस्टर्स का एक हिस्सा है, जो 1535 में इटली के ब्रेशिया में सेंट एंजेला मेरिसी द्वारा स्थापित एक रोमन कैथोलिक धार्मिक आदेश है। यह अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र शिक्षा के लिए अत्यधिक माना जाता है। और शिक्षा स्थल का नाम बनाने के पीछे उनके शिक्षक और प्रधानाध्यापक का होता है।

विकास में अच्छे शिक्षकों का सबसे अधिक महत्व होता है। वे भावी पीढ़ियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और किसी राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक प्रगति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। वैसे ही किसी भी स्कूल या कॉलेज की सफलता और विकास में प्रधानाध्यापक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानाध्यापक मजबूत नेतृत्व प्रदान करते हैं और स्कूल या कॉलेज के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण निर्धारित करते हैं। वे लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्पष्ट करते हैं, एक रणनीतिक योजना बनाते हैं, और शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास प्राप्त करने के लिए संस्थान का मार्गदर्शन करते हैं। वे छात्रों में जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं। वे ऐसे वातावरण को बढ़ावा देते हैं जो नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देता है।

खबर मंत्रा के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर में हम डॉक्टर मेरी ग्रेस से मिले। वह एक ऐसी प्रिंसिपल हैं जो अपने काम के प्रति सच्ची हैं और छात्रों की भलाई के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। राष्ट्रपति पुरस्कारसे सम्मानित डॉ ग्रेस विचार सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ और मुझे अच्छी तरह से शोध करने और कई चीजें जानने के लिए प्रोत्साहित किया।

सवाल- आपके पास शिक्षा के क्षेत्र में कई वर्षों का अनुभव है। एनईपी की शुरूआत के साथ, इस पर आपके क्या विचार हैं?

जवाब - सकारात्मक पक्ष देखें तो एनईपी से बड़ी संख्या में लोगों को शिक्षित किया जा सकेगा, हाशिए पर रहने वाले लोगों को भी शिक्षा तक पहुंच मिल सकेगी।

कला, वाणिज्य और विज्ञान का विभाजन हटा दिया गया है जिससे छात्रों को अपने पसंदीदा विषय चुनने की अत्यधिक स्वतंत्रता मिलती है। लेकिन अगर हम नकारात्मक पक्ष देखें तो यह मुझे बहुत तनाव देता है क्योंकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा खो जाएगी। बौद्धिक क्षमता में कमी आएगी। लोग सिर्फ अंकों के लिए पढ़ेंगे, ज्ञान के लिए नहीं.

सवाल - आपने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में कमी आएगी, एक प्राचार्य के रूप में आप इस कॉलेज में गुणवत्ता लाने के लिए क्या कदम उठाते हैं?

जवाब- हम मूल अनुशासन स्थापित करते हैं, उपस्थिति पर बहुत सख्ती से ध्यान केंद्रित किया जाता है। नियमित परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं और हम केवल जेएसी पर निर्भर नहीं हैं, हम 4 आंतरिक परीक्षाएं + प्री बोर्ड आयोजित करते हैं। हम उन्हें उनके कागजात भी दिखाते हैं ताकि वे अपनी गलतियां सुधारें.

सवाल - आपके अनुसार अभिभावकों की भूमिका क्या होनी चाहिए?

जवाब - अभिभावकों को अपने बच्चे को अनुशासित करना चाहिए क्योंकि शिक्षण घर से शुरू होता है। आजकल बच्चे सोशल मीडिया, फोन की ओर आकर्षित होते हैं और माता-पिता को वास्तव में बढ़ती बुरी आदत पर ध्यान देना चाहिए।

इसी कार्यक्रम में हमने उसुर्लाइन कॉन्वेंट के बारहांवी के बच्चियों से भी बात की। उनसे बातचीत के दौरान मुझे ये पता चला कि बच्चों की जिंदगी में उनके माता पिता की क्या एहमियत होती है। माता-पिता हमारे पहले शिक्षक, अभिभावक और आजीवन समर्थक हैं। उनका प्यार अद्वितीय है, वे अक्सर अपने बच्चों की भलाई के लिए अपनी जरूरतों और इच्छाओं का त्याग कर देते हैं। अधिकतर बच्चों ने कहा कि वो अपने माता पिता जैसा मेहनती, मददगार और धैर्यवान बनना चाहते हैं। बच्चों की जीवन में अपने अभिभावक के प्रति इतना

सम्मान और प्रेम देख कर ऐसा लगा कि हमारा देश सही मार्ग पर है। उनसे यह पूछने पर कि क्या ऐसा कुछ है जिसे वे विशेष रूप से चाहते हैं कि समाचार पत्र दुनिया के लिए एक संदेश के रूप में छापें, श्रेया श्वेता हेमरोम ने कहा कि वह चाहती हैं कि समाचार पत्र छात्रों के लिए प्रेरक चीजों पर ध्यान केंद्रित करें ताकि उन्हें बेहतर करने का साहस मिले।

छात्रों में बेहतर करने और अपने माता-पिता को गौरवान्वित करने और सभी कठिनाइयों को पार करने की ऊर्जा को देखते हुए, खबर मंत्र की दसवीं वर्षगांठ के सम्मान में इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रस्तुतिः मुरलीधर

स्पीड न्यूज

सेंट जॉन्स हाई स्कूल में हुई फ्रैंक एंथनी स्कूल वाद-विवाद प्रतियोगिता

जमशेदपुर। सेंट जॉन्स हाई स्कूल परिसर में फ्रैंक एंथनी अखिल भारतीय अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें श्रेणी 2, चरण 1 इस कार्यक्रम में 6 टीमों ने भाग लिया। केपीएस कदमा, केपीएस मानगो, कार्मेल जूनियर कॉलेज, जेएच तारापुर, दयानंद पब्लिक स्कूल ने कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल इस प्रतियोगिता से बाहर हो गया। कार्यक्रम की संचालक, डॉ बसुधारा रॉय, जो एक निपुण लेखिका और करीम सिटी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की संकाय है वह कार्यक्रम की समन्वयक थी। निर्णायक मंडल में डॉ शांतनु चक्रवर्ती, जो कई परियोजनाओं के लिए भारत सरकार के अनुभवी वाद-विवादकर्ता और सलाहकार, शमिता आहूजा, आईईएलटीएस प्रशिक्षक और सौविक साहा, निदेशक एनजीओ, पीपल फॉर चेंज शामिल थे। अंत में, सदन ने मेजबान स्कूल, सेंट जॉन्स हाई स्कूल ने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत प्रयास किए। इस वाद-विवाद में विजेता स्कूल कार्मेल जूनियर स्कूल रहे हैं (हरगुण भाटिया, सच गुप्ता) जबकि द्वितीय स्थान पर केपीएस कदम (अर्नब मुखर्जी, भारती कुमारी) रहा। सर्वोत्तम वक्ता प्रथम स्थान पर अर्नब मुखर्जी, दूसरे स्थान पर हरगुण भाटिया और सच गुप्ता तीसरे स्थान पर रही।

वन भूमि पर कब्जा करने की शिकायत

गम्हरिया। कांड्रा थाना क्षेत्र के बड़ा हरिहरपुर मौजा में सरकारी जमीन पर बाहरी लोगों के जबरन कब्जा किये जाने की शिकायत से अवगत कराते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने बताया कि गम्हरिया प्रखंड के दुग्धा पंचायत अंतर्गत बड़ा हरिहरपुर गांव स्थित वन भूमि पर लॉकडाउन के समय से ही दूसरे गांव के लोग खेत बना कर कब्जा करते आ रहे हैं। मना करने पर वे झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं। शिकायत पर संज्ञान में लेते हुए मंत्री चंपाई सोरेन ने अंचल अधिकारी को उचित जांच कर न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

तीन दिनों में शत प्रतिशत छात्राओं को फॉर्म देने की हिदायत

जमशेदपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का जिले में बेहतर क्रियान्वयन को लेकर जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त ने समाज कल्याण एवं शिक्षा विभागीय पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की । ऑनलाइन आयोजित इस बैठक में उप विकास आयुक्त ने सभी बीईईओ को तीन दिनों के अंदर शत प्रतिशत योग्य छात्राओं को योजना संबंधी फॉर्म वितरण सुनिश्चित करें।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में विश्राम कर महाप्रभु पहुंचे अपने घर, भव्य स्वागत

खबर मन्त्र टीम

जमशेदपुर/ गम्हरिया/ आदित्यपुर। बीमार पड़ने के बाद नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में विश्राम करने के बाद सोमवार को उल्टी रथयात्रा आयोजित कर महाप्रभु जगन्नाथ को अपने घर लाया गया। भाई बलराम व बहन सुभद्रा के साथ अपने घर वापस पहुंचने पर श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रभु जगन्नाथ का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान महिलाओं ने उनकी आरती उतारकर पूजा अर्चना की।

जमशेदपुर में उत्कल एसोसिएशन से उल्टी रथयात्रा निकली जो साकची गोलचक्कर होते हुए पुनः एसोसिएशन कैंपस में आकर संपन्न हुई।

1. उत्कल एसोसिएशन स्थित अपने घर रवाना होते प्रभु जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भाई बलराम जी। 2. वापसी रथयात्रा में नृत्य करती महिलाएं। 3. गम्हरिया में उल्टी रथयात्रा का दृश्य और 4. जमशेदपुर गांधी आश्रम की उल्टी रथयात्रा में उमड़े भक्त।

पूर्वांचल के सर्वाधिक लोकप्रिय त्योहार में रथ यात्रा का अपना विशेष महत्व है इस त्यौहार के मध्य नजर आज दिनांक 15 जुलाई 2024 दिन सोमवार को संध्या 5:00 से जमशेदपुर स्थित होम पाइप साक्ची से वापसी रथ यात्रा का आयोजन हुआ जहां भगवान जगन्नाथ बलभद्र और बहन सुभद्रा अपने मौसी बाड़ी निर्मल नगर स्थित काली मंदिर प्रांगण से विधिवत पूजा अर्चना के साथ पंडित हेमंत बनर्जी एवं काजल चक्रवर्ती के द्वारा मुख्य यजमान के रूप में नवीन शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी मधु शर्मा समिति के संरक्षक अशोक पांडे युवा समाजसेवी शंभू मुखी डूंगरी के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। इसके उपरांत मौसी बाड़ी से वापसी गुंडिचा मंदिर की ओर वापसी रथयात्रा का शुभारंभ हुआ जो कालीबाड़ी से होते हुए निर्मल नगर सिद्धू कानू चौक होते हुए बिरसा मोड से नया कोर्ट होम पाइप गुरुद्वारा होते हुए पुणे श्री श्री शिव हनुमान दुर्गा मंदिर परिसर में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। वापसी रथयात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हुए उत्साह पूर्वक भगवान का जय घोष करते हुए नृत्य गान किया। इसके उपरांत भगवान अपने निवास में पुनः श्रद्धालुओं के दर्शन एवं जगत कल्याण के लिए विराजमान हो गये। यात्रा के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति की ओर से संरक्षक अशोक पांडे, शंभू मुखी डूंगरी, नवीन शर्मा, उमेश पांडे, उमलेश पांडे, मिथिलेश पांडे, लल्लन जी , भगत जी, भोला सिंह, पप्पू सिंह, आनंद शुक्ला, मन्नू मंडल, संजय मिश्रा, श्रीकांत मिश्रा, श्याम कुमार शर्मा, सिकंदर सिंह के अलावा काफी संख्या में समिति के सदस्य अधिकारी और स्थानीय बस्ती शामिल हुए।

जंगल में बसे लोगों की आवाज दिल्ली तक गूंजेगी : जोबा माझी

›› गुदड़ी के गितिलउली में सांसद जोबा माझी का हुआ जोरदार अभिनंदन

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

सोनुवा। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी सोमवार को गुदड़ी प्रखंड के टोमडेल पंचायत के गितिलउली गांव पहुंची। जहां ग्रामीणों सहित इंडिया महागठबंधन के नेताओं ने स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सांसद का पारंपरिक तरीके से स्वागत करते हुए सांसद चुने जाने पर अभिनंदन किया।

बारिश के बीच ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जोबा माझी ने कहा कि जल, जंगल और जमीन और जंगल में बसे ग्रामीणों के मौलिक अधिकारों के लिए संघर्षरत हूं। उन्होंने अपने दिवंगत पति पूर्व विधायक देवेंद्र माझी के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि देवेंद्र माझी का सपना जल्द पूरा होगा। उन्होंने गुदड़ी प्रखंड में किये जा रहे विकास कार्यों से ग्रामीणों को अवगत कराया। साथ ही कहा की झारखंड सरकार के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ लें।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित सांसद जोबा माझी व अन्य।

समारोह में झामुमो के युवा नेता सह सांसद पुत्र जगत माझी ने ग्रामीणों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके पिता की इच्छा थी जंगल में बसे लोगों की आवाज दिल्ली में गूंजे। ये इच्छा आपने मेरी मां को लोकसभा चुनाव में विजयी बनाकर किया है। कहा कि वह ग्रामीणों के हर दुख-दर्द में साथ रहेंगे।

मौके पर झामुमो नेता जगत माझी, मुखिया अनिल बुढ़, कामरोडा पंचायत के मुखिया दाउद बरजो, प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष रोलेन बरजो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुनील बुढ़, प्रदीप भुंइया, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अमन लोमगा, पूर्व मुखिया रुसु सुलांकी, आकाश, डेविड सुलांकी, नामजन भुइयां आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

बस्तियों को बचाने के लिए डीसी ऑफिस पर आम आदमी पार्टी ने किया प्रदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आम आदमी पार्टी जमशेदपुर महानगर इकाई के अध्यक्ष अभिषेक कुमार के नेतृत्व में इंद्रा नगर और कल्याण नगर के लोगों ने नदी किनारे बसी हुई इंद्रा नगर, कल्याण नगर,चंडी नगर, छाया नगर, बाबूदीह, निर्मल नगर, लाल भट्टटा, कानू भट्टटा और भुइयांडी बस्ती के लोगों को मिली सर्किल ऑफिसर से नोटिस को वापस लेने के संदर्भ में उपायुक्त कार्यालय जाकर ज्ञापन सौंपा।

अभिषेक कुमार ने बताया कि हमारे देश में गरीबों को आवास देने के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही है और यह गरीब मजदूर लोग भूखे पेट सोकर एक-एक पैसा जोड़कर अपने सपनों का घर बनाते हैं और अगर इन घरों को नुकसान पहुंचाया गया तो यह इस देश का दुर्भागय होगा।

प्रबंधन ने मृत कर्मचारी की पत्नी को दिये 15 लाख मुआवजा और ग्रेजुइटी का ₹91 हजार

बीवीजी : छोटी कंपनी पर बड़ा दिल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जोजोबेरा साउथ गेट के पास दिनांक 07-03-2024 को कंटेनर की चपेट में आये मृतक मनोज कुमार की पत्नी को बी.वी.जी प्रबंधन ने आश्वासन के अनुरूप 15 लाख रूपए एलआइसी के माध्यम से भुगतान किया है। इस पॉलिसी के तहत मृतक की पत्नी को प्रत्येक माह 8 हजार पूरे जीवन मिलते रहेंगे तथा 15 लाख रुपये की राशि एलआइसी में सुरक्षित भी रहेगी। यही नहीं प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए मृतक का ग्रजुइटी का 91060/- हजार रूपए का चेक भी मृतक की पत्नी को प्रदान किया।

बी.वी.जी प्रबंधन ने बेंच-मार्क सेट करते हुए एक ऐसी मुआवजा राशि मृतक के परिवार को दी है जो आज तक किसी ठेका कर्मचारी को किसी ठेका कंपनी ने नहीं दिया है।

मृत मजदूर मनोज कुमार की पत्नी को मुआवजा चेक देते कंपनी के पदाधिकारी।

नेता और बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें मजदूर भाई : राजू कुमार

■ किसी इंसान की कमी कोई पूरा नहीं कर सकता। मनोज की मृत्यु का दुःख पूरे बीवीजी परिवार को है। बीवीजी एक ऐसी कंपनी है जो किसी मजदूर का एक भी पैसा बकाया नहीं रखती। मजदूरों से अपील है कि किसी भी तथाकथित नेता या बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें न ही एक भी रुपया किसी को दें। मजदूर सीधे प्रबंधन से संपर्क करें, यदि किसी भी प्रकार की देय-राशि आपकी बनती है तो निश्चित रूप से आपको भुगतान किया जायेगा। - **राजू सिंह (प्रबंधक, बीवीजी)।**

सरकारी पदाधिकारी व प्रशासन मनमानी न करें : रामचंद्र सहिस

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सोमवार को आजसू पार्टी पटमदा प्रखंड समिति द्वारा पटमदा प्रखंड कार्यालय पर हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हल्ला बोल कार्यक्रम का शुभारम्भ बेलटाड़ चौक से पदयात्रा करते हुए पटमदा अंचल कार्यलय पर आजसू पार्टी का हुजूम पंहुचा जिसमे जोरदार नारे की गूंज रामचंद्र सहिस जिंदाबाद, आजसू पार्टी जिंदाबाद, सुदेश महतो जिंदाबाद के खूब नारे लगे। कार्यक्रम में बतौर अतिथि राज्य के पूर्व मंत्री सह आजसु पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी बेलगाम हो गए है इनपर लगाम लगाने के लिए सरकार बदलना होगा। सहिस ने कड़े शब्दों मे चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी पदाधिकारी और प्रशासन मनमानी नहीं करें तो बेहतर होगा।

प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करते पूर्व मंत्री सहिस।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने एक्सएलआरआई संग किया एमओयू

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ और आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया के बीएच एक महत्वपूर्ण एमओयू किया गया। दोनों संस्थानों के बीच लीडरशिप व ग्रोथ माइंडसेट के साथ यह साझेदारी की गयी है। 10 जुलाई को हुई इस साझेदारी के अवसर पर एक्सएलआरआइ की ओर से डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज सबेस्टियन व प्रोफेसर सुनील षाड़ंगी मौजूद थे।

डायरेक्टर फादर एस जॉन ने कहा कि प्रतिभा का पोषण करना, नवाचार को बढ़ावा देना और सतत विकास के लिए नेतृत्व गुणों को मजबूत करना दोनों एक्सएलआरआइ की प्रतिबद्धता रही है। इस एमओयू से दोनों ही संस्थानों में इनोवेशन को बढ़ावा मिलने की बात कही।

15 दिनों में सेविका/ सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्ति करें : डीडीसी

■ **मनीष कुमार की अध्यक्षता में हुई स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण की समीक्षा बैठक**

■ **ग्रामीण स्वास्थ्य उप केंद्रों को सुविधायुक्त बनाने का दिया निर्देश**

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) मनीष कुमार की अध्यक्षता में आहूत बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं समेत गर्भवती महिलाओं, कुपोषण उपचार केन्द्र, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, कन्यादान योजना समेत सभी विभागीय योजनाओं में प्रगति कि विस्तृत समीक्षा की गयी।

डीडीसी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण की योजनाएं आम नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके जीवन स्तर में बेहतरी को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही है । सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवायें पहुंचे, स्वास्थ्य उप केन्द्र सुविधायुक्त हों जिससे लोगों को छोटी-छोटी परेशानियों के लिए शहर का दौड़ नहीं लगाना पड़े और उनपर आर्थिक बोझ नहीं पड़े। उन्होने शिशुओं के वजन मापी के लिए सभी अस्पतालों में इंफैंटोमीटर खरीदारी करने के निर्देश दिये। गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत पंजीकरण, एचआईवी जांच, ससमय आयरन की गोली देने, टीबी, वीएचएसएनडी कार्यक्रम, डेंगू रोकथाम, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग आदि की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये।

समीक्षा बैठक करते हुए डीडीसी मनीष कुमार।

कुपोषण उपचार केन्द्रों में बेड रिक्त नहीं रहे : समाज कल्याण विभागीय योजनाओं की समीक्षा में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना एवं पीएम मातृवंदना योजना में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अप्रसन्नता जताई । रिक्त पड़े 34 आंगनबाड़ी सेविका एवं 36 सहायिका के पदों को अगले 15 दिनों में ग्राम सभा कर कम से कम 40 पदों पर नियुक्ति के निर्देश दिये। वहीं 0-6 वर्ष और गर्भवती माताओं की मॉनिटरिंग को लेकर पोषण ट्रैकर एप की समीक्षा में शत-प्रतिशत इंट्री सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कुपोषण उपचार केन्द्रों में भर्ती शिशुओं के उपचार की समीक्षा के क्रम में कहा कि शत प्रतिशत कुपोषित बच्चों का समुचित उपचार सुनिश्चित करें।

एक नजर में

राजनगर में 40 लोगों ने किया रक्तदान

जमशेदपुर। टाइगर आर्ट्स एंड कल्चरल सोसायटी गामदेसाई और सामाजिक संस्था नयी जिंदगी परिवार जमशेदपुर ने राजनगर में तीसरी बार रक्तदान शिविर लगाया। इसमें कुल 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर राजनगर जैसे ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक मिसाल बन गये हैं। बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर की टीम ने वीवीडीए के सहयोग से रक्त संग्रह किया। पर वीवीडीए झारखंड के संस्थापक अध्यक्ष सुनील मुखर्जी और 74 बार रक्तदान कर चुके राजेश मार्डी ने सभी रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। वहीं शिविर में आये अतिथियों के हाथों सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र एवं विशेष उपहार देकर सम्मानित किया। इसे सफल बनाने में संजीव टुडू, अजय मुर्मू, विशाल गोप, अर्जुन मुर्मू, बासुदेव बेहरा, सुखलाल मुर्मू, पप्पू जारिका, गुलिया मुर्मू, सुशील मुर्मू जुटे हुए थे।

राशन उपलब्ध नहीं कराने वाले पीडीएस राशन डीलर पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई : विधायक

जमशेदपुर। बोड़ाम प्रखंड के लायलम पंचायत के ग्रामीणों ने सोमवार को विधायक मंगल कालिंदी से मुलाकात की। उन्हें बताया कि कई महीनों से उन्हें डीलर अजित मार्डी राशन उपलब्ध नहीं करा रहा। हर महीने मशीन खराब होने की बात कह रहा है। इसकी शिकायत विधायक से ग्रामीणों ने की। विधायक ने तुरंत संज्ञान में लेते हुए डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफीसर के साथ ग्रामीणों की उपस्थिति में बैठक की और कल से ही इन्हें राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मौके पर लायलम पंचायत के किरण देवी, सुमित्रा देवी, गुल्लगोरा तंतुबाई, सावित्री सिंह, बुका सिंह, महेश तंतुबाई, अर्चना तंतुबाई, गुलाबपी तंतुबाई, धमधारी तंतुबाई, लेंगरा मार्डी, सोम मार्डी, जालौती सिंह, पुष्पा महतो उपस्थित थे।

ईचागढ़ विधायक साबिता महतो ने लगभग 18 लाख की योजनाओं का किया उद्घाटन

चांडिल। विधायक साबिता महतो ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के कुकडु प्रखंड के चोकेगाडिया व कूदा में दो तालाब एवं शहीद निर्मल महतो उच्च विद्यालय कुकडु में बनी चहारदीवारी का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि स्कूल का बाउंड्री वॉल टूट गया था जिसकी मरम्मत की मांग विद्यालय परिवार की और से किया था। स्कूल में छोटे छोटे बच्चों के सुरक्षा को लेकर बाउंड्री वॉल काफी जरूरी था। विधायक निधि से निर्मित चोकेगाडिया व कूदा में तालाब का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा इस तालाब का निर्माण होने से क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिलेगा।

सुखराम हेंब्रम ने कुकडू में कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

चांडिल। सोमवार को चांडिल अनुमंडल के कुकडू प्रखंड क्षेत्र के हाई तिरुल समुदायिक भवन में आयोजित समाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन में समाजसेवी सह झारखंड आंदोलनकारी सुखराम हेंब्रम बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। सुखराम ने कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे लोगों को संबोधित किया। मौके पर धीरेंद्र नाथ मांझी, श्याम सुंदर मार्डी, सुकेन मुर्मू, विवेक सिंह मुंडा, सुभाष सिंह मुंडा, मंगल सिंह मुंडा, गोलोक प्रमाणिक, संतोष प्रमाणिक, रणजीत सिंह मुंडा, खिरोद सिंह मुंडा, नव किशोर हंसदा, तेज सिंह मुंडा, अंगद सिंह उपस्थित थे।

विमेंस क्लब ने आइडीटीआर में मनाया वर्ल्ड यूथ स्किल डे

जमशेदपुर। वर्ल्ड यूथ स्किल डे पर सोमवार को जमशेदपुर विमेंस क्लब के तरफ से आई डी टी आर गम्हरिया में यूथ जो डिप्लोमा ट्रेनिंग ले रहे लड़का और लड़किया उन्हें एक प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी गयी कि कैसे एंप्लॉयमेंट जेनरेट किया जा सकता है, कैसे इनकम अर्जित किया जा सकता हैऔर कैसे स्टार्ट अप खोला जा सकता है। मौके पर छात्र-छात्राएं के समक्ष अपना अनुभव शेयर करके क्लब के ज्वाइंट सेक्रेटरी श्रद्धा अग्रवाल ने अपनी प्रस्तुति दी। श्रद्धा के साथ क्लब के मेंटर पूरबी घोष तथा शीतल खैतान भी सहयोगी के रूप में इस प्रस्तुति में साथ दिया। करीब 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया। पूरबी घोष ने आज के दिन इस युवा पीढ़ी को अपनी दक्षता बड़ाने में मदद करने के लिए सुमित सिंह और डॉक्टर रामबाबू वर्मा आई डी टी आर के फैकल्टी को आभार प्रकट किये।

हिंद आइटीआइ के 13 छात्र बंगलुरु की कंपनी में चयनित

जमशेदपुर। मानगो स्थित हिंद इंडस्ट्रीयल टेक्नीकल इंस्टीच्यूट (हिंद आइटीआइ) के कुल 13 विद्यार्थियों का बैंगलौर की कंपनी में प्लेसमेंट हुआ है। सेफ्टी और एचवीएसी ट्रेड के विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है। इन विद्यार्थियों के प्लेसमेंट में संस्थान के प्लेसमेंट विभाग के सभी सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही। हिन्द आई .टी .आई के डायरेक्टर डाक्टर ताहिर हुसैन ने नौकरी पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दिया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए दुआ की।

अर्जेंटीना ने 16वीं बार जीता कोपा अमेरिका का खिताब

एजेंसी

फ्लोरिडा। अर्जेंटीना ने कोलंबिया को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से हराकर रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। दोनों टीमों के बीच यह मैच काफी करीबी जहां जहां निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकी थीं। इसके बाद स्टॉपेज टाइम में भी मुकाबला गोल रहित रहा, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे लाउतारो मार्टिनेज ने अतिरिक्त समय में गोल दाग टीम को बढ़त दिलाई जो अंत तक बरकरार रही।

मार्टिनेज के निर्णायक गोल ने दिलाई जीत

गत चैंपियन अर्जेंटीना की टीम फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में बढ़त लेने की कोशिश में जुटी हुई थी। अतिरिक्त समय में सुपर सब के तौर पर उतरे मार्टिनेज ने मैच का एकमात्र गोल दागा जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले मार्टिनेज ने 112वें मिनट में जियोवानी लो केल्सो के पास पर गोल दागा। मार्टिनेज का यह टूर्नामेंट का पांचवां गोल था और वह गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे रहे। फीफा विश्व कप जीतने के बाद अर्जेंटीना का यह लगातार तीसरा खिताब है। अर्जेंटीना ने इससे पहले 2021 कोपा अमेरिका और 2022 विश्व कप भी जीता था।

चोट के कारण मेसी को जाना पड़ा बाहर

फाइनल मुकाबले में चोट के कारण मेसी को मैदान से बाहर जाना पड़ा। इस कारण मेसी दुखी हो गए और बेंच पर बैठते समय अपने आंसू नहीं रोक सके। मैच के 64वें मिनट में मेसी को चोट लग गई। कुछ देर तक ट्रेनर्स ने उनका हाल जाना, लेकिन अंत में इस स्टार खिलाड़ी को स्ब्स्टीट्यूट होने के लिए मजबूत होना पड़ा। मेसी इस टूर्नामेंट में लगातार पैर की चोट से परेशान चल रहे थे और दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इस कारण वह अर्जेंटीना के ग्रुप चरण के अंतिम मैच से भी बाहर रहे थे। हालांकि, मेसी के रहते अर्जेंटीना एक और बड़ा खिताब हासिल करने में सफल रही है।

अर्जेंटीना ने रोका कोलंबिया का विजयी अभियान

अर्जेंटीना ने इस जीत के साथ ही कोलंबिया का लगातार 28 मैचों से चला आ रहा विजयी अभियान भी रोक दिया है। कोलंबिया फरवरी 2022 के बाद से अजेय चल रही थी। दोनों टीमों के बीच हेड टू हेड की बात करें तो अब तक अर्जेंटीना का पलड़ा ही कोलंबिया पर भारी था जो खिताबी मैच में भी बरकरार रहा। दोनों टीमें 44वीं बार एक दूसरे के आमने-सामने थी। अर्जेंटीना ने इस तरह कोलंबिया के खिलाफ 27वां मैच जीता। कोलंबिया सिर्फ नौ बार ही विश्व विजेता टीम को मात दे सकी है, जबकि दोनों टीमों के बीच आठ मैच ड्रॉ रहे हैं।

फाइनल मैच देर से हुआ शुरू

इससे पहले, अर्जेंटीना और कोलंबिया के बीच फाइनल मुकाबला करीब एक घंटे 20 मिनट की देरी से शुरू हुआ। दरअसल, बिना टिकट लिए हजारों प्रशंसकों ने जबरन स्टेडियम में घुसने की कोशिश की। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमे सुरक्षाकर्मी प्रशंसकों के हटाते दिख रहे हैं। इस कारण पुलिस को स्टेडियम में प्रवेश करने के दरवाजे बंद करने पड़े जिसकी वजह से कई लोग मैदान के बाहर ही खड़े रहे। रिपोर्ट के अनुसार, कई लोगों को स्टेडियम से बाहर निकाला गया और कुछ खिलाड़ियों के मुताबिक इस हंगामे के कारण उनके परिजन भी आयोजन स्थल में प्रवेश नहीं कर सके।

अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत के साथ डि मारिया ने लिया संन्यास, कहा- कोपा अमेरिका की जीत पहले से तय थी

एजेंसी

मियामी। अर्जेंटीना की ताकतवर टीम का अगर लियोनेल मेसी दिमाग हैं तो एंजेल डि मारिया दिल हैं। इन दोनों के कॉम्बिनेशन के साथ एक बार फिर अर्जेंटीना ने कोपा अमरेका 2024 का खिताब कोलंबिया को हराकर जीत लिया है। इस जीत के साथ ही एंजेल डि मारिया संन्यास ले लिया है। वो अर्जेंटीना की जर्सी पहनने वाले सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने लंबे और शानदार करियर में इसे गर्व से पहना है। सोमवार का कोपा अमेरिका फाइनल डि मारा का आखिरी गेम था और वह इससे बेहतर अंत की उम्मीद नहीं कर सकते थे, इस फॉरवर्ड प्लेयर ने यहां तक दावा किया कि परफेक्ट एंडिंग 'लिखी हुई थी।

डि मारिया ने कहा अलविदा

एंजेल ने मैच के बाद के साक्षात्कार में कहा, यह लिखा हुआ था, यह इस तरह से था। मैंने सपना देखा था कि हम इस कोपा अमेरिका को जीतेंगे और मैं इस तरह से रिटायर होने जा रहा हूं। मेरे पास इतनी खूबसूरत भावनाएं हैं जिन्हें मैं बयां नहीं कर सकता। मैं इस पीढ़ी का हमेशा आभारी रहूंगा जिसने मुझे वह हासिल कराया जो मैं इतना चाहता था। इस तरह से समाप्त होने से बेहतर क्या हो सकता है? फाइनल में पहुंचना और उन्हें जीतना आसान नहीं है। मैं यह जानता हूं क्योंकि मैंने इसे दूसरी तरफ अनुभव किया है। अब यह हो रहा है किसी बिंदु पर यह होना ही था।

डि मारिया इन टूर्नामेंट में दे चुके हैं अहम योगदान

डि मारिया के योगदान को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। 36 वर्षीय खिलाड़ी कभी-कभी रडार के नीचे चला जाता था, लेकिन वह खिलाड़ी भी था जिसने टीम को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर कदम बढ़ाया। 2021 कोपा अमेरिका, 2022 फाइनलिसिमा और 2022 विश्व कप फाइनल में गोल किये। वह राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वकालिक प्रदर्शनों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं, केवल लियोनेल मेस्सी (186) और जेवियर माशेरानो (147) से पीछे हैं। अर्जेंटीना ने पिछले तीन वर्षों के दौरान कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन फाइनल में लियोनेल स्कोलोनी के पुरुषों के सामने जो चुनौती थी, वह किसी और ने नहीं की। लियोनेल मेसी ने दूसरे हाफ में अपने टखने को घायल कर लिया और उन्हें बेंच पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा, आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता आंसू बहा रहे थे, लेकिन टीम ने फिर भी हिम्मत नहीं हारी और 112वें मिनट में लुटारो मार्टिनेज के माध्यम से पहला गोल करके प्रतियोगिता के रिकॉर्ड-विजेता बन गए। अर्जेंटीना 16 कोप अमेरिका का खिताब अपने नाम कर चुकी है।

चैंपियंस ट्रॉफी: बीसीसीआइ लिखित में दे कि भारत सरकार ने पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि बीसीसीआई इस बात का लिखित सबूत दे कि भारत सरकार ने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सुरक्षा कारणों से टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने यह बात कही। मेजबान बोर्ड चाहता है कि मामला जल्दी से सुलझाया जाए क्योंकि टूर्नामेंट अगले साल फरवरी मार्च में होना है। आइसीसी की सालाना कांफ्रेंस 19 जुलाई को कोलंबो में होगी जिसमें हाइब्रिड मॉडल पर चर्चा एजेंडे में नहीं है। इसके तहत भारतीय टीम अपने मैच यूएई में खेलेगी। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, अगर भारत सरकार ने अनुमति नहीं दी है तो उसे लिखित में देना होगा और बीसीसीआइ को चाहिए कि आइसीसी को वह पत्र तत्काल दे। उन्होंने कहा हम लगातार कह रहे हैं कि बीसीसीआइ पांच छह महीने पहले टूर्नामेंट के लिए टीम के पाकिस्तान जाने के बारे में आइसीसी को लिखित में सूचित करे। बीसीसीआइ हमेशा से कहता आया है कि पाकिस्तान में खेलने का फैसला सरकार का होगा और 2023 वनडे एशिया कप में भी भारत के मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले गए थे। पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम का मसौदा आइसीसी को सौंप दिया है जिसमें भारत के सारे मैच, सेमीफाइनल और फाइनल लाहौर में होंगे। भारत और पाकिस्तान का मैच एक मार्च को होना है। टूर्नामेंट 19 फरवरी को कराची में शुरू होगा और फाइनल नौ मार्च को लाहौर में होगा। फाइनल में एक दिन रिजर्व का होगा। बीसीसीआइ सूत्रों की माने तो टीम पाकिस्तान नहीं जाने वाली और ऐसी दशा में आइसीसी प्रबंधन अतिरिक्त बजट आवंटन कर सकता है।

कौन होगा भारत का अगला टी20 कप्तान

नयी दिल्ली। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली जीत के बाद भारतीय क्रिकेट टीम को अब श्रीलंका का दौरा करना है। टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टी20 और वनडे सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के साथ गौतम गंभीर भी टीम के साथ हेड कोच के तौर पर जुड़ जाएंगे। सीरीज में भारत के अगले कप्तान को लेकर बड़ी उत्सुकता है। हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप में भारत के उप-कप्तान थे। उन्होंने रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में टी20 टीम की कप्तानी भी की है, लेकिन आइपीएल में मुंबई इंडियंस में उनकी फीकी वापसी ने चीजों को पहले की तुलना में बदला है। आइपीएल में हार्दिक की कप्तानी को लेकर काफी आलोचनाएं झेलनी पड़ी थी। ऐसे में गौतम गंभीर और भारतीय क्रिकेट के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच कप्तान को लेकर काफी चर्चा होने की उम्मीद है। जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव भी कप्तानी के दावेदार हैं। ऋषभ पंत की बढ़िया वापसी, उनकी कम उम्र भी उन्हें कप्तानी के लिए पसंदीदा बनाती है। इसलिए श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में यह अभी भी अस्पष्ट है कि हार्दिक को फुल-टाइम कप्तान बनाया ही जाएगा। हालांकि टी20 विश्व कप के बाद हार्दिक को लेकर नजरिया तेजी से फिर बदला है।

बेली ने वॉर्नर की चैंपियंस ट्रॉफी की उम्मीदों पर पानी फेरा

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने अगले साल पाकिस्तान में होने वाली आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए डेविड वार्नर के संन्यास से वापसी के संकेत को खारिज करते हुए कहा है कि पूर्व सलामी बल्लेबाज सिर्फ मामले को भड़का रहे हैं। बेली ने कहा, मुझे लगता है कि वार्नर रिटायर हो गए हैं और तीनों प्रारूपों में उनके अविश्वसनीय करियर के लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए।

भारत के लिए मैच जीतने से बेहतर कुछ नहीं: युवराज

एजेंसी

मुबंई। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स जीतने के बाद कहा कि उन्हे नहीं लगता कि अपने देश के लिये जीत हासिल करने से बेहतर और कोई अहसास हो सकता है। युवराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत के लिए खेल में आकर जीतने से बेहतर कोई एहसास है। यह हमारा जुनून है। मुझे लगता है कि आप हमेशा कहते हैं कि इतने साल हो गए हैं, मैदान पर वापसी करना मुश्किल है, लेकिन जैसा कि मैं कहा, इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है। उन्होने कहा मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान वास्तव में अच्छी टीमें थीं। हमें उन्हें हराने के लिए कुछ बहुत अच्छी क्रिकेट खेलनी थी, जो हमने किया और विशेष रूप से पाकिस्तानी गेंदबाजी के खिलाफ, हमें वास्तव में अच्छी योजना बनानी थी। बर्मिंघम मुझे लगता है कि यह एक शानदार आयोजन स्थल है। वहां के खेल प्रशंसकों की भीड़ एक सुखद अहसास था। मुझे लगता है कि दर्शकों ने भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल का पूरा आनंद लिया। यह लीग के लिए बहुत अच्छा है, और मुझे लगता है कि सभी ने टूर्नामेंट का आनंद लिया, और अब हम ट्रॉफी के साथ वापस जा रहे हैं।

रिंकू को मिला बेस्ट फील्डर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने शुभमन गिल की कप्तानी में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई 5 मैचों की सीरीज को 4-1 से अपने नाम कर लिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया की जीत के बाद कोच वीवीएस लक्ष्मण द्वारा रिंकू सिंह को बेस्ट फील्डर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड दिया गया, जिसका वीडियो बीसीसीाई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किया है। वीडियो की शुरूआत में इस दौरे पर भारतीय टीम के कोच वीवीएस लक्ष्म बेस्ट फील्डर का अवॉर्ड देने के लिए फील्डिंग कोच सुभादीप घोष को बुलाते हैं।

सात्विक-चिराग को पेरिस ओलंपिक के लिए अनुकूल ड्रॉ मिला

नयी दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी को 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक (23 वर्ष) और चिराग (27 वर्ष) की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है। स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी.राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण शुक्रवार को पुरुष युगल ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरूआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी।

मुलर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

म्यूनिख (जर्मनी)। जर्मनी के फॉरवर्ड थॉमस मुलर ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की, जिससे उनके 14 साल तक चले करियर का अंत हो गया। वह 2014 में विश्व कप जीतने वाली जर्मन टीम के सदस्य थे। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने जर्मनी की तरफ से 131 मैच खेले और 45 गोल किए। मुलर ने एक यूट्यूब चैनल से कहा कि अपने देश की तरफ से खेलने में मुझे हमेशा गर्व महसूस हुआ। हमने मिलकर जश्न मनाया और कभी-कभी साथ में आंसू भी बहाए। मैं सभी प्रशंसकों और जर्मन टीम के अपने साथियों का इतने वर्षों तक मेरा समर्थन करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मुलर ने जर्मनी की तरफ से अपना आखिरी मैच यूरो 2024 के विजेता स्पेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के रूप में खेला था। उन्होंने 2010 में अर्जेंटीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था। उन्होंने चार विश्व कप और इतने ही यूरोपीय चैंपियनशिप में भाग लिया।

सीआईएससीई रीजनल कराटे में रांची जोन बना रनर अप

रांची। डॉन बॉस्को अकादमी दीघा पटना में आयोजित रीजनल कराटे चैंपियनशिप के अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 में रांची जोन की बालिकाएं बनी रनर अप। इस चैंपियनशिप में बिहार और झारखंड के विभिन्न जोन से अंडर 14,17 और 19 बालिका और बालक वर्ग में लगभग डेढ़ सौ खिलाड़ियों ने भाग लिया। रांची जोन के बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा, बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, नामकोम और बिशप वेस्टकॉट बॉयज स्कूल नामकोम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल्ड, आठ सिल्वर और दो ब्रोंज अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप के सभी गोल्ड मेडलिस्ट नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेंगे। कोच विमल नाग, अनिल शर्मा और विनीत कुमार यादव के मार्गदर्शन में सभी खिलाड़ियों ने जीत हासिल की। प्राचार्या जे एडविन, प्राचार्या मिस एन जेकब्स और प्राचार्य जेजे एडविन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

यूरोपियन चैंपियनशिप की सबसे सफल टीम बनी स्पेन

एजेंसी

बर्लिन। स्पेन ने यूरोपियन चैंपियनशिप (यूरो कप) 2024 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 2-1 से हराने के साथ ही रिकॉर्ड चौथी बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। यूरो कप की ट्रॉफी सर्वाधिक बार जीतने का रिकॉर्ड अब स्पेन के नाम हो गया है। इससे पहले स्पेन और जर्मनी ने एक समान तीन-तीन बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था, लेकिन अब स्पेन इस चैंपियनशिप की सबसे सफल टीम बन गई है। स्पेन की टीम 1964, 2008 और 2012 में भी चैंपियन रही है। वहीं, इंग्लैंड की टीम का 58 साल का इंतजार अब तक समाप्त नहीं हो सका है। बर्लिन के ओलंपियास्टेडियन में खेले गए यूरो कप के फाइनल मुकाबले अंतिम क्षणों में मिकेल ओयारजाबल ने मार्क कुकुरेला के क्रॉस पर गोल दागा जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले, स्पेन और इंग्लैंड के बीच पहले हॉफ तक मुकाबला गोल रहित रहा था, लेकिन 47वें मिनट में स्पेन के निको विलियम्स ने लामाइन यमल से मिले पास पर गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इंग्लैंड ने भी बराबरी की काफी कोशिश की और उसे 73वें मिनट में सफलता मिली जब स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे कोल पामर ने गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने बढ़त लेने की कोशिश की और एक समय लगा कि मैच में अतिरिक्त समय में जाएगा, लेकिन ओयारजाबल ने बिना कोई गलती किए गोल दागा और टीम को जीत दिलाने में सफल रहे।

नहीं खत्म हुआ इंग्लैंड का 58 साल का खिताबी सूखा

इंग्लैंड टीम की कोशिश अपने 58 साल के खिताबी सूखे को समाप्त करने पर टिकी हुई थी, लेकिन उसे लगातार दूसरी बार यूरो कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और उसका खिताबी सूखा अब तक समाप्त नहीं हो सका। स्पेन की टीम जहां खिताबी मुकाबले में अजेय रहते हुए आई थी, जबकि इंग्लैंड ने उतार-चढ़ाव भरे सफर के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। इंग्लैंड ने यूरो 2024 में नॉकआउट चरण के अपने तीनों मैचों को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीते थे। इंग्लैंड और स्पेन के बीच छह साल बाद कोई मुकाबला खेला गया था। दोनों टीमों के बीच इससे पहले 2018 में नेशंस लीग का डबल हेडर मैच खेला था। स्पेन ने 2018 में वेंबली स्टेडियम में 2-1 से जीत दर्ज की थी, जबकि इंग्लैंड ने सेविला में खेले गए अगले मैच में वापसी करते हुए स्पेन को 3-2 से हराया था। स्पेन के लामाइन यमल इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उतरने के साथ ही किसी बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी पेले का 66 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ डाला। यमल जब यूरो कप 2024 का फाइनल खेलने उतरे तो उनकी उम्र 17 साल एक दिन थी, जबकि 1958 में फीफा विश्व कप का फाइनल खेलते समय पेले की उम्र 17 साल 249 दिन थी।

मुसलमान समाज को लालू यादव और तेजस्वी पर भरोसा नहीं : नीरज कुमार

जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राजद पर जमकर निशाना साधा

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि मुस्लिम समाज ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर भरोसा नहीं किया। पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा सीट पर उप-चुनाव में राजद उम्मीदवार बीमा भारती की करारी हार को लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए जेडीयू प्रवक्ता ने कहा कि रुपौली के आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम समाज ने राजद नेतृत्व पर भरोसा नहीं किया है। रुपौली सीट पर 10 जुलाई को हुए उप-चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा-रामविलास के बागी और बाहुबली शंकर सिंह ने निर्दलीय जीत दर्ज की है। जेडीयू के कलाधर मंडल दूसरे और राजद की बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं।

जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू ने अपने 16 उम्मीदवारों में 4 अंत्यत पिछड़ा को कैंडिडेट बनाया था। जबकि राजद ने अपने 23 उम्मीदवारों में सिर्फ 2 उम्मीदवार अति पिछड़ा से दिया था। नीरज कुमार ने कहा कि यह राजद के अति पिछड़ा प्रेम के दावों की पोल खोलता है। रुपौली में हारीं बीमा भारती अति पिछड़ा वर्ग से आती हैं और 2020 के विधानसभा चुनाव में रुपौली सीट से पांचवीं बार जीती थीं। पहली बार निर्दलीय और एक बार आरजेडी के टिकट पर विधायक बनीं बीमा भारती पिछले तीन चुनाव से जेडीयू के टिकट पर जीत रही थीं। बीमा भारती को लालू यादव ने जेडीयू से बुलाकर पूर्णिया लोकसभा से टिकट दिया था जहां कांग्रेस से लड़ने की कोशिश में अपनी पार्टी का विलय करने वाले पप्पू यादव ने भी निर्दलीय ही जीत दर्ज की है। पप्पू यादव के खिलाफ लड़ीं बीमा भारती की जमानत जब्त हो गई थी क्योंकि आरजेडी को पूरा आधार वोट यादव और मुसलमान पप्पू यादव की तरफ हो गया। पूर्णिया के पत्रकारों का कहना है कि पप्पू यादव के खिलाफ लड़ने के कारण रुपौली में भी मुसलमानों ने बीमा के बदले शंकर सिंह को वोट दे दिया जो पहले एक बार लोजपा के टिकट पर यहां से जीत जुके हैं। शंकर सिंह राजपूत जाति की निजी सेना नॉर्थ लिबरेशन आर्मी के कमांडर रहे हैं जिसका मुखिया कभी बूटन सिंह हुआ करते थे। बूटन सिंह की पत्नी लेसी सिंह जेडीयू में हैं और नीतीश सरकार में लगातार मंत्री बन रही हैं। यह सेना पप्पू यादव से लड़ने के लिए बनाई गई थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतनराम मांझी समेत एनडीए के सारे बड़े नेताओं ने रुपौली में प्रचार किया था। नीतीश ने अपनी सभा में बीमा भारती के लिए कहा था कि जो साथ छोड़कर जाता है, उसका गड़बड़ हो जाता है। वैसे बीमा के लिए रुपौली चुनाव में राहत की बात ये रही कि पूर्णिया लोकसभा में उनको कुल 27120 वोट मिला था और उसमें रुपौली क्षेत्र से 11 हजार से कम वोट था। लेकिन विधानसभा उप-चुनाव में उन्हें अकेले रुपौली में ही 30619 वोट मिला है। बीमा और कलाधर दोनों अति पिछड़ा वर्ग के नेता हैं और उनकी लड़ाई में मुसलमानों का शंकर सिंह की तरफ झुक जाने से एनडीए और महागठबंधन को तगड़ा सबक मिल गया।

खबर | एक नजर में

मोहर्रम का झंडा गाड़ने को लेकर विवाद, थाना में दिया आवेदन

मझिआंव। थाना क्षेत्र के बकोईया गांव में मोहर्रम का झंडा गाड़ने को लेकर हुए विवाद में दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे के उपर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मझिआंव थाना में आवेदन दिया है। प्रथम पक्ष के गौरी शंकर पाठक के द्वारा दिए गए आवेदन में जिक्र किया गया है कि मोहर्रम का झंडा मेरे घर के दरवाजे पर गाड़ा जा रहा था। इसका विरोध करने पर जोगीवीर गांव के कैसर अंसारी पिता स्व. जमीर अंसारी, शकील अंसारी एवं बकोईया गांव के संजीव कुमार पाठक उर्फ बबलू पाठक, रामनाथ पाठक एवं राजेश पाठक सभी लोगों ने मुझे घेर कर धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया। इस दौरान मेरे माथा एवं बाजू सहित शरीर के अन्य अंगों में गंभीर चोट लगने लगी है। साथ ही उन्होंने उपरोक्त सभी लोगों के ऊपर प्राथमिक की दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इधर दिए गए आवेदन के आलोक में थाना प्रभारी आकाश कुमार ने केस कांड संख्या 70/24 धारा 126(2), 115(2), 117(2), 118(2) 109(5) 3 बीएनएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। द्वितीय पक्ष के जोगीबीर गांव निवासी स्व. हिफाजत करीम अंसारी के पुत्र ताज अंसारी के द्वारा थाना में दिए गए आवेदन में कहा गया है कि बकोईया गांव के स्व. सूर्य देव पाठक के पुत्र गौरी शंकर पाठक एवं रामनाथ पाठक तथा गौरी शंकर पाठक की पत्नी एवं रामनाथ पाठक के पुत्र अमरेंद्र पाठक ने मोहर्रम के लगे झंडे को उखाड़ कर फेंक दिया। इसका विरोध करने पर मेरे साथ धक्का मुक्की किया गया। इस दौरान गौरी शंकर पाठक ने मेरे माथा पर डंडा से वार कर दिया। जिसमें मेरा माथा फट गया और मैं घायल हो गया। इसके साथ ही गौरी शंकर पाठक ने धमकी देते हुए कहा कि यहां से भाग जाओ नहीं तो राइफल से सभी को छलनी कर दूंगा। साथ ही जांचोंपरात उपरोक्त सभी दोषियों पर अभिलंब कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इधर-उधर समाचार लिखे जाने तक द्वितीय पक्ष के द्वारा दिए गए आवेदन के आलोक में प्राथमिक की दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही थी।

फर्जी डाक्टरो व अवैध नर्सिंग होम के खिलाफ किया गया पैदल मार्च

पूर्वी चंपारण। जिले के सुगौली में संचालित अवैध नर्सिंग होम और फर्जी डॉक्टरों के कारगुजारी से हो रही मौत यहां के लोगो के लिए गंभीर मुद्दा बन गया है। हाल में ही फर्जी डॉक्टर एस कुमार के गलत इलाज के कारण फुलवरिया के एक व्यक्ति की जान के बाद उक्त डॉक्टर पर मुकदमा दर्ज कर अस्पताल को सील भी किया गया है। ऐसे में इस गंभीर मुद्दो को लेकर सोमवार को एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के तत्वावधान में एक पैदल मार्च और जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के संरक्षक सुजीत रमन ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि कोई भी गरीब मरीज पैसे के अभाव में दम न तोड़े। इसके साथ ही, सभी फर्जी डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई के लिए हम उच्च अधिकारियों और बिहार सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे।उन्होने कहा कि इस गंभीर स्थिति में हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस अभियान में भाग लें और समाज के हर व्यक्ति को जागरूक बनाएं ताकि फर्जी डॉक्टरों और अवैध नर्सिंग होम्स के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ी जा सकें। स्पेशल मार्च में वूमेन प्रोटेक्शन के जिला सचिव मनीष सिंह,मोनिका सिंह भोजपुरी गायिका नीतू कश्यप, प्रिंस चौबे मनप्रीत ठाकुर अनमोल सिंह विकास कश्यप सहित सैकड़ो मौजूद रहे।

बक्सर : जमीन कब्जा कराने की कोशिश कर रहे पूर्व मंत्री गिरफ्तार

बक्सर। बिहार की बक्सर जिला पुलिस ने पूर्व मंत्री छेदी लाल राम को अवैध तरीके से जमीन कब्जा कराने के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि जिले के सैथू बसंतपुर छावनी गांव में हथियार के बल पर जमीन दखल करने के लिए पहुंचने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूर्व मंत्री को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी रविवार देर शाम हुई, जिसके बाद पूर्व मंत्री एवं अन्य लोगों को राजपुर थाना लाया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) धीरज कुमार ने राजपुर पहुंच कर मामले की छानबीन करने के साथ ही मंत्री से पूछताछ की।

बिहार के मुसलमान समाज में आज भी भारी पिछड़ापन : प्रशांत किशोर

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि बिहार के मुस्लिम समाज में आज भी भारी पिछड़ापन है जिसे उन्हें अपनी मेहनत और जद्दोजहद से दूर करने की जरूरत है। श्री किशोर ने सोमवार को राजधनी पटना के हज भवन स्थित मौलाना मजहरुल हक स्टेडियम में पूर्व मंत्री मोनाजिर हसन की अध्यक्षता में आयोजित बिहार का सियासी मंजरनामा और मुसलमान विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मुस्लिम समाज सियासत, रोजगार और शिक्षा में काफी पीछे छूटते जा रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह एक दल विशेष की बंधुआ मजदूरी और किसी नेता के पिछलग्गू बनने की आदत है। उन्होंने कहा, आप तेल बनकर लालटेन में जल रहे हैं और दूसरा रौशनी का मजा ले रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा ने सांसद को सम्मानित किया

सहरसा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने सोमवार को कायस्थ टोला स्थित सांसद दिनेश चंद्र यादव के आवास उन्हें सम्मानित किया। महिला मोर्चा का नेतृत्व कर रहें रिंकी कुमारी नें बताया कि मधेपुरा लोकसभा निर्वाचन सें निर्वाचित सांसद दिनेश चंद्र को महिलाओ ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके दीघार्यु जीवन की कामना की। सांसद यादव नें महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त कर शुभकामना दी। उन्होंनें कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओ के हित में अनेकानेक सार्थक कदम उठाए गए है। वही जीविका समूह से जुड़कर महिलाओ को स्वावलंबन प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही शराबबंदी के कारण महिलाओ पर हो रहे घरेलू अत्याचार में काफी कमी आई है, जिसके कारण महिलाओ का जीवन स्तर में व्यापक सुधार दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी जीत में आधी आबादी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पेज एक का शेष

नशे के सौदागरों पर नकेल कसें

बिन लाइसेंस शराब बिक्री रोकें : बिना लाइसेंस के जगन्नाथपुर, बिरसा चौक सहित अन्य इलाकों में अवैध रूप से शराब बिकती हैं, इसे शीघ्र रोकें। इस पर सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि पुलिस अफीम, चरस, गांजा की बिक्री पर रोक लगाने के लिए लगातार लगातार छापेमारी कर गिरफ्तारियां कर रही है। राज्य सरकार कमेटी बनाकर बार एवं रेस्टोरेंट के बंद होने के समय पर नजर रख रही है। बार एवं रेस्टोरेंट में नियमों का उल्लंघन पर उत्पाद विभाग कड़ी कार्रवाई कर रही है। राज्य सरकार बिना लाइसेंस शराब बिक्री करने वालों पर सख्ती कर रही है।

रत्न भंडार में नहीं मिला कोई भी सांप और सरीसृप

मौजूद रही सांप पकड़ने वाली टीम: पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने बताया कि हमें कोई सांप, कीट या सरीसृप नहीं मिला है। सांपों की मौजूदगी की आशंका के चलते सरकार ने मंदिर में सांपों को पकड़ने और बचाने में विशेषज्ञता रखने वाली स्वैच्छिक इकाई स्नेक हेल्पलाइन के 11 सदस्यों को तैनात किया। पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल को एंटीवेनम स्टॉक में रखने के लिए कहा गया था। सदियों से चली आ रही आशंकाएं कि खजाने की रखवाली में सांप हैं, मिथक साबित हुईं।

कई अफवाहें फैलाई गयी थीं

जस्टिस रथ ने कहा कि अफवाहें फैलायी गयीं थीं कि रत्न भंडार खोलने वालों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। रत्न भंडार खुलने के बाद हम (11 लोग) सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि रत्न भंडार पूरी तरह से जीर्णशीर्ण नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि कुछ पत्थर और धूल जमीन पर गिरे थे क्योंकि खजाना कई दशकों से बंद था। रथ ने कहा कि उन्हें रत्न भंडार की दीवारें गीली नहीं मिलीं। हमें आंतरिक कक्ष में 5 अलमारियां और 6 या 7 लकड़ी के बक्से (सिंदुका) मिले। हमने कीमती सामान की जांच करने के लिए उन्हें नहीं खोला।

स्पीड न्यूज

सिविल इंजीनियर फाइनल ईयर का छात्र लापता, पिता ने कराई सनहा दर्ज

अभिषेक कुमार।

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 मझिआंव कला बाजार क्षेत्र स्थित वीआईपी गली निवासी संतोष कमलापुरी उर्फ भुलाई का 19 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार रविवार की संध्या घर से लापता हो गया। इधर इस संबंध में लापता अभिषेक के पिता संतोष कमलापुरी ने मझिआंव थाना में सनहा दर्ज करने के लिए लिखित आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन में कहा गया कि रविवार के शाम लगभग 6 बजे घर से बिना बताए अभिषेक कहीं चला गया। रिश्तेदारों एवं सगे-संबंधियों के यहां पता एवं खोजबीन करने के बाद भी कहीं पता नहीं चला। अभिषेक का हाइट लगभग 5 फीट, रंग गोरा, दुबला-पतला, पीला रंग का टी-शर्ट एवं जींस पहना हुआ है। बताया कि अभिषेक टाटा जमशेदपुर स्थित चांडील कॉलेज से सिविल इंजीनियर के फाइनल ईयर का छात्र है। उन्होंने आम अवाम से अपील करते हुए कहा है कि जिस किसी को भी जानकारी मिले कृप्या 99311 44997 एवं 62016 61491 मोबाइल नंबर पर जानकारी दें।

अवैध बालू ले जा रहा ट्रैक्टर जप्त

डंडई। थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को लवाही से पचौर जाने वाले मोड़ के समीप अवैध ढंग से उत्खनन कर बालू ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पुलिस ने जप्त किया है। इसे लेकर खनन विभाग की ओर से मामला दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। ज्ञात हो कि पिछले 10 जून को एनजीटी की ओर से बालू उठाव पर रोक लगा दी गई है। उसके बाद भी बालू माफिया अवैध खनन और परिवहन से बाज नहीं आ रहे हैं। बालू उठाव पर रोक के बाद भी बालू की अवैध धंधा प्रखंड क्षेत्र में फल फूल रहा है। बताते चले प्रखंड क्षेत्र व उसके आसपास दानरो नदी, यूरिया नदी व कनहर नदी से अवैध बालू का कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है। प्रशासन की सख्ती के बावजूद माफिया बालू का अवैध कारोबार बेखौफ चला रहे हैं। क्षेत्र में लगातार अवैध तरीके से बालू का उत्खनन कर उसे ऊंचे दाम पर बेचा जा रहा है। इधर बालू के अवैध खनन के खिलाफ डंडई थाना पुलिस लगातार छापेमारी में जुटी है। इस दौरान डंडई थाना पुलिस को गश्ती के दौरान बालू लदा एक ट्रैक्टर को पकड़ा। लेकिन ट्रैक्टर मालिक सह चालक मौके पर ट्रैक्टर छोड़ कर भागने में सफल रहा। इधर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया है।

मुहर्रम को लेकर डीसी ने की शांति समिति की बैठक, दिये कई निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक करते डीसी।

गढ़वा। डीसी शेखर जमुआर ने सोमवार को मुहर्रम पर्व को लेकर समन्वय समिति, मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी, सामाजिक कार्यकताओं एवं विभिन्न जनप्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक की। बैठक में डीसी एवं एसपी दीपक कुमार पांडेय ने मुहर्रम पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। बैठक में मुहर्रम पर्व को लेकर विभिन्न एहतियातों को लेकर प्रकाश डाला गया। किसी भी परिस्थिति में किसी तरह के भड़काऊ भाषण व भड़काऊ गानें, (जो किसी भी जाति/धर्म को ठेंस पहुचाये) को न बजाने की सख्त हिदायत की गई, ताकि किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हो। साथ ही अफवाहों को फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखने की बात कही गई। सरकार के गाइडलाइंस के अनुसार मोहर्रम पर्व मनाने की बात विभिन्न मोहर्रम कमेटी के सदस्यों, समन्वय समिति के सदस्यों द्वारा मनाने की सहमति जताई गई।

डीसी श्री जमुआर ने निर्गत सरकारी गाइडलाइंस के तहत पर्व को मनाने की बात कहते हुए बताया कि जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन आपके सहयोग के लिए साथ हैं। उन्होंने विशेषकर इस बात का ध्यान रखने को दोनों समुदायों से कहा कि कोई भी असामाजिक तत्व भीड़ व मौके का फायदा उठाकर कोई गलत कृत्य नहीं कर पाए। प्रशासन अपना दायित्व निभाएगी। पर्व मनाने वाले आमजनों से भी लॉ एन्ड आर्डर का सम्मान करने एवं ध्यान में रखते हुए मनाने की बात कही। एसपी श्री पांडेय ने लॉ एंड ऑर्डर की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की बात कही। उन्होंने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक जुलूस आयोजकों से समन्वय स्थापित कर लें कि जुलूस निर्धारित रूट से ही निकाली जाएगी। किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक पोस्ट व तथ्यों को नहीं फैलाने की बात कही। उन्होंने किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक पोस्ट अथवा तथ्यों को सोशल मीडिया साइट पर प्रचारित-प्रसारित ना करके संबंधित जिम्मेवार पदाधिकारियों को व्यक्तिगत रुप से सूचित करने की बात कही। उन्होंने भड़काऊ भाषण, गीत, आपत्तिजनक तथ्यों को फैलाने एवं धार्मिक भावनाओं को आहत करने जैसी चीजों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही। बैठक में डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा, जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, नगर उंटारी एसडीओ प्रभाकर मिर्धा, रंका एसडीओ रुद्र प्रताप, सीएस डॉ अशोक कुमार, जिला स्तर के विभिन्न पदाधिकारीगण, जिले के विभिन्न बीडीओ एवं सीओ, विभिन्न प्रखंडों के थाना प्रभारी, जनप्रतिनिधि, समन्वय समिति के सदस्यगण, सामाजिक कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

बिजली करंट से एक की मौत

मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम

मृतक बाबूलाल।

सगमा। धुरकी थाना क्षेत्र के सगमा के बंजारी दामर ग्राम निवासी 55 वर्षीय बाबूलाल प्रजापति की मौत विद्युत की चपेट में आने से हो गई। सोमवार की सुबह उसका शव घर से कुछ दूरी पर विद्युत तार में लिपटा मिला। जानकारी के अनुसार बाबूलाल अपने परिजनों से बगैर बताए अपने घर के बगल के खेत में घास निकालने गया था। वहीं बिजली तार की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हालांकि परिजनों ने रविवार की मध्य रात्रि तक बाबूलाल की काफी खोजबीन की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। परिजनों व ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर सोमवार सुबह 8 बजे से 10 बजे तक श्री बंशीधर नगर-धुरकी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार, एसआई विकू कुमार, बिजली विभाग के एसडीओ दीपक कुमार, पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव के सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधा दिलाने के आश्वासन के बाद जाम समाप्त हुआ। जबकि बिजली विभाग द्वारा ग्रामीण स्थल पर ही मृतक के परिजनों को दस हजार रुपए दिया गया। मौके पर भाजपा नेता राजेंद्र यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष रेयाज अंसारी, सगमा मुखिया तेज लाल राम, पूर्व मुखिया नारायण दास यादव, उप प्रमुख अर्जुन पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजेश बैठा, माले नेता कामेश्वर विश्वकर्मा, प्रकाश प्रताप देव, ललन उरांव, अखिलेश उरांव, मुख्तार आलम आदि उपस्थित थे।

अलग-अलग सडक दुर्घटना में चार गंभीर

घायल युवक।

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बाइक दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना में भवनाथपुर टाउनशिप मुख्य पथ पर पेट्रोल पंप के समीप रविवार की रात बाईक व टेंपो के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों थाना क्षेत्र के सिंदुरिया निवासी धर्मेंद्र सिंह पिता रामजीत खरवार एवं विशाल पासवान पिता विजय पासवान का नाम शामिल है। उक्त दोनों युवकों को इलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनो युवकों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना में मुस्कैनिया पहाड़ के समीप एक बाइक चालक ने साईकिल सवार को टक्कर मार दी। जिससे साइकिल सवार लखन बैठा एवं बाइक चालक अजित कुमार पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने 108 एंबुलेंस से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया। जहां इलाज के बाद दोनों को गढ़वा रेफर कर दिया गया।

बैक टू स्कूल कैंपेन के तहत कार्यशाला का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यशाला में उपस्थित लोग।

कांडी। प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को प्रखंड संसाधन केंद्र कांडी के तत्वावधान में बैक टू स्कूल कैंपेन के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रखण्ड प्रमुख सतेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पिंकू पांडेय, बीपीओ बिरेंद्र प्रसाद, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शाहिद अंसारी व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि दिनेश राम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर उक्त कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया।

कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए बीपीओ बिरेंद्र प्रसाद ने कहा कि वैसे बच्चे जो 5 वर्ष से अधिक हो चुके हैं, किसी कारण विद्यालय में उनका नामांकन नहीं हो सका है, वैसे बच्चों को चिन्हित कर स्कूल में जल्द नामांकन लिया जाए। यह अभियान 15 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान में अपने-अपने पोषक क्षेत्रों से सरस्वती वाहिनी संचालन समिति, माता समिति को अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभाना होगा। अधिक संख्या में क्षितिज बच्चों का नामांकन कराने का सख्त निर्देश दिया गया। मौके पर सीआरपी अरुण सोनी, बीआरपी जयप्रकाश लाल, मध्यान भोजन अनुश्रवण सहायक सुमन्त राम, प्रधानाध्यापक पुरषोत्तम कुमार द्विवेदी, अलखदेव राम, जयराम चौधरी सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

मुखियाओं की बैठक आयोजित, पंचायत में हो रही समस्याओं को लेकर मांग पत्र सौंपने का निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक करते मुखिया।

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध सतबहिनी झरना तीर्थ व पर्यटन स्थल के प्रांगण में सभी 16 पंचायतों के मुखिया द्वारा एक विशेष बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष सह पतीला पंचायत के युवा मुखिया अमित कुमार दुबे ने की। बैठक में उपस्थित सभी मुखिया ने सर्वसम्मति से विभिन्न बिंदुओं पर निर्णय लिया। वहीं युवा मुखिया अमित कुमार दुबे ने सभी मुखिया को संबोधित करते हुए कहा कि कांडी प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से 24 जुलाई को मिलकर पंचायत में हो रही विभिन्न समस्याओं को लेकर मांग पत्र सौपेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायतवासियों को किसी भी परेशानियों का सामना न करना पड़े। जनता का कोई भी कार्य आसानी व सफलता पूर्वक जल्द हो सके। उन्होंने कहा कि मुखिया संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी मुखिया मांग पत्र सौपेंगे। जिसमें मनरेगा योजना से जुड़े सभी कार्य सभी पंचायतों में क्रियान्वित हो, राशन कार्ड, सभी 21 से 50 वर्षों की महिलाओं को पेंशन के रूप में प्रति माह एक हजार, सभी पंचायतों में पूर्व आयोजित जनता दरबार में की गई व्यय की राशि, लोक सभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर की गई व्यवस्था में व्यय की राशि, अबुआ आवास का लक्ष्य, बालू को लेकर आपत्ति आवेदन पत्र, पीएम किसान योजना, यात्रा भत्ता, राशन वितरण प्रणाली में गड़बड़ी, घोटाला आदि को लेकर मांगपत्र सौंपा जाएगा। मौके पर लमारी कला पंचायत मुखिया शशि कुमारी, सरकोनी पंचायत के मुखिया सुबोध कुमार वर्मा, बलियारी पंचायत की मुखिया चंदा देवी, खरौंधा पंचायत मुखिया परिखा राम, चटनिया मुखिया प्रतिनिधि लालू यादव, खुटहेरिया मुखिया प्रतिनिधि विनोद राम, बलियारी मुखिया प्रतिनिधि ललन कुमार, गाड़ा खुर्द मुखिया प्रतिनिधि नीरज सिंह, लमारी कला मुखिया प्रतिनिधि रिंकु सिंह सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल में मिसेज का होगा प्रीमियर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'मिसेज' का प्रीमियर मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में होगा। सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी फिल्म मिसेज को लेकर चर्चा में है। फिल्म' मिसेज का मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में प्रीमियर होगा। फिल्म मिसेज मलयालम फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचेन' का हिंदी रूपांतरण है। इस फिल्म में सान्या के अलावा कंवलजीत सिंह व निशांत दहिया भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, पम्मी बावेजा और हरमन बावेजा ने किया है।

सुप्रीम कोर्ट उमर की पत्नी से तलाक की याचिका पर विचार करेगा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक की मांग वाली उनकी एक याचिका पर वह विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उमर अब्दुल्ला का पक्ष रख रहे अधिवक्ता सिब्बल की दलीलें सुनने के बाद पायल को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने का निर्देश दिया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली। देश के नये विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपना कार्यभार ग्रहण किया। मिस्री ने विनय मोहन क्वात्रा का स्थान लिया है जो कल सेवानिवृत्त हो गये। मिस्री अभी तक उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे।

22 जुलाई तक बढ़ी सिसोदिया की हिरासत

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 22 जुलाई तक बढ़ा दी है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने पेंसिल्वेनिया की घटना को 'विचित्र अनुभव' बताया

मेरी मौत नियत कर दी गई थी भगवान की कृपा से बचा : ट्रंप

ट्रंप ने कहा कि अस्पताल के डॉक्टर ने कहा कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा, उन्होंने इसे चमत्कार बताया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में उन पर हुए जानलेवा हमले के बाद उनकी 'मौत नियत कर दी गयी थी' तथा उन्होंने इस घटना को एक 'विचित्र अनुभव' बताया। घटना के बाद एक साक्षात्कार में पूर्व राष्ट्रपति ने रूढ़िवादी अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्हें लगता है कि वे 'भाग्य या भगवान' की कृपा से बच गये।

डोनाल्ड ट्रंप ने शुरू हो रहे रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए मिलवॉकी जाते समय बात करते हुए कहा कि मेरे बारे में यह माना जा रहा था कि मैं यहां नहीं रहूंगा, मेरी मौत नियत कर दी गयी थी। सम्मेलन में उन्हें 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सबसे अविश्वसनीय बात यह थी कि मैंने न केवल अपना सिर घुमाया, बल्कि सही समय पर और सही मात्रा में घुमाया।

उन्होंने कहा कि जो गोली उनके कान को छूती हुई निकली, उससे उनकी आसानी से मौत हो सकती थी। ट्रंप ने कहा, मेरी मौत नियत कर दी गयी थी, मेरे बारे में माना जा रहा था कि मैं यहां नहीं रहूंगा। उन्होंने इस पूरी घटना को एक 'विचित्र अनुभव' बताया।

इस हमले में एक दर्शक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन पर हमला करने वाले 20 वर्षीय बंदूकधारी की भी मार गिराया गया, जिसका नाम थॉमस मैथ्यू क्रुक्स था। जानकारी के अनुसार, ट्रंप ने अपने दाहिने कान पर सफेद पट्टी बांध रखी थी, लेकिन उनके सहयोगियों ने कोई तस्वीर लेने की अनुमति नहीं दी।

ट्रंप ने कहा कि अस्पताल के डॉक्टर ने कहा कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा, उन्होंने इसे चमत्कार बताया। उन्होंने कहा, भाग्य से या भगवान की कृपा से.. कई लोग कह रहे हैं कि भगवान की कृपा से मैं अभी भी यहां (जीवित मौजूद) हूं। ट्रंप ने अपनी तस्वीर की तरफ इशारा करते हुए कहा, लड़ो। इस तस्वीर में वह मुट्ठी बांधे हुए दिख रहे हैं और उनके चेहरे पर खून की बूंदें दिख रही हैं। ट्रंप ने कहा, बहुत से लोग कहते हैं कि उन्होंने ऐसी प्रभावशाली तस्वीर पहले कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा, वे सही हैं और मैं नहीं मरा। आम तौर पर, एक ऐसी तस्वीर हासिल करने के लिए लोग तरसते हैं। ट्रंप ने अखबार को बताया कि गोलीबारी के बाद भी वह बोलना जारी रखना चाहते थे लेकिन सीक्रेट सर्विस ने उन पर अस्पताल जाने का दबाव डाला। उन्होंने कहा, मैं बस बोलना जारी रखना चाहता था, लेकिन मुझे गोली मार दी गई। ट्रंप ने कहा कि वह राष्ट्रपति जो बाइडेन से प्राप्त फोनकॉल की सराहना करते हैं, जो चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वी भी हो सकते हैं। उन्होंने इसे ठीक और बहुत अच्छा कहा। सूत्रों ने बताया कि ट्रंप ने सुझाव दिया कि उनके और डेमोक्रेट बाइडेन के बीच अभियान अब से अधिक शिष्टतापूर्ण हो सकता है।

बजट में बेरोजगारी की असलियत नजरअंदाज करेगी सरकार : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि देश में बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है, लेकिन मोदी सरकार इसे नजरअंदाज करती रही है और बजट में भी वह अर्थव्यवस्था की गुलाबी बजट वाली तस्वीर पेश कर बेरोजगारी की भयावह स्थिति पर पर्दा डालने का ही प्रयास करेगी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बयान जारी कर दावा किया है कि मोदी सरकार असलियत पर पर्दा डालेगी और सिर्फ गुलाबी बजट की तस्वीर ही पेश करेगी। उनका कहना था कि मोदी सरकार सिर्फ अच्छी तस्वीर पेश करने का प्रयास कर असलियत से ध्यान भटकाने का काम कर रही है और इस बार के बजट में भी उसकी इसी तरह से वास्तविकता से हटकर गुलाबी बजट पेश करने की कोशिश रहेगी। प्रवक्ता ने कहा कि आगामी बजट भी निस्संदेह अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करने के लिए आरबीआई डेटा का उपयोग करेगा, लेकिन, नौकरियों के मोर्चे पर वास्तविक हालात बेहद गंभीर है - बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और कम गुणवत्ता वाले रोजगार दोनों के कारण। अगले मंगलवार को बजट भाषण में इस दोहरी त्रासदी को निश्चित रूप से नजरअंदाज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक के नए अनुमान के आधार पर सरकार जॉब मार्केट में तेजी का दावा कर रही है कि उसने नेतृत्व में आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था ने आठ करोड़ नौकरियां सृजित की हैं जबकि सच यह है कि रोजगार के आंकड़ों में यह वृद्धि वास्तविकता के अनुरूप नहीं है। इस समय निजी निवेश कमजोर रहा है और उपभोग में वृद्धि बेहद सुस्त है। सरकार ने रोजगार की गुणवत्ता और परिस्थितियों पर ध्यान दिए बिना, रोजगार की बहुत विस्तृत परिभाषा अपनाकर, रोजगार सृजन का दावा करने के लिए कुछ कलात्मक सांख्यिकीय बाजीगरी की है।

जयराम रमेश ने कहा कि रोजगार वृद्धि का जो दावा किया जा रहा है उसमें महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू काम को भी ह्यरोजगारह्व बताया गया है और खराब आर्थिक माहौल के बीच, श्रम बाजार में वेतनभोगी, औपचारिक रोजगार की हिस्सेदारी में कमी आई है। श्रमिक कम उत्पादकता वाली असंगठित और कृषि क्षेत्र की नौकरियों की ओर जा रहे हैं- यह एक आर्थिक त्रासदी है। सरकार कम वेतन वाली नौकरियों के 'सृजन' को उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। रिजर्व बैंक का डेटा कोरोना काल में रोजगार में वृद्धि दिखाता है जबकि अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ था।

त्योहार मनाने हैं तो नियमों के अंतर्गत मनाओ : योगी

एजेंसी

लखनऊ। 'याद करिए मुहर्रम के समय में सड़कें सूनी हो जाती थी। आज मुहर्रम आयोजित हो रहा है इसका पता भी नहीं लग रहा। ताजिया के नाम पर घर तोड़े जाते थे, पीपल के पेड़ काटे जाते थे, सड़कों के तार हटाए जाते थे। आज कहा जाता है किसी गरीब की झोपड़ी नहीं हटेगी।

आज कहा जाता है सरकार नियम बनाएगी, त्योहार मनाने हैं तो नियमों के अंतर्गत मनाओ नहीं तो घर बैठ जाओ। ये मनमानापन नहीं चल सकता है।'... ये बात कही है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। बीजेपी की यूपी कार्यसिमिति की बैठक में योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में यह बातें कही।

अभी मुहर्रम का आठवां दिन चल रहा है। इसमें आग के शोलों पर चलते हुए या हुसैन के नारा लगाए जाने के बाद मेंहदी जुलूस निकल चुका है। बीजेपी की इस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम योगी, यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत बड़ी संख्या में पार्टी के छोटे-बड़े पदाधिकारी शामिल हुए। मुहर्रम इस्लाम धर्म में विश्वास करने वाले लोगों का एक प्रमुख दिन है।

इस मौके पर ताजिये यानी मोहर्रम का जुलूस निकाला जाता है। इस दिन शिया मुसलमान इमामबाड़ों में जाकर मातम मनाते हैं और ताजिया निकालते हैं। मुहर्रम की 10वीं तारीख को यौम-ए-आशूरा होता है, जो इस साल 17 जुलाई को होगा।

अरविंद केजरीवाल की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहा जेल प्रशासन : आप

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जेल प्रशासन मुख्यमंत्री की रिपोर्ट सार्वजनिक कर उनकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि किसी भी मरीज की मेडिकल रिपोर्ट जारी करना एक अपराध है। जेल प्रशासन ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मेडिकल रिपोर्ट जारी कर चुका है। जेल प्रशासन एक मुख्यमंत्री का मेडिकल रिपोर्ट जारी कर यह साबित कर रहा है कि वह मुख्यमंत्री की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जेल प्रशासन केजरीवाल की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने के लिए गहरी साजिश रच रहा है।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

VERMA PRESS

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar – II	₹ 120	English Grammar – II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

यूपी: राजा भैया के पिता राजा उदय प्रताप सिंह नजरबंद

एजेंसी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में प्रशासन ने कुंडा विधायक राजा भैया के पिता राजा उदय प्रताप सिंह को उनके आवास में ही नजर बंद कर दिया है। शेखपुर इलाके में ताजिया के जुलूस के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ये कार्रवाई की गई है।

उन्हें तीन दिन के लिए हाउस अरेस्ट कर गेट पर भारी फोर्स लगा दी गई है। कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया के पिता उदय प्रताप सिंह बड़े महाराज को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। प्रशासन ने यह कार्रवाई मोहर्रम के चलते की है। यह कार्रवाई सोमवार को भोर में पांच बजे की गई। एसडीएम और सीओ बड़ी संख्या में फोर्स के साथ भदरी कोठी पहुंचे और उदय प्रताप सिंह को नजरबंद कर दिया। इस बार उदय प्रताप को तीन दिनों के लिए नजरबंद किया गया है। गेट पर बड़ी संख्या में फोर्स लगाई गई है। कुंडा के शेखपुर में मोहर्रम पर भंडारे के चलते यह निर्णय लिया गया है। नजरबंद किए जाने के बाद उदय प्रताप सिंह ने ट्वीट किया, इसका समाधान प्रशासन ने निकाल लिया है जो मुसलमानों का विरोध करे उसको अरेस्ट कर लो, जैसे की हमको सुबह से किए हुए हैं। प्रशासन ने हिंदुओं का बहुत सालों से चलता आ रहा भंडारा शेखपुर में नई प्रथा बताकर बंद कर दिया। हालांकि मझिलगांव में सड़क के आर-पार मुसलमानों के नए सिरे से गेट लगाने पर रोक नहीं लगा रहे हैं, उसके नीचे से हिंदुओं को भी जाना पड़ता है।

अडानी-हिंडनबर्ग विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका की खारिज

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अडानी समूह द्वारा स्टॉक मूल्यों में कथित गड़बड़ी के आरोपों की जांच विशेष जांच दल या सीबीआई से कराने से इनकार करने संबंधी तीन जनवरी 2024 के अपने फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अपने पिछले फैसले पर पुनर्विचार के लिए अनामिका जायसवाल द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दी। पीठ ने आठ मई को पारित अपने संक्षिप्त आदेश में कहा कि समीक्षा याचिका का अवलोकन करने के बाद, रिकॉर्ड में कोई त्रुटि स्पष्ट नहीं है। शीर्ष अदालत के नियम 2013 के आदेश नियम 1 के तहत समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता है। इसलिए, पुनर्विचार याचिका खारिज की जाती है। उच्चतम न्यायालय के नियमों के अनुसार, बिना संबंधित वकील से कागजात साझा किए न्यायाधीशों के कक्षों में पुनर्विचार याचिका पर विचार किया जाता है। अदालत ने अपने फैसले में तब सीबीआई या एसआईटी जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि बाजार नियामक संस्था सेबी आरोपों की व्यापक जांच कर रहा और उसका आचरण विश्वास जगाता है। शीर्ष अदालत ने तब सेबी से कहा था कि वह अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच तीन महीने के भीतर पूरी करे। पुनर्विचार याचिका दायरकर्ता अनामिका जायसवाल ने फरवरी (2024) में अधिवक्ता नेहा राठी के माध्यम से अपनी याचिका में दावा किया था कि फैसले में गलतियां और त्रुटियां थीं। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा प्राप्त कुछ नए तथ्यों के आलोक में फैसले की समीक्षा के पर्याप्त कारण थे। याचिका में तर्क दिया गया था कि सेबी ने अपनी रिपोर्ट में आरोपों पर की गई 24 जांचों की स्थिति के बारे में कोर्ट को केवल अपडेट किया था, लेकिन किसी निष्कर्ष या की गई कार्रवाई का विवरण नहीं दिया था।

दैनिक खबर मंत्र की 11 वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

सुखराम हेंम्ब्रम
समाजसेवी सह झारखंड आंदोलनकारी
ईचागढ़ विधानसभा एवं
संस्थापक
स्वच्छ चांडिल, स्वस्थ चांडिल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भोजशाला पर एमपी हाईकोर्ट में सौंपी रिपोर्ट, किया दावा

94 टूटी प्रतिमाएं मिलना मंदिर होने का सबूत

एजेंसी

भोपाल। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार जिले में स्थित भोजशाला का सर्वे पूरा कर अपनी दो हजार पेज की रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच को सौंप दी है। अब 22 जुलाई को इस मसले पर सुनवाई होगी।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि 23 साल पहले लागू की गई व्यवस्था को क्या हाईकोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर बदल देगा? इधर हिंदू पक्ष के वकील की ओर से दावा किया गया कि सर्वे के दौरान कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो साबित करता है कि यहां मंदिर था। धार जिले के इस 11वीं सदी में बने परिसर का विवाद नया नहीं है। हिंदू समुदाय भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है। मुस्लिम पक्ष कमाल मौला मस्जिद कहता है। हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस की याचिका पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को आदेश दिया था कि वह छह हफ्ते में भोजशाला परिसर की साइंटिफिक स्टडी कर अपनी रिपोर्ट सौंपे। हालांकि, रिपोर्ट सौंपने के लिए एएसआई ने और वक्त मांगा। तीन बार समय बढ़ाया गया। चार जुलाई को हाईकोर्ट ने एएसआई को निर्देश दिए थे कि 15 जुलाई तक अपनी पूरी रिपोर्ट सौंप दें।

हमारा पक्ष मजबूत, जायेंगे सुप्रीम कोर्ट : हिंदू पक्ष

हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एएसआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है।

एएसआई रिपोर्ट ने हमारे केस को मजबूत किया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच के सामने हमने कहा था कि यह परिसर एक हिंदू मंदिर का है। इसका इस्तेमाल मस्जिद की तरह हो रहा है। 2003 में एएसआई ने जो आदेश पारित किया था, वह पूरी तरह गलत है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने एएसआई को साइंटिफिक स्टडी के निर्देश दिए थे।

दो हजार पेज की रिपोर्ट में हमारा पक्ष मजबूत हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की कार्यवाही पर स्टे दे रखा है। इस वजह से हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।

यह आदेश पर है विवाद

एएसआई ने 22 मार्च को इस विवादित परिसर का सर्वे शुरू किया था। करीब तीन महीने यह सर्वे चला। दरअसल, पूरा विवाद एजेंसी के सात अप्रैल 2003 के आदेश को लेकर है। हिंदुओं और मुस्लिमों में विवाद बढ़ने पर एएसआई ने आदेश जारी कर परिसर में प्रवेश को सीमित किया था। आदेश के बाद 21 साल से हिंदू सिर्फ मंगलवार को भोजशाला में पूजा-अर्चना कर सकते हैं। मुस्लिम सिर्फ शुक्रवार को नमाज अदा कर सकते हैं। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने इस व्यवस्था को चुनौती दी है।

दैनिक खबर मंत्र की 11 वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं

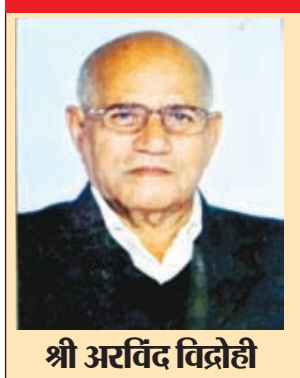

श्री अरविंद विद्रोही
संरक्षक

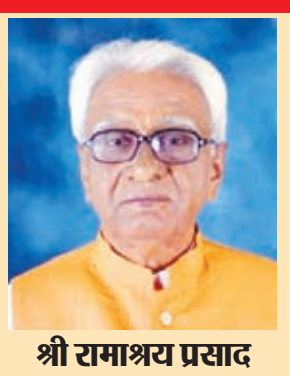

श्री रामाश्रय प्रसाद
अध्यक्ष

श्री रामदरश चौधरी
कार्यकारी अध्यक्ष

श्री धरिशचंद्र प्रसाद
महासचिव

श्री बृंदा प्रसाद
कोषाध्यक्ष

श्री नरेश कुमार सिंह
प्रेस प्रवक्ता

झारखंड प्रदेश वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति, जमशेदपुर।